■ पीएम के खिलाफ नारे और गृहमंत्री की टिप्पणी को लेकर सत्ता-विपक्ष का हंगामा
-7

■ वाणिज्य सचिव ने कहा- अमेरिका से समझौते को अंतिम रूप देने के करीब
-10

■ जॉर्डन के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेगा भारत
-11

■ मेसी ने भारत दौरे के आखिरी चरण दिल्ली में फुटबॉल प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध किया
-12

आज का मौसम

25.0° अधिकतम तापमान

10.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.49

सूर्यास्त 05.18

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष द्वादशी, 11:57 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 16 दिसंबर 2025, वर्ष 35, अंक 317, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

जानलेवा हुआ दिल्ली का प्रदूषण, एक्यूआई 498

कई इलाकों में 500 पार, दिल्ली-एनसीआर के 82 फीसदी लोगों को हुईं गंभीर समस्याएं

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में सोमवार को धुंध छाई रही और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 498 रहा जो गंभीर श्रेणी में आता है। दिल्ली के 38 निगरानी केंद्रों पर वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई ,जबकि दो केंद्रों पर यह 'बेहद खराब' श्रेणी में दर्ज की गई।

वजीरपुर स्थित वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र ने दिन के दौरान अधिकतम एक्यूआई 500 दर्ज किया। सीपीसीबी, एक्यूआई के 500 के पार हो जाने के बाद डेटा दर्ज नहीं करता है। वहीं, जहांगीरपुरी में एक्यूआई 498 दर्ज किया गया। एक्यूईडब्ल्यूएस के अनुसार, दिल्ली की वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में रहने की आशंका है और अगले छह दिनों के लिए भी वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रहने की आशंका है। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी में वायु एक सर्वेक्षण में शामिल दिल्ली-एनसीआर के 82 फीसदी निवासियों ने माना कि उनके जानने वाले एक या अधिक लोग गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिसका कारण वायु प्रदूषण के संपर्क में रहना है।

नई दिल्ली में धूल और प्रदूषण को कम करने के लिए पानी का छिड़काव करता ट्रक ।

5वीं तक ऑनलाइन चलेंगी कक्षाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में दिल्ली सरकार ने सोमवार को स्कूलों को कक्षा पांचवीं तक के छात्रों के लिए 'हाइब्रिड मोड' से 'ऑनलाइन मोड' में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। नर्सरी से कक्षा पांचवीं तक के छात्रों के लिए प्रत्यक्ष कक्षाएं अगले आदेश तक बंद कर दी गई हैं।

17 को सुनवाई करेगा उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बिगड़ते वायु प्रदूषण के स्तर से संबंधित याचिका पर 17 दिसंबर को सुनवाई करेगा। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पामचोली की पीठ ने सुनवाई करेगी।

यूपी में प्रदूषण को लेकर सरकार सख्त, 7 विभागों को किया तलब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पश्चिमी उप्र में प्रदूषण पर राज्य सरकार ने दी हिदायत
- जिम्मेदारों से पूछा, एनसीआर से सटे जिलों में प्रदूषण पर क्या किया

अमृत विचार: राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश में प्रदूषण को लेकर सख्ती दिखाई है। खासकर पश्चिमी उप्र में प्रदूषण पर राज्य सरकार ने निर्देश जारी कर संबधित विभागों को तलब किया है। सरकार ने जिम्मेदारों से पूछा है कि एनसीआर से सटे पश्चिमी उप्र के जिलों में बढ़ते प्रदूषण पर क्या किया है।

ऐसे में सात सरकारी विभागों को अपनी-अपनी रिपोर्ट शासन को भेजनी होगी। दरअसल, पश्चिमी उप्र. के एनसीआर से सटे इलाकों की हवा जहरीली होती जा रही है। प्रदूषण के बढ़ते स्तर के कारण लोगों की परेशानी निरंतर बढ़ती जा रही है। इस स्थिति से निजात दिलाने के लिए राज्य सरकार ने रणनीति तैयार की है। सात विभागों को पश्चिमी यूपी के जिलों में बढ़ रहे प्रदूषण को रोकने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

विकास प्राधिकरणों को दिया गया नोटिस

सरकार की ओर से गाजियाबाद समेत पश्चिमी यूपी के मेरठ, हापुड़-पिलखुआ, बुलंदशहर, खुर्जा, बागपत-बड़ौत और मुजफ्फरनगर के विकास प्राधिकरणों को नोटिस दी गई है। प्राधिकरणों के उपाध्यक्षों से कहा गया है कि वे वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के निर्देशों के अनुसार वार्षिक कार्ययोजना तैयार करें। जिन विभागों को तलब किया गया है उनमें कृषि, परिवहन, नगर विकास, गृह, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास, लोक निर्माण और आवास एवं शहरी नियोजन विभाग शामिल हैं। इन प्रस्तावों में यह बताया जाएगा कि पूरे साल के दौरान हवा की गुणवत्ता में किस तरह सुधार लाया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली हवाई अड्डे पर 228 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डे पर सोमवार को खराब दृश्यता के कारण विभिन्न एअरलाइन की 228 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं और पांच उड़ानों को दूसरे गंतव्य पर भेजना पड़ा। एक अधिकारी ने कहा, हवाई अड्डे पर कुल 228 उड़ानें- 131 प्रस्थान और 97 आगमन - रद्द हुई हैं और पांच उड़ानों के गंतव्य बदले जाने की सूचना मिली है।

पहलगाम हमले में सात आतंकियों पर आरोप पत्र

जम्मू। एनआईए ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मामले में सोमवार को सात के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया, जिनमें पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा और उसके मुखौटा संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' के सदस्य और पड़ोसी देश में मौजूद उनका आका भी शामिल हैं। आरोपपत्र में पाकिस्तान की साजिश, आरोपियों की भूमिका और मामले को साबित करने में सहायक साक्ष्यों का विस्तृत विवरण दिया गया है और इसमें प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा को पहलगाम हमले की साजिश रचने में उसकी भूमिका के लिए एक कानूनी इकाई के तौर पर आरोपित किया गया है। पहलगाम हमले में 25 पर्यटक और एक स्थानीय टट्टू संचालक मारे गए थे।

नेहरू की भूल से उलझा कश्मीर पटेल ने रचा अखंड भारत : योगी

लौहपुरुष पटेल की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री ने गिनाए एकीकरण के निर्णायक फैसले

- कहा, धारा-370 हटाकर मोदी ने पूरा किया वल्लभभाई पटेल-श्यामा प्रसाद का अधूरा सपना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: भारत रत्न लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए देश के एकीकरण में उनके ऐतिहासिक योगदान को याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने जहां 567 रियासतों को भारत में विलय कर अखंड भारत की नींव रखी, वहीं तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की नीतिगत भूलों के कारण कश्मीर ऐसा विवाद बना कि आजादी के बाद दशकों तक भारत को डसता रहा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लौहपुरुष आधुनिक भारत के शिल्पकार थे। उनका नेतृत्व यदि और लंबे समय तक मिला होता, तो देश को कई जटिल समस्याओं से जूझना नहीं पड़ता। 15 दिसंबर 1950 को उनका नश्वर शरीर भले ही पंचतत्व में विलीन हो गया, लेकिन उनकी स्मृतियां और राष्ट्र के प्रति सेवाएं आज भी भारत को दिशा देती हैं। योगी ने कहा कि सरदार पटेल ने स्वतंत्रता आंदोलन में उन्होंने नेतृत्वकारी भूमिका निभाई और कई बार जेल की यातनाएं सहीं, लेकिन अपने लक्ष्य से कभी विचलित नहीं हुए।

लखनऊ के हजरतगंज स्थित पटेल पार्क में सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित मुख्यमंत्री योगी।

पटेल की सूझबूझ से 567 रियासतें भारत गणराज्य का हिस्सा बनीं

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आजादी के समय अंग्रेजों ने देसी रियासतों को भारत, पाकिस्तान या स्वतंत्र रहने का विकल्प दिया था। उस समय सरदार पटेल की राजनीतिक सूझबूझ और दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण 567 रियासतें भारत गणराज्य का हिस्सा बनीं। जूनागढ़ और हैदराबाद जैसी रियासतों का भारत में विलय उनकी रक्तहीन लेकिन निर्णायक रणनीति का परिणाम था। कश्मीर के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का मामला पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने हाथ में लिया, लेकिन उनके फैसलों से कश्मीर ऐसा विवाद बना, जिससे उग्रवाद और अलगाववाद को बढ़ावा मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सरदार पटेल और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को साकार करते हुए धारा-370 को समाप्त किया और 'एक देश, एक विधान, एक निशान' के संकल्प को मजबूती दी। योगी ने कहा कि गृहमंत्री के रूप में सरदार पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनरुद्धार, प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने और अखिल भारतीय सेवाओं की नींव रखने जैसे अनेक ऐतिहासिक कार्य किए। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह समेत कई विधायक और नेता मौजूद रहे।

मनरेगा की जगह 'विकसित भारत जी राम जी' बिल लाएगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

- लोकसभा की कार्यसूची में यह विधेयक किया गया सूचीबद्ध, मिलेगी 125 दिनों के रोजगार की गारंटी

सरकार 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम' (मनरेगा) को निरस्त करने और इस संबंध में एक नया कानून बनाने के लिए लोकसभा में विधेयक लेकर आ सकती है। नए विधेयक का नाम 'विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण)' (विकसित भारत- जी राम जी) विधेयक, 2025' होगा।

विधेयक की प्रतियां लोकसभा सदस्यों को बांटी गई हैं। विधेयक का उद्देश्य 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप ग्रामीण विकास ढांचा स्थापित करना है, जिसके तहत अकुशल शारीरिक श्रम करने के लिए स्वेच्छा से आगे आने वाले प्रत्येक ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्यों को हर वित्त वर्ष में 125 दिन के रोजगार की वैधानिक गारंटी दी जाएगी। इसका लक्ष्य सशक्तीकरण एवं विकास को बढ़ावा देकर समृद्ध और सक्षम ग्रामीण भारत का निर्माण करना है। लोकसभा की सोमवार की कार्यसूची में यह विधेयक सूचीबद्ध किया गया है। विधेयक के उद्देश्यों के कथन में ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि मनरेगा ने पिछले 20 साल से अधिक समय तक ग्रामीण परिवारों को रोजगार की गारंटी दी है। उन्होंने कहा, हालांकि, सामाजिक सुरक्षा के बड़े पैमाने पर कवरेज और बड़ी सरकारी योजनाओं को पूरी तरह लागू करने से ग्रामीण इलाकों में जो बड़ा सामाजिक-आर्थिक बदलाव आया है, उसे देखते हुए इसे और मजबूत करना जरूरी हो गया है। मनरेगा में जहां आजीविका सुरक्षा बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित था, वहीं नए विधेयक में कहा गया है कि इसका मकसद समृद्ध और लचीले ग्रामीण भारत के लिए सशक्तीकरण, विकास, तालमेल और संतृप्ति को बढ़ावा देना है।

मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाया जाना राष्ट्रपिता का अपमान : प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मनरेगा के स्थान पर नया कानून बनाने की तैयारी के बीच कहा कि आखिर इस योजना से महात्मा गांधी का नाम क्यों हटाया जा रहा है। उसने यह आरोप भी लगाया कि सरकार का कदम महात्मा गांधी का अपमान है। सरकार के कदम के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, जब भी किसी योजना का नाम बदला जाता है, तो कार्यालयों, स्टेशनरी में बहुत सारे बदलाव करने पड़ते हैं, जिसके लिए पैसा खर्च किया जाता है। तो, क्या फायदा है? ऐसा क्यों किया जा रहा है?

जीएसटी चोरी करने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

जीएसटी चोरी के आरोप में पकड़े गए अंतरराज्यीय गिरोह के सदस्य।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एसटीएफ ने नोएडा और बिहार के वैशाली से आरोपियों को दबोचा

अमृत विचार: बोगस फर्मों का पंजीकरण कर फर्जी इनवॉइस और ई-वे बिल से सरकार को करोड़ों रुपये का चूना लगाने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का एसटीएफ ने पर्दाफाश किया है। एसटीएफ ने गिरोह के पांच सदस्यों को गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) और बिहार के वैशाली से गिरफ्तार किया है। गिरोह फर्जी दस्तावेजों के सहारे वास्तविक फर्मों को इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) बेचकर बड़े पैमाने पर कर चोरी कर रहा था। आरोपियों के पास से चार लैपटॉप, नौ मोबाइल फोन और 13,500 रुपये बरामद हुए हैं।

एसटीएफ के डिप्टी एसपी प्रमेश कुमार शुक्ला के मुताबिक, शनिवार को एसटीएफ टीम ने नोएडा कार्यालय में पूछताछ के दौरान चार आरोपियों को हिरासत में लिया। वहीं, पाचवें आरोपी को बिहार के वैशाली जिले से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में गाजियाबाद साहिबाबाद सुल्तानपुर का बिदेश्वर प्रसाद पांडेय, मूलत बिहार के गोपालगंज का बबलू कुमार, प्रिंस पांडेय, छपरा का दीपांशु शर्मा (तीनों ने गाजियाबाद में ठिकाना बना रखा है) और बिहार वैशाली का जयकिशन शामिल हैं।

ऐसे दिया जाता था कर चोरी को अंजाम : पूछताछ में सामने आया कि गिरोह का मास्टरमाइंड बिदेश्वर पाण्डेय गाजियाबाद में अकाउंटेंसी और जीएसटी से जुड़ी कोचिंग चलाता था। यहीं उसने बोगस फर्में बनाकर फर्जी इनवॉइस और ई-वे बिल तैयार करने का नेटवर्क खड़ा किया।

मोबाइल में मिले 50 से अधिक ईमेल आईडी

एएसटीएफ के अनुसार आरोपियों के मोबाइल फोन में 50 से अधिक ई-मेल आईडी और कई फर्मों के लॉगिन डिटेल्स मिले हैं। प्रारंभिक जांच में करोड़ों रुपये की जीएसटी चोरी के साक्ष्य मिले हैं। इस मामले में जीएसटी विभाग द्वारा प्रदेश के विभिन्न जनपदों में पहले से रिपोर्ट दर्ज कराए गए थे। एसटीएफ ने सभी आरोपियों को शनिवार को कोर्ट में पेश किया। जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है।

राम मंदिर आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले डॉ. रामविलास हुए गोलोकवासी

संवाददाता, अयोध्या

अमृत विचार : भाजपा के पूर्व सांसद व राम मंदिर आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले डॉ. राम विलास दास वेदांती सोमवार को गोलोकवासी हो गए। मध्य प्रदेश के रीवा में प्रवास के दौरान 13 दिसंबर को अचानक उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया था। इलाज के दौरान उनका साकेतवास हो गया।

वह 12 वर्ष की आयु में ही अयोध्या आ गए थे। नया घाट स्थित हिंदू धाम में निवास करते थे। मंगलवार तक उनका पार्थिव देह अयोध्या पहुंचेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख स्तंभ, पूर्व सांसद एवं श्री अयोध्या धाम स्थित वशिष्ठ आश्रम के पूज्य संत डॉ. रामविलास वेदांती जी महाराज का गोलोकगमन आध्यात्मिक जगत और सनातन संस्कृति के लिए अपूर्णीय क्षति है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि हैं।

उनका जाना एक युग का अवसान है। धर्म, समाज व राष्ट्र की सेवा को समर्पित उनका त्यागमय जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा है। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान और शोक संतप्त शिष्यों एवं अनुयायियों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

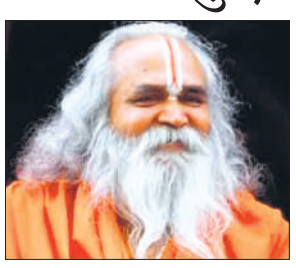

ओमान यात्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को ओमान पहुंच गए। जॉर्डन की यह पूर्ण द्विपक्षीय यात्रा 37 साल के अंतराल के बाद हो रही है। ओमान में भारतीय समुदाय के सदस्यों ने प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। (संबंधित पेज 11 पर) ● एजेंसी

सुप्रीम टिप्पणी

धनवानों की विशेष पूजा के कारण देवताओं की विश्राम अवधि में बाधा उत्पन्न होने से न्यायालय नाखुश

विश्राम अवधि में धनवानों के लिए विशेष पूजा भगवान का शोषण

नई दिल्ली, एजेंसी

- मंदिर प्रबंधन समिति और प्रदेश सरकार को नोटिस

उच्चतम न्यायालय ने मंदिरों में पैसे लेकर विशेष पूजा करने की अनुमति देने की प्रथा पर नाखुशी जाहिर करते हुए सोमवार को कहा कि इससे देवताओं के लिए निर्धारित विश्राम अवधि' में बाधा पहुंचती है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि दोपहर 12 बजे मंदिर बंद करने के बाद, वे देवता को एक पल के लिए भी आराम नहीं करने देते और उनका शोषण करते हैं। तथाकथित धनी लोग जो भारी रकम चुका सकते हैं, उन्हें विशेष पूजा करने की अनुमति दी जाती है। उन लोगों को आमंत्रित किया जाता हैं और विशेष पूजा की जाती है।

शीर्ष अदालत ने वृंदावन के प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में दर्शन के समय और प्रथाओं में बदलाव को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान अधिकारियों से जवाब तलब किया। पीठ ने शीर्ष कोर्ट की ओर से नियुक्त उच्चाधिकार प्राप्त मंदिर प्रबंधन समिति और उप्र सरकार को नोटिस जारी किया। पीठ ने मामले को जनवरी के पहले सप्ताह में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। उसने वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान और वकील तन्वी दुबे की ओर से बांके बिहारी मंदिर में देवता के दर्शन के समय में बदलाव और देहरी पूजा सहित कुछ आवश्यक धार्मिक प्रथाओं को रोकने के विरोध में पेश दलीलों पर गौर किया। मंदिर के सेवायतों का प्रतिनिधित्व करते हुए दीवान और दुबे ने कहा कि पूजा का समय पवित्र है और इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।

बदलावों से उठा विवाद

मंदिर के शासन ढांचे में बदलावों के मद्देनजर यह विवाद उत्पन्न हुआ। दशकों तक, 1939 की प्रबंधन योजना बांके बिहारी मंदिर के प्रशासन, अनुष्ठानों और वित्तीय मामलों को नियंत्रित करती रही। मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश 2025 इस योजना को राज्य-नियंत्रित ट्रस्ट से प्रतिस्थापित करने का प्रयास करता है, जिससे धार्मिक संस्थानों में सरकारी हस्तक्षेप और परंपराओं पर प्रभाव को लेकर बहस छिड़ गई है।

भगवान के सोने-जागने का समय भी बदल दिया

दलील पेश करते हुए अधिवक्ता दीवान ने कहा कि दर्शन का समय परंपरा और रीति-रिवाजों का हिस्सा है। जनता के लिए मंदिर के खुले रहने का समय एक लंबी परंपरा का हिस्सा है। ऐतिहासिक रूप से समय का कड़ाई से पालन किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि मंदिर में दर्शन के समय में बदलाव के कारण आंतरिक अनुष्ठानों में भी बदलाव आया है, जिसमें देवता के सुबह उठने और रात में सोने का समय भी शामिल है। यह देवता के लिए विश्राम का एक बहुत ही महत्वपूर्ण समय है। न्यायालय एक अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा उठा रहा है। समय पवित्र है और इसका पालन किया जाना चाहिए।

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 16 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

अयोध्या के दो अस्पतालों में बढ़ेंगे संसाधन

अमृत विचार, लखनऊ : रामनगरी अयोध्या में श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा चिकित्सकीय व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी क्रम में अयोध्या में देवगांव स्थित 50 बेडेड संयुक्त चिकित्सालय एवं कुमारगंज स्थित 100 बेडेड अस्पताल में अत्याधुनिक चिकित्सकीय सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके लिए राज्य सरकार ने 2.5 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत कर दिया है। इस बजट से अत्याधुनिक चिकित्सकीय उपकरणों की उपलब्धता से गुणवत्ता युक्त चिकित्सकीय सेवाएं जन सामान्य को सुलभ होंगी। स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सचिव आनन्द कुमार राय द्वारा सोमवार को स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.रतन पाल सिंह सुमन को आदेश जारी कर दिया गया है।

अटल जयंती पर कुमार विश्वास का काव्य पाठ

अमृत विचार, लखनऊ : पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी की जयंती श्रद्धाभाव से मनाई जाएगी। 24 दिसंबर को जयंती समारोह की पूर्व संध्या पर कवि डॉ. कुमार विश्वास द्वारा एकल काव्य पाठक का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश भर के गणमान्य व्यक्ति समारोह में जुटेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। सोमवार को समारोह की तैयारियों को लेकर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के राजभवन कॉलोनी स्थित आवास में अटल बिहारी बाजपेयी मेमोरियल फाउंडेशन की बैठक हुई। ब्रजेश पाठक ने बताया कि केजीएमयू के अटल बिहारी बाजपेयी सांइटिफिक कन्वेंशन सेंटर में शाम पांच बजे आयोजन होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ होंगे।

शारदा बैराज बनेगा वेलनेस व टूरिज्म हब

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड (यूपीईटीडीबी) द्वारा लखीमपुर खीरी स्थित शारदा बैराज को एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए बोर्ड ने बैराज को 'एकोमोडेशन एंड वेलनेस टूरिज्म डेस्टिनेशन' के रूप में विकसित करने के लिए एजेंसी चयन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस परियोजना के तहत पर्यटकों को एक ही स्थान पर ईको-टूरिज्म, वाइल्डलाइफ और वेलनेस का अनूठा अनुभव मिलेगा। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने सोमवार को दी। उन्होंने बताया कि शारदा बैराज को आधुनिक वेलनेस सुविधाओं से युक्त आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां स्वास्थ्य, शांति, प्राकृतिक और आध्यात्मिक अनुभव एक साथ उपलब्ध होंगे। साथ ही बताया कि परियोजना में आवास और वेलनेस सुविधाओं के निर्माण में प्रीफैब्रिकेटेड संरचनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा।

धान क्रय केंद्र की शिकायत लेकर योगी से मिला किसान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- डीएम को फटकार, शाहजहांपुर जिले के सभी क्रय केंद्रों के औचक निरीक्षण के निर्देश

अमृत विचार: धान क्रय केंद्रों पर लापरवाही की शिकायत लेकर शाहजहांपुर से आए किसान की फरियाद पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अपनाया। सोमवार को 'जनता दर्शन' के दौरान शिकायत सुनते ही मुख्यमंत्री ने शाहजहांपुर के जिलाधिकारी को फटकार लगाई और जिले के सभी धान क्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि अन्नदाता किसानों को किसी भी कीमत पर परेशान नहीं किया जाना चाहिए और धान खरीद में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्रय केंद्रों पर तौल, भुगतान और बैठने जैसी मूलभूत व्यवस्थाएं सुनिश्चित हों। किसानों को अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें और भुगतान समय से किया जाए। किसी भी स्तर पर गड़बड़ी की शिकायत मिलने पर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई तय होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन के दौरान प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों से एक-एक कर मुलाकात की। सभी की समस्याएं सुनीं और उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए समयबद्ध और निष्पक्ष निस्तारण के निर्देश दिए। प्रयागराज समेत अन्य जिलों से आए फरियादियों की शिकायतों पर भी जिला और पुलिस प्रशासन को कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

लखनऊ : कालिदास मार्ग स्थित अपने आवास पर जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

गलन और कोहरे की चपेट में प्रदेश, यातायात प्रभावित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश गलन और कोहरे की चपेट में है। ऐसे में सड़क, रेल व हवाई यातायात के साथ जनजीवन भी प्रभावित है। इस बीच ठंडी पछुआ हवाएं चलीं जिससे गलन और ठिठुरन बढ़ गई है।

मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ से मिली जानकारी के मुताबिक, दो दिनों में पछुआ की रफ्तार क्रमशः बढ़ेगी और पारे में गिरावट के साथ ही कोहरे का असर कम होगा। मौसम विभाग के अनुसार दो से चार डिग्री तक पारे में गिरावट आ सकती है। उधर, आगरा, बरेली, प्रयागराज और मुरादाबाद में अत्यधिक घने कोहरे की वजह से दृश्यता शून्य तक पहुंच गई। वाराणसी, अलीगढ़, इटावा में दृश्यता 50 मीटर तक दर्ज हुई। मंगलवार को प्रयागराज, मिर्जापुर, आगरा, इटावा, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली व आसपास के इलाकों में अत्यधिक घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। कोहरे का असर सोमवार को ट्रेनों के साथ साथ उड़ान सेवाओं पर भी पड़ा। लखनऊ से भी यह उड़ानें देर से रवाना हो सकीं। इस कड़ी में झांसी में कोहरे के चलते वंदेभारत पौने दो तो शताब्दी आई साढ़े तीन घंटे लेट हुई। दिल्ली से आने वाली अधिकांश ट्रेनें दो से साढ़े चार घंटे की देरी से चल रही हैं।

यूपी में एआई सिटी से डिफेंस एनर्जी तक टाटा का मेगा प्लान

मुख्यमंत्री योगी और टाटा ग्रुप के चेयरमैन चंद्रशेखरन की बैठक में बड़े निवेश प्रस्तावों पर सहमति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश को तकनीक, औद्योगिक विकास और वैश्विक निवेश का हब बनाने की दिशा में सरकार ने एक और बड़ा कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के बीच सोमवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक में राज्य में एआई सिटी, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, डिफेंस कॉरिडोर, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, ऊर्जा, ईवी और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में बड़े निवेश प्रस्तावों पर सहमति बनी। यह बैठक उत्तर प्रदेश की डिजिटल अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और 5 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लक्ष्य को गति देने वाली मानी जा रही है।

बैठक में टाटा समूह ने राजधानी लखनऊ में 'एआई सिटी' विकसित करने का प्रस्ताव रखा। यह एआई सिटी स्टार्टअप्स, रिसर्च, इनोवेशन और हाई-एंड टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम का केंद्र बनेगी। इसके साथ ही गोरखपुर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने का प्रस्ताव भी रखा गया, जिससे पूर्वांचल के युवाओं को अत्याधुनिक तकनीकों में प्रशिक्षण मिलेगा। टाटा समूह ने बताया कि आईआईटी कानपुर के साथ हुए एमओयू के तहत 48 करोड़ रुपये के निवेश से युवाओं को एआई, साइबर सिक्योरिटी, डेटा साइंस, ड्रोन, 3डी प्रिंटिंग और स्पेस टेक्नोलॉजी में प्रशिक्षित किया जाएगा। वहीं टीसीएस की लखनऊ, नोएडा और वाराणसी इकाइयों में वर्कफोर्स को 16 हजार से बढ़ाकर 30 हजार करने की योजना है, जिससे आईटी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। बैठक में टाटा संस के मुखिया की ओर से प्रदेश में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) की स्थापना को लेकर भी विमर्श हुआ। इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और डिफेंस कॉरिडोर में निवेश बढ़ाने पर भी सहमति बनी। टाटा समूह मोबाइल उपकरणों, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स, ड्रोन, मिसाइल सिस्टम और रक्षा वाहनों के उत्पादन को विस्तार देगा। बबीना और झांसी जैसे रक्षा औद्योगिक नोड्स में निवेश बढ़ाने का रोडमैप रखा गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करते टाटा ग्रुप के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन।

टाटा समूह के प्रस्ताव

- एआई सिटी और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस
- डिफेंस कॉरिडोर में उत्पादन विस्तार
- 30 नए होटल, हॉस्पिटैलिटी बूम
- 1900 मेगावाट थर्मल पावर यूनिट सोलर, ईवी और आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर

> उत्तर प्रदेश स्थिर नीति, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और तेज फैसलों के कारण निवेशकों की पहली पसंद बन चुका है। टाटा समूह की भागीदारी राज्य को टेक्नोलॉजी और इंडस्ट्रियल ग्रोथ का राष्ट्रीय केंद्र बनाएगी।
>
> -योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री

हॉस्पिटैलिटी पर सबसे ज्यादा फोकस

टाटा समूह के चेयरपर्सन एन. चंद्रशेखन ने मुख्यमंत्री के समक्ष बताया कि ताज, विवांता और सेलेक्शंस ब्रांड के 30 होटल पहले से निर्माणाधीन हैं, जिनकी प्रगति रिपोर्ट साझा की गई। इसके साथ ही प्रदेश में पर्यटन और प्रीमियम हॉस्पिटैलिटी की बढ़ती मांग को देखते हुए 30 नए होटल विकसित करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। इसके पूरा होने पर प्रदेश में लक्ज़री होटल रूम्स की संख्या मौजूदा करीब 2,000 से बढ़कर 5,000 तक पहुंच जाएगी। ये होटल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन केंद्रों अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज, वृंदावन, आगरा, लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर और बिजनौर में विकसित किए जाएंगे। टाटा समूह ने बताया कि धार्मिक पर्यटन, सांस्कृतिक विरासत और बेहतर कनेक्टिविटी के कारण इन शहरों में पर्यटकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

अयोध्या में जनवरी 2027 तक बनेगा म्यूजियम

बैठक में अयोध्या में प्रस्तावित म्यूज़ियम ऑफ टेम्पल आर्किटेक्चर के निर्माण कार्य को जनवरी 2027 तक पूरा करने पर जोर दिया गया। टाटा समूह मथुरा–वृंदावन क्षेत्र में धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण से जुड़ी परियोजनाएं शुरू करेगा। इसके तहत कुल आठ कुंडों का जीर्णोद्धार कराया जाएगा। इसके साथ ही प्रदेश के प्रमुख गंगा घाटों की सफाई और संरक्षण के कार्य में भी टाटा समूह सहयोग करेगा।

सभी सरकारी अस्पतालों में अब लगेगी बायोमेट्रिक हाजिरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सभी अस्पतालों के प्रमुखों सीएमएस और सीएमओ को आदेश जारी

अमृत विचार : सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों और कर्मचारियों की लेटलतीफी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अस्पतालों में समयबद्ध कार्य संस्कृति लागू करने के उद्देश्य से अब सभी डॉक्टरों एवं कर्मचारियों को प्रवेश के समय बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करानी अनिवार्य होगी। निर्धारित समय पर उपस्थित न होने वालों से जवाब तलब किया जाएगा और संतोषजनक कारण न होने पर उन्हें अवकाश लेना पड़ेगा। हालांकि यह व्यवस्था कब से लागू होगी, आदेश में स्पष्ट नहीं है।

स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. रतन पाल सिंह सुमन ने इस संबंध में सोमवार को प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों के प्रमुखों, सीएमएस और सीएमओ को आदेश जारी कर दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि सभी अस्पतालों में बायोमेट्रिक सिस्टम स्थापित कर इसे सख्ती से लागू किया जाएगा। उपस्थिति दर्ज कराने में 15 मिनट की मोहलत दी जाएगी। इसके बाद विलंब होने पर संबंधित डॉक्टर या कर्मचारी को कारण बताना होगा, अन्यथा अनुपस्थित मानते हुए अवकाश दर्ज किया जाएगा। स्वास्थ्य महानिदेशक ने बताया कि प्रदेश के बड़े अस्पतालों में पहले से ही बायोमैट्रिक सिस्टम स्थापित है, जबकि अब इसे सभी छोटे अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी लागू किया जाएगा। इस आदेश के बाद सभी अस्पतालों में प्रशासनिक अधिकारियों को जल्द से जल्द बायोमेट्रिक सिस्टम स्थापित कराना होगा।

हापुड़ में 1300 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव

अमृत विचार, लखनऊ: हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण (एचपीडीए) द्वारा आयोजित इन्वेस्ट इन हापुड़ समिट-2025 में करीब 1300 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिसने हापुड़ को एनसीआर के नए ग्रोथ इंजन के रूप में स्थापित कर दिया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने उद्घाटन सत्र में 100 से अधिक निवेशकों के समक्ष कहा कि दिल्ली-एनसीआर का विकास अब केवल नोएडा, गाजियाबाद या गुरुग्राम तक सीमित नहीं रहेगा। हापुड़ जैसे क्षेत्र अब नए विकास केंद्र के रूप में उभर रहे हैं। एचपीडीए के उपाध्यक्ष डॉ. नितिन गौड़ ने बताया कि यह पहली बार है जब प्राधिकरण स्तर पर इन्वेस्टर समिट का आयोजन किया गया।

13 साल से फरार माओवादी नेता वाराणसी से गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सीताराम उर्फ विनय

अमृत विचार: प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन सीपीआई (माओवादी) के एक प्रमुख और लंबे समय से फरार चल रहे नक्सली नेता को यूपी एटीएस ने वाराणसी से गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। गिरफ्तार अभियुक्त जी उर्फ ओमप्रकाश उर्फ धनु पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था और वह करीब 13 वर्षों से पुलिस को चकमा देकर अलग-अलग राज्यों में नाम व भेष बदलकर रह रहा था। एटीएस ने उसे 15 दिसंबर 2025 को काशी रेलवे स्टेशन से धर दबोचा।

एटीएस के अनुसार, लंबे समय से खुफिया इनपुट मिल रहे थे कि सीपीआई (माओवादी) का यह वरिष्ठ कैडर सक्रिय है और शहरी क्षेत्रों में संगठन के ओवरग्राउंड वर्करों (ओजीडब्ल्यू) के जरिए नेटवर्क संभाल रहा है। सीताराम मूल रूप से बलिया जिले के मनियर थाना क्षेत्र के मुड़ियारी गांव का निवासी है। जांच में सामने आया है कि वर्ष 2012 में बलिया के सहतवार थाना क्षेत्र के अतरडरिया गांव में ग्राम प्रधान मुसाफिर चौहान की पत्नी फूलमति की हत्या में उसकी प्रमुख भूमिका थी। प्रधान को पुलिस मुखबिर मानकर उसकी हत्या की साजिश रची गई थी, हालांकि वह बच निकला।

लखनऊ : अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा के प्रथम स्थापना दिवस कार्यक्रम में उपस्थित उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या, पूर्व सांसद राजवीर सिंह राजू भैया, सांसद साक्षी महाराज, मंत्री संदीप सिंह, साथ में अन्य। अमृत विचार

बेरोजगारों की पिटाई कर अपमानित कर रही भाजपा सरकार : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रयागराज में लोक सेवा आयोग में भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्र-नौजवानों के साथ अमानवीय और दुर्व्यवहार की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी की पीड़ा से गुजर रहे युवाओं के साथ अमानवीय तरीके से मारपीट व बाल पकड़कर अपमानित करने का जो काम राज्य की भाजपा सरकार कर रही है, वह भाजपा का सत्ता का अहंकार है, जो अमानुषिक बनकर अपनी ताकत दिखा रहा है। सपा प्रमुख ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा ये न भूले कि पढ़ने वाले युवा लड़ना नहीं चाहते हैं, वो तो बस साफ-सुथरे तरीके से नौकरी की प्रक्रिया का शुद्धीकरण करवाने की मांग कर रहे हैं।

नौ जिलों में 3,200 करोड़ की 16 परियोजनाएं मंजूर

लखनऊ में सर्वाधिक 2,154.69 करोड़ की छह परियोजना

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 3,845 आवासीय, व्यावसायिक व मिश्रित इकाई होंगी विकसित

अमृत विचार : उप्र. रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने 190वीं बैठक में नौ जिलों की 16 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। करीब 3,200 करोड़ के निवेश से 3,845 आवासीय, व्यावसायिक एवं मिश्रित उपयोग की इकाइयां विकसित की जाएंगी। सबसे अधिक लखनऊ में 2,154.69 करोड़ से छह परियोजनाओं में 1406 इकाइयां विकसित की जाएंगी।

सोमवार को न्यू हैदराबाद स्थित रेरा मुख्यालय में अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी की अध्यक्षता में प्राधिकरण की बैठक हुई। इस दौरान आगरा में 200.69 करोड़ की लागत वाली दो परियोजनाओं में 668 इकाई, लखनऊ में 2,154.69 करोड़ की लागत से छह परियोजनाओं में 1,406 इकाई, गाजियाबाद में 74.18 करोड़ की लागत से दो परियोजनाओं में 210 व्यावसायिक इकाई, बरेली में 104 करोड़ की लागत से एक आवासीय परियोजना में 454 इकाई, प्रयागराज में 6.05 करोड़ की लागत से एक आवासीय परियोजना में 74 इकाई, अलीगढ़ में 77.47 करोड़ की लागत से एक आवासीय परियोजना में 142 इकाई, झांसी में 16.26 करोड़ की लागत से आवासीय परियोजना में 220 इकाई, मथुरा–वृंदावन में 50.48 करोड़ की एक आवासीय परियोजना में 127 इकाई व मुरादाबाद में 516.34 करोड़ की एक आवासीय परियोजना में 544 इकाई विकसित करने को मंजूरी दी गई।

लखनऊ : रेरा मुख्यालय पर बोर्ड बैठक की अध्यक्षता करते अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी।

स्थापना दिवस पर याद किए गए कल्याण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रामभक्ति, राष्ट्रधर्म और सामाजिक स्वाभिमान की हुंकार के साथ मनाया अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा का स्थापना दिवस

अमृत विचार: रामभक्ति, राष्ट्रधर्म और सामाजिक स्वाभिमान की हुंकार के साथ अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा ने सोमवार को अपना प्रथम स्थापना दिवस मनाया। गोमतीनगर विस्तार स्थित सीएमएस सभागार में इस दौरान यह दृश्य केवल संगठन के एक वर्ष पूरे होने का उत्सव मात्र नहीं, बल्कि यहां उस वैचारिक धारा का भी उद्घोष सुनायी दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अगर आज हम देश और प्रदेश में सत्ता के शिखर पर हैं, तो उसमें कल्याण सिंह बाबूजी का बहुत बड़ा योगदान है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि बाबूजी गरीबी और भूख को भाषणों से नहीं, जीवन से जानते थे। यही कारण था कि जब प्रभु श्रीराम का प्रश्न आया तो उन्होंने मुख्यमंत्री की कुर्सी को भी ठोकर मार दी। श्री पाठक ने कहा कि सत्ता से चिपके रहना सामान्य है, लेकिन सत्ता त्यागकर सिद्धांतों पर खड़ा होना असाधारण साहस है, और बाबूजी उसी साहस के प्रतीक थे।

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा का प्रथम स्थापना दिवस समाज की एकता, संगठनात्मक सशक्तता और सर्वसमावेशी सोच का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि युवाओं का मार्गदर्शन करना, उन्हें संगठित करना और सांस्कृतिक चेतना के साथ सकारात्मक राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़ाना लोधी समाज का दायित्व है। पूर्व सांसद राजवीर सिंह राजू भैया ने कहा कि स्थापना दिवस पर उमड़ी भीड़ यह प्रमाण है कि एक वर्ष में ही संगठन शैशवावस्था से निकलकर परिपक्वता की ओर बढ़ चुका है।

सांसद साक्षी महाराज ने कहा कि यदि कल्याण सिंह न होते तो राम मंदिर आंदोलन निर्णायक मुकाम तक नहीं पहुंचता। राम मंदिर का नाम आते ही हर हिंदू के मन में बाबूजी का चित्र उभर आता है, क्योंकि उन्होंने जो कहा, वही करके दिखाया।

कवायद

प्रदेश के 100 सरकारी अस्पतालों में शुरू होंगे डीएनबी पाठ्यक्रम

डिप्लोमा चिकित्सक भी बनेंगे शिक्षक, बढ़ेंगी डीएनबी सीटें

पद्माकर पाण्डेय, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में गुणवत्ता युक्त चिकित्सकीय सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में राज्य सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। अब डीएनबी (डॉक्टरेट ऑफ नेशनल बोर्ड) पाठ्यक्रम 39 नहीं बल्कि प्रदेश के 100 सरकारी अस्पतालों में संचालित किया जाएगा। विभिन्न विषयों में डीएनबी सीटों की संख्या के लिए स्वास्थ्य विभाग में कवायद शुरू हो चुकी है।

स्वास्थ्य विभाग ने प्रत्येक अस्पताल में विषयवार कितनी सीटें स्वीकृत की जा सकती हैं, इसका आकलन करने के लिए सभी सरकारी अस्पतालों के प्रशासन से मौजूदा विशेषज्ञ और डिप्लोमाधारी चिकित्सकों का विस्तृत विवरण मांगा है। इसमें चिकित्सकों के अनुभव, विषय विशेषज्ञता और सेवाकाल की जानकारी शामिल है।

मेडिकल कॉलेजों की पीजी सीटों के अलावा नीट उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को विभिन्न विषयों में तीन वर्षीय डीएनबी पाठ्यक्रम में प्रवेश का अवसर मिलता है। यह पाठ्यक्रम प्रायः सरकारी अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों में संचालित होते हैं। शिक्षक समेत अन्य मानकों के पूरा होने पर राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) संबंधित अस्पताल को निर्धारित सीटों पर दाखिले की अनुमति देता है। वर्तमान में प्रदेश के 39 सरकारी अस्पतालों में विभिन्न विषयों की कुल 183 डीएनबी सीटों पर चिकित्सक अध्ययनरत हैं। नए समीकरण में स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेश के 100 सरकारी अस्पतालों में अधिक से अधिक डीएनबी सीटें संचालित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। अस्पतालों ने डिप्लोमा प्राप्त विशेषज्ञ चिकित्सकों का अनुभव सहित विवरण शासन को भेजना शुरू भी कर दिया है।

10 व 13 वर्ष का अनुभव रखने वाले बनेंगे शिक्षक

एनएमसी की ओर से मानकों में आंशिक राहत दिए जाने के बाद डीएनबी सीटें बढ़ाने की प्रक्रिया तेज हो गई है। नए नियमों के तहत एमडी-एमएस के अलावा संबंधित विषय में 13 वर्षों का चिकित्सकीय सेवा अनुभव रखने वाले डिप्लोमा प्राप्त विशेषज्ञ चिकित्सकों को फैकल्टी के रूप में मान्यता दी जाएगी। साथ ही 10 साल के अनुभवी चिकित्सक को सहायक फैकल्टी बनाया जाएगा, इससे कई सरकारी अस्पताल डीएनबी व डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालन के योग्य हो जाएंगे।

> प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग के 100 अस्पतालों में डीएनबी पाठ्यक्रम शुरू होने से मरीजों को बेहतर इलाज मिलेगा और प्रदेश में विशेषज्ञ चिकित्सकों की संख्या भी बढ़ेगी। अस्पतालों द्वारा मौजूदा विशेषज्ञ चिकित्सकों का विवरण मिलने के बाद सीट स्वीकृति के लिए एनएमसी में आवेदन किया जाएगा।
>
> -अमित कुमार घोष, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य विभाग, उप्र.

न्यूज ब्रीफ

रिपोर्ट नहीं लिखी तो किया हंगामा

अमृत विचार, बख्शी का तालाब : कठवारा में शनिवार की रात में गांव सड़क पर अचेत मिले अजय सिंह उर्फ सोनू की पिटाई कर अधमरा कर दिया। उसका इलाज अस्पताल में चल रहा है। परिवार के लोगों ने पुलिस पर आरोप लगाया कि 36 घंटे बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं की। इसे लेकर सोमवार को चार घंटे तक परिजन ने थाने का घेराव किया। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज करने से मना कर दिया है। कठवारा गांव निवासी जितेंद्र सिंह के मुताबिक, उनके भाई अजय सिंह उर्फ सोनू का गांव की ही लड़की से दोस्ती थी। जिसको लेकर उसके परिजन नाराज थे। शनिवार की रात्रि घर के पास एक कार्यक्रम में सोनू सम्मिलित होकर देर रात्रि घर लौट रहे थे। तभी रास्ते में उनके ऊपर जानलेवा हमला कर दिया। मृत समझकर सड़क किनारे फेंक कर चले गए थे। जानकारी मिलने पर उन्होंने सोनू को अस्पताल में भर्ती कराया। एसीपी ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। घायल अजय सिंह सोनू के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज है।

प्रेमी ने अश्लील फ़ोटो की वायरल, हिरासत में

अमृत विचार, मोहनलालगंज : मोहनलालगंज इलाके के एक गांव निवासी व्यक्ति ने एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस के मुताबिक इलाके के व्यक्ति ने पिपरौली निवासी अरुण पाल से उसकी बेटी की दोस्ती थी। बेटी की शादी तय कर दिया। इसकी जानकारी अरुण को हुई तो उसने जबरन उसने बेटी के साथ शादी का दबाव बनाना शुरू किया। विरोध करने पर बेटी के ससुराल में फोन कर शादी करने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद बेटी के अश्लील फोटो व वीडियो भेज दिये। शादी भी टूटने की कगार पर है। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि पिता की तहरीर पर आरोपी अरुण पाल पर एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है।

डांस को लेकर युवक को दोस्तों ने पीटा

अमृत विचार, मोहनलालगंज : हुलासखेड़ा निवासी राज त्रिवेदी ने बताया कि रविवार की रात अपने दोस्त अनीत यादव व विनीत यादव निवासी कुशालीखेड़ा के घर पर जन्मदिन पार्टी में गया था। जहां पर डीजे पर डांस करने के दौरान आर्यन यादव से विवाद हो गया। उसने गाली-गालौज करते हुये उसे धक्का दे दिया। जब उसने विरोध जताया तो आर्यन व अनीत, विनीत गोलू अपने साथियों के साथ मिलकर उसकी लात घुसो से पिटाई शुरू कर दी। इस दौरान बीच बचाव करने पर दोस्त दीपक यादव की भी आरोपियों ने पिटाई कर दी। आरोपी आर्यन ने पिस्टल की बाट से उसका सिर फोड़कर लहूलूहान करने करने के साथ बाइक भी तोड़ दी। किसी तरह वहां से जान बचाकर भागे।

अमौसी में उतरे सितारे, कल इकाना में घमासान

टी-20 मैच खेलने लखनऊ पहुंचे भारत और द. अफ्रीका के खिलाड़ियों का एयरपोर्ट के बाहर प्रसंशकों ने तालियां बजाकर किया स्वागत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : इकाना स्टेडियम में 17 दिसंबर को होने वाले टी-20 मैच के लिए दक्षिण अफ्रीका और भारतीय टीम के खिलाड़ी सोमवार को लखनऊ पहुंच गए। टीम इंडिया के खिलाड़ी शाम करीब 6:15 बजे जैसे ही अमौसी स्थित चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से बाहर निकले, प्रशंसकों ने तालियों और नारों के साथ उनका स्वागत किया। चमचमाती रोशनी और मीडिया कैमरों की फ्लैश लाइटों के बीच खिलाड़ी एक-एक कर बाहर आए। टीम इंडिया के हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पांड्या बस में आगे की सीट पर बैठे, तो प्रशंसकों ने जोरदार आवाज लगाई।

हार्दिक ने हाथ हिलाकर अभिवादन स्वीकार किया। उनके पीछे एशिया कप टी-20 के हीरो तिलक वर्मा को देखते ही एयरपोर्ट 'इंडिया-इंडिया' के नारों से गूंज उठा। एयरपोर्ट से निकलने के बाद भारतीय टीम बस से सीधे गोमती नगर स्थित होटल पहुंची, जहां खिलाड़ियों का पारंपरिक अंदाज में भव्य स्वागत किया गया। इससे पहले दोपहर में दक्षिण अफ्रीका की टीम भी लखनऊ पहुंचकर होटल में ठहरी। पांच मैचों की टी-20 सीरीज में भारतीय टीम फिलहाल 2-1 की बढ़त बनाए हुए है। ऐसे में 17 दिसंबर को इकाना इंटरनेशनल स्टेडियम में होने वाला चौथा मुकाबला निर्णायक साबित हो सकता है। यदि भारत यह मैच जीतता है, तो सीरीज अपने नाम कर लखनऊ के क्रिकेट प्रेमियों को क्रिसमस से पहले बड़ी सौगात देगा।

अमौसी स्थित चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट से बाहर निकलते टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर, बल्लेबाज तिलक वर्मा, गेंदबाज अर्शदीप सिंह।

एयरपोर्ट से निकले टीम इंडिया के कप्तान सूर्य कुमार यादव।

टीम इंडिया के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा।

इकाना स्टेडियम पूरी तरह तैयार, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

- भारत-दक्षिण अफ्रीका टी-20 मुकाबले के लिए इकाना इंटरनेशनल स्टेडियम में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। स्टेडियम को आकर्षक लाइटों से सजाया गया है, जो शाम होते ही जगमगाने लगीं। परिसर में भारतीय खिलाड़ियों की तस्वीरें और बड़े कटआउट लगाए गए हैं, जो दर्शकों का आकर्षण बने हुए हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी खास सतर्कता बरती जा रही है। डॉग स्क्वायड और सुरक्षा कर्मियों ने स्टेडियम के चप्पे-चप्पे की जांच की। स्टेडियम में वीआईपी मूवमेंट भी देखा गया। अंदर बड़ी स्क्रीनें और सजावटी कटआउट लगाए गए हैं, जिससे क्रिकेट महाकुंभ का माहौल पूरी तरह तैयार है।

एयरपोर्ट से बाहर निकलते दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के खिलाड़ी। अमृत विचार

मैच शुरू होने के तीन घंटे पूर्व दिया जाएगा प्रवेश

- मैच के दिन टिकटों की विक्री का कोई काउन्टर स्टेडियम में नही होगा। अत: पूर्व से ही टिकट (हार्ड कापी) खरीदकर लेकर आयें। ऑनलाईन बुकिंग की दशा में टिकट की हार्ड कॉपी लेकर आएं। हार्ड कॉपी न होने की दशा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। मैच शुरू होने के 3 घण्टे पूर्व प्रवेश दिया जाएगा। अंतिम प्रवेश दूसरी पारी के मध्य तक दिया जाएगा। स्टेडियम में दुबारा प्रवेश अनुमन्य नहीं है। मैच छोड़कर बाहर निकल जाने पर दोबार स्टेडियम में प्रवेश नही मिलेगा। कोई भी व्यक्ति बिना ड्यूटी कार्ड या टिकट के स्टेडियम के अन्दर प्रवेश नही करेगा, पकड़े जाने पर सख्त कार्यवाही की जायेगी। इसके अलावा सिक्का, ईयरफोन, ज्वलनशील पदार्थ आदि पर प्रतिबंध रहेगा। आईसीसी/वीसीसीआई के निर्देशों का तरह पालन किया जाएगा।

यहां होगी पार्किंग

- जिन वाहन स्वामियों के पास वाहन पास होगा वह अहिमामऊ से एचसीएल की तरफ जाकर वाटर टैंक तिराहा से प्लासियों होते हुए चिन्हित पार्किंग में वाहन पार्क करेंगे।
- जिन वाहन स्वामियों के पास वाहन पास उपलब्ध नही है वह भी अहिमामऊ से एचसीएल होकर जायेंगे। उनमें से पहले आने वाले वाहन स्वामियों को प्लासियों मॉल में पार्किंग दिया जायेगा। प्लासियों मॉल की पार्किंग भर जाने के पश्चात वाटर टैंक तिराहे से एचसीएल के बीच पार्किंग होगी।
- दो पहिया वाहन अहिमामऊ से एचसीएल तिराहा होते हुये प्लासियों माल के पीछे वाहन पार्क करेंगें।
- पीएचक्यू, यूपी-112 मुख्यालय के पीछे की सड़क की तरफ अस्थाई पिक एण्ड ड्राप स्टैण्ड होगा, जहाँ निजी वाहन, ऑटो रिक्शा सवारी उतार सकेंगे, बैठा सकेंगे।

यहां होगी वीवीआईपी और वीआईपी पार्किंग

- वीवीआईपी/वीआईपी के साथ आने वाले स्कोर्ट स्टेडियम से वापस होकर मॉल अथवा पीएचक्यू के पीछे वाली सड़कों पर वाहन पार्क करेंगे। स्टेडियम के पास किसी भी दशा में वाहन पार्क न किया जाए।
- वाहनों का प्लासियों मॉल के सामने या स्टेडियम के सामने ईधर-ऊधर अवैध पार्किंग करने पर टोईंग एवं क्लैम्प लगाने की कार्यवाही की जाएगी।
- टिकट पर क्यूआर कोड दर्ज होगा जिसको स्कैन करने पर पार्किंग स्थलों का विवरण मैप सहित प्रदर्शित होगा।
- सुरक्षाकर्मी जो विशिष्ट अथवा अतिविशिष्ट दर्शकों के साथ आयेंगे, उन्हें अन्दर जाने की अनुमति नही होगी। मात्र टिकट धारक ही विभिन्न प्रकार के स्टैण्ड में प्रवेश करेंगे।

शहीद पथ पर नहीं चलेंगे ऑटो व ई-रिक्शा

- अमृत विचार, लखनऊ : भारत रत्न अटल बिहारी बजापेयी इकाना स्टेडियम में भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच बुधवार को मैच के दौरान शहीद पथ पर ऑटो व ई-रिक्शा पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। डायवर्जन दोपहर 2 बजे से मैच समाप्ति तक लागू रहेगा।
- ई-रिक्शा शहीद पथ पर प्रतिबन्धित है। ई-रिक्शा सर्विस रोड पर भी मैच के दिन नहीं चलेंगे।
- इसी प्रकार आटो भी शहीद पथ पर प्रतिबन्धित रहेंगे।
- अर्जुनगंज की तरफ से आने वाली ई-रिक्शा/ऑटो अहिमामऊ से बायें मुड़कर पीएचक्यू, यूपी-112, मातृत्व अस्पताल के पीछे वाली सड़क पर सवारी उतारेंगे एवं पीएचक्यू के सामने से होते हुये जी-20 तिराहे से गोमतीनगर जाएंगे।
- सुल्तानपुर रोड़ से आने वाले आटो/ई-रिक्शा बायें मुड़कर लूलू मॉल की तरफ जाकर सवारी उतारेंगे।
- अहिमामऊ से आधा किमी की परिधि में सवारी बैठाने व उतारने पर रोक रहेगी।
- एयरपोर्ट की तरफ से आने वाले वाहन अहिमामऊ से पहले सवारी उतारेंगे।

बसों के लिए व्यवस्था

- शहीद पथ पर मैच के दौरान रोडवेज व अन्य सभी बसें व व्यवसायिक वाहन (छोटे बड़े) प्रतिबन्धित रहेगी। वैकल्पिक मार्ग का प्रयोग कर सकेंगे। निजी वाहनों एवं किराए की टैक्सी/कार पर रोक नहीं होगी।
- सुल्तानपुर रोड पर उपरोक्त वाहन अमूल तिराहा से होकर अर्जुनगंज कैण्ट की तरफ से आ रहे वाहन कटाई पुल से जा सकेंगे।
- मैच के दौरान सिटी बसें चलेंगी। शहीद पथ पर हुसड़िया एवं सुशान्त गोल्फ सिटी के मध्य नही रूकेंगी एवं सड़क की दाईं ओर चलेंगी।

मैच वाले दिन बदले मार्ग से चलेंगे बस और बड़े व्यावसायिक वाहन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- दोपहर 3 बजे से मैच की समाप्त तक लागू रहेगा डायवर्जन
- शहीद पथ पर जाने से बचें, इमरजेंसी में 9454405155 मिलाएं

अमृत विचार: भारत रत्न अटल विहारी बजापेयी इकाना स्टेडियम में बुधवार को भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच का आयोजन हो रहा है। इसे देखते हुए बड़े वाहन, बस व व्यावसायिक वाहनों के लिए डायवर्जन की व्यवस्था की गई है।

डीसीपी यातायात कमलेश दीक्षित ने बताया कि इमरजेंसी की स्थिति में कंट्रोल रुम के नंबर 9454405155 पर चालक संपर्क कर सकते हैं। डायवर्जन दोपहर 3 बजे से मैच समाप्ति तक लागू रहेगा।

डीसीपी यातायात ने मैच को देखते हुए राजधानी के लोगों से अपील की है कि मैच को लेकर शहीद पथ पर दोपहर दो बजे से देर रात तक वाहनों का दबाव बने रहने की संभावना है। अतः अनुरोध है कि दर्शकों के अलावा अन्य लोग कानपुर नगर, एक्सप्रेस-वे, बाराबिरवा, अमौसी की ओर जानें वाले समस्त वाहन चालक कृपया शहीद पथ का प्रयोग करनें से बचें तथा वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें। वहीं, इकाना स्टेडियम के पार्किंग में जानें वाले बड़े वाहन/बस/कामर्शियल वाहन को अहिमामऊ चौराहा से होकर जाना पड़ेगा। इकाना स्टेडियम के आवागमन के लिये यातायात दवाब से बचनें के लिये शहीदपथ के स्थान पर अर्जुनगंज/कैंट मार्ग का भी प्रयोग कर सकते है। बुधवार को रात्रि में भारी/बड़े वाहनों का डायवर्जन/नो-इण्ट्री का समय रात्रि 11.00 बजे से न होकर क्रिकेट मैच की समाप्ति के उपरान्त यातायात सामान्य होने तक रहेगा।

यहां रहेगी रोक

- कमता शहीद पथ तिराहा अयोध्या रोड से कमता तिराहे से शहीद पथ होकर सुल्तानपुर रोड/रायबरेली रोड/कानपुर रोड की तरफ।
- शहीद पथ कानपुर रोड तिराहा से शहीद पथ होकर सुल्तानपुर रोड/रायबरेली रोड/अयोध्या रोड की तरफ।
- सुल्तानपुर आदि मार्ग से आने वाली व जाने वाली बड़े वाहन/बस/कामर्शियल वाहन सुल्तानपुर रोड से अहिमामऊ अथवा अहिमामऊ से सुल्तानपुर रोड की तरफ।
- सुल्तानपुर रोड की तरफ से अमूल तिराहा से अहिमामऊ चौराहा की तरफ।
- उतरेठिया अण्डरपास चौराहा रायबरेली रोड/कैण्ट रोड से बड़े वाहन/बस/कामर्शियल वाहन उतरेठिया अण्डरपास चौराहा से शहीद पथ पर चढ़कर अहिमामऊ चौराहा/कमता तिराहा अयोध्या रोड की तरफ।
- हुसड़िया अण्डरपास चौराहा की तरफ से अहिमामऊ चौराहा/शहीद पथ कानपुर रोड तिराहा की तरफ।
- लालबत्ती चौराहा की तरफ से बड़े वाहन/बस /कामर्शियल वाहन अहिमामऊ चौराहा/सुल्तानपुर रोड/रायबरेली रोड /कानपुर रोड की तरफ।
- सीएमएस मोड़ सुल्तानपुर रोड से अहिमामऊ अण्डरपास चौराहा की तरफ।
- कमता शहीद पथ तिराहा से अहिमामऊ चौराहे पर यू-टर्न लेकर कैण्ट/पुलिस मुख्यालय/गोमतीनगर की तरफ।
- अहिमामऊ से प्लासियो की तरफ यातायात पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेगा।

यहां से जाएं

- कमता तिराहा/इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान चौराहा/समतामूलक चौराहा/लालबत्ती चौराहा/करियप्पा चौराहा/तेलीबाग चौराहा/बाराबिरवा चौराहा अथवा इन्दिरानहर चौराहा से होते हुये किसान पथ होकर।
- बाराबिरवा चौराहा/बंगलाबाजार चौराहा/तेलीबाग चौराहा/करियप्पा चौराहा/लालबत्ती चौराहा/1090 चौराहा अथवा दरोगाखेड़ा किसान पथ होकर।
- कबीरपुर तिराहे से किसानपथ होते हुए जा सकेंगे।
- अमूल तिराहे से ही डायवर्ट किया जायेगा जो लूलू मॉल कटिंग से शहीद पथ पर चढ़कर जा सकेंगे।
- मोहनलालगंज होते हुए अथवा तेलीबाग चौराहा/बाराबिरवा चौराहा/करियप्पा चौराहा अथवा हरीकंशगढ़ी किसान पथ होते हुए।
- शहर से होकर 1090 चौराहा होते हुए।
- ये वाहन वाहन लालबत्ती चौराहा से करियप्पा चौराहा, तेलीबाग अथवा बंगलाबाजार चौराहा, बाराबिरवा चौराहा होते हुए।
- ये वाहन सीएमएस मोड़ सुल्तानपुर रोड से बांये अंसल होते हुए।
- शहीद पथ पर सीधा जाकर मेदान्ता हास्पिटल से यू-टर्न लेकर जायेगा।
- शहीद पथ पर अहिमामऊ चौराहे पर समय 14.00 बजे से रात्रि में मैच समाप्ति तक यू-टर्न प्रतिबन्धित रहेगा एवं अहिमामऊ रैम्प से उतरकर मात्र बांयी ओर जा सकेंगे।
- अहिमामऊ चौराहा से एचसीएल तिराहा से संस्कृत तिराहा से ओवरहेड गोल चक्कर चौराहा होते हुए।

इकाना स्टेडियम क्षेत्र में पार्किंग का संकट, जाम लगने से लोग परेशान

अमृत विचार, लखनऊ: राजधानी के इकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम को अंतरराष्ट्रीय पहचान तो मिली, लेकिन पार्किंग संकट ने इस पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हर बड़े क्रिकेट मैच और अन्य कार्यक्रम के दौरान शहीद पथ, सुशांत गोल्फ सिटी और आसपास की कॉलोनियों में घंटों लंबा ट्रैफिक जाम बना रहता है। इसका खामियाजा एम्बुलेंस सहित आम नागरिक, बच्चे व बुजुर्गो को झेलना पड़ रहा है। उच्च न्यायालय के अधिवक्ता शिखर ने बताया कि स्टेडियम के लिए निर्धारित पार्किंग का वर्षों से अधूरा पड़ा निर्माण है। पार्किंग निर्माण को लेकर कई बार स्थानीय निवासियों ने प्रशासन, विकास प्राधिकरण और आयोजकों सहित सभी जिम्मेदार लोगों से शिकायत की गई, लेकिन सिवाय आश्वासन के कुछ नहीं हुआ। बिना समुचित पार्किंग और यातायात प्रबंधन के इतने बड़े प्रोजेक्ट को संचालित करना सार्वजनिक सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। अब स्थानीय लोग इस मुद्दे पर जनहित याचिका दाखिल करने की तैयारी में हैं, ताकि न्यायालय से पार्किंग निर्माण की समयबद्ध पूर्ति और हर आयोजन से पहले वैकल्पिक व्यवस्था के निर्देश दिए जा सकें।

बच्चों ने प्रस्तुत किए मॉडल

अमृत विचार, बीकेटी : बीकेटी के एसएस पब्लिक स्कूल में कंप्यूटर व वैज्ञानिक उपकरणों के साथ ही चित्रकला की प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें कंप्यूटर के महत्वपूर्ण उपकरण जैसे एटीएम, रोबोट, सोशल नेटवर्किंग, वेब सर्वर की जानकारी विद्यार्थियों को दी गई। इसके अलावा वैज्ञानिक उपकरणों जैसे हार्ट मॉडल, फ़ोटो सिंथेसिस, इलेक्ट्रिक टॉर्च, पाचन तंत्र, सेंसर वाटर पम्प, वाटर अलार्म, रेन डिटेक्टर आदि मॉडलों का प्रदर्शन किया गया।

अपना केवाईसी अपडेट रखें

ताकि आप बिना किसी रुकावट के बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा सकें

यदि आपके केवाईसी संबंधी विवरण में कोई बदलाव नहीं हुआ है,

तो आप अपने पुन:केवाईसी के लिए एक स्व-घोषणा पत्र जमा करें - जिसे आप पत्र/ऑनलाइन बैंकिंग/मोबाइल बैंकिंग/एटीएम/बैंक में पंजीकृत अपने मोबाइल नंबर/ईमेल या कारोबार प्रतिनिधि (बीसी) के माध्यम से जमा करवा सकते हैं।

यदि आपके केवाईसी संबंधी विवरण बदल गए हैं,

तो अपडेटेड विवरणों वाले किसी एक दस्तावेज़ की प्रति प्रदान करें: आधार/मतदाता पहचान पत्र/NREGA जॉब कार्ड/ड्राइविंग लाइसेंस/पासपोर्ट/राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर द्वारा जारी पत्र।

आप अपनी नज़दीकी बैंक शाखा में जाकर भी अपना केवाईसी अपडेट करवा सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए, https://rbikehtahai.rbi.org.in/KYC पर जाएँ

आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर: 99990 41935/99309 91935

जनहित में जारी

भारतीय रिज़र्व बैंक

RESERVE BANK OF INDIA

www.rbi.org.in

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 16 दिसंबर 2025

लखनऊ

न्यूज ब्रीफ

लोक अदालत में 1.3 करोड़ वाद निस्तारित

अमृत विचार, लखनऊ : राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 1,30,40,769 वादों का अंतिम रूप से निस्तारण किया गया। इनमें प्री-लिटिगेशन के 1,16,24,886 वाद तथा न्यायालयों में लम्बित 14,15,883 वाद शामिल हैं। उप्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की सदस्य सचिव मनु कालिया ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और उप्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में 13 दिसंबर को प्रदेशभर में लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह आयोजन उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एवं नालसा के कार्यपालक अध्यक्ष विक्रम नाथ, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक अरुण भंसाली के मार्गदर्शन और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश एवं उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता के निर्देशन में हुआ।

पीएम व सीएम को ज्ञापन देगी पेंशनर्स संस्था

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश पेंशनर्स कल्याण संस्था लखनऊ इकाई ने आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के विचारणीय बिंदुओं में पेंशन पुनरीक्षण का उल्लेख न होने पर चिंता जताई है। इस मामले को लेकर संस्था की प्रांतीय इकाई तथा संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति उप्र. 17 दिसंबर पेंशनर दिवस पर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री और मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपेगी। पेंशनर्स कल्याण संस्था के वक्ताओं ने पेंशन राशिकरण के प्रकरण को आठवें केंद्रीय वेतन आयोग को संदर्भित किये जाने को अनुचित तथा न्यायालय के आदेशों के विपरीत बताया। पेंशनरों के चिकित्सा देयकों के भुगतान में भी विभिन्न कार्यालयों द्वारा अनावश्यक आपत्ति लगाए जाने पर आक्रोश व्यक्त किया गया।

पंचायत चुनाव से पहले गांवों के विकास कार्यों की जांच शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पंचायतीराज विभाग सक्रिय ग्राम प्रधानों और पंचायत सचिवों में बेचैनी
- निर्धारित समय में जवाब व खर्च का पूरा विवरण न दिया गया तो होगी कार्रवाई

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव से पहले गांवों में हुए विकास कार्यों की हकीकत परखने को छानबीन तेज होने वाली है। पंचायतीराज विभाग ने ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों की जांच शुरू कर दी है। ऐसे में तमाम ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव इसको लेकर चिंतित भी हैं।

दिलचस्प यह है कि शासन की इस कार्रवाई के मद्देनजर गांव की राजनीति गर्मा गई है। मानो ग्राम प्रधानों के प्रतिद्वंद्वियों को मुद्दा मिल गया। कई गांवों में विपक्षी खेमे ने शिकायतों और साक्ष्यों के साथ अधिकारियों की चौखट पर दस्तख देना शुरू कर दिया हैं। ऐसे में प्रधानों की मुश्किलें और बढ़ी नजर आ रही हैं।

दरअसल, जिन ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों के खर्च का स्पष्ट और संतोषजनक ब्यौरा उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, वहां कार्रवाई की की संभावना है। उदाहरण के तौर पर गोंडा में जिला पंचायतीराज विभाग की ओर से दर्जनों ग्राम पंचायतों के प्रधानों और पंचायत सचिवों को अधिभार नोटिस जारी हुई हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, अगर निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब और खर्च का पूरा विवरण प्रस्तुत नहीं किया गया तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ऐसी ही नोटिस अन्य जिलों को भी गई है। नोटिसों के बाद पंचायत स्तर पर खलबली मच गई है। प्रधान और सचिव पुराने रिकॉर्ड खंगालने में जुट गए हैं।

डिजिटल पुस्तकालय के लिए 25 करोड़ जारी

अमृत विचार : राज्य सरकार के निर्देश पर ग्राम पंचायतों में डिजिटल पुस्तकालय (बाल एवं किशोर पुस्तकालय) की स्थापना की जाएगी। शासन के निर्देश पर गोरखपुर मंडल के गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर व महाराजगंज में डिजिटल लाइब्रेरी के लिए चिन्हित 1288 ग्राम पंचायतों में से प्रथम चरण में चारों जिलों में 644 डिजिटल लाइब्रेरी खोली जाएगी। इसके लिए शासन ने 24 करोड़ 47 लाख 20 हजार की धनराशि जारी कर दी है।

पुलिस के कहने पर शव छोड़कर भाग गए थे कर्मी

लोकबंधु अस्पताल में शव को लावारिस छोड़ने के मामले में नया मोड़

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार Follow UP

अमृत विचार : कृष्णा नगर स्थित लोकबंधु अस्पताल में 8 दिसंबर को निजी अस्पताल की एंबुलेंस से युवक का शव लावारिस छोड़ने के मामले में नया मोड़ आ गया है। निजी अस्पताल के संचालक ने मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) की ओर से जारी नोटिस के जवाब में दावा किया है कि शव को लोकबंधु अस्पताल छोड़ने के लिए पुलिस ने ही कहा था। नर्सिंग होम के नोडल अफसर का कहना है निजी अस्पताल से घटना के वक्त का सीसीटीवी फुटेज व पुलिस को कॉल करने का रिकार्ड मांगा गया है। जिसके बाद ही पूरी घटना साफ हो सकेगी।

सरोजनीनगर निवासी कर्मवीर सिंह (37) का शव एसकेडी अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा एंबुलेंस से लाकर लोकबंधु अस्पताल की इमरजेंसी के बाहर स्ट्रेचर पर छोड़ दिया गया था। काफी देर तक शव इमरजेंसी के बाहर पड़ा रहा। बाद में स्टाफ की नजर पड़ने पर मामले की जानकारी अस्पताल प्रशासन को दी गई। इमरजेंसी में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच में निजी अस्पताल की ड्रेस पहने कर्मचारी शव छोड़कर भागते हुए दिखाई दिए। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव की तलाशी लेने पर मृतक की जेब से मोबाइल फोन और आधार कार्ड बरामद किया, जिसके आधार पर परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। मृतक की पत्नी अंजू ने निजी अस्पताल पर मौत की जानकारी छिपाने का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए सीएमओ कार्यालय से निजी अस्पताल के संचालक को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया था।

अस्पताल संचालक डॉ. आशीष ने सीएमओ कार्यालय भेजे गए बयान में बताया कि मरीज एल्कोहलिक था। मरीज को हॉयर सेंटर इलाज के लिए पहले रेफर किया गया था। घटना के दिन वह सुबह इलाज के लिए पहुंचा था। इसी दौरान गश खाकर गिर गया। जांच के दौरान उसकी सांस थम चुकी थी। इसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी गई थी। पुलिस ने शव सरकारी अस्पताल ले जाने की बात कही थी। नर्सिंग होम के नोडल डॉ. एपी सिंह ने बताया, जांच के बाद ही पूरी स्थिति साफ होगी।

भाजपा नेता की कार का शीशा तोड़ा, अंदर रख दिया मांस

संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचार: सरोजनी नगर दक्षिण प्रथम के भाजपा मंडल उपाध्यक्ष राहुल मिश्रा की कार का शीशा अराजकतत्वों ने तोड़ दिया। इसके बाद उसमें मांस का टुकड़ा रख दिया। जानकारी होने पर भाजपा नेता ने पुलिस को सूचना दी। जांच के बाद तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है।

बेहसा गांव निवासी राहुल मिश्रा के मुताबिक, बीती 13 दिसंबर को विधायक निधि से उनके पड़ोस में सड़क का निर्माण हो रहा था, जिसमें कुछ लोगों ने अवरोध उत्पन्न किया था, तब राहुल ने इसकी सूचना देते हुए लेखपाल और पुलिस को बुलाया, जिसके बाद मामला शांत हो गया था। राहुल मिश्रा के मुताबिक 15 दिसंबर सोमवार सुबह वह सोकर उठे और करीब 8 बजे बाहर निकले तो उनकी स्विफ्ट कार का पिछला शीशा टूटा मिला। साथ ही कार के अंदर करीब दो किलो मांस रखा हुआ था। यह देख राहुल के होश उड़ गए। उन्होंने इसकी सूचना सरोजनी नगर पुलिस को दी। उनका कहना है कि वह नॉनवेज से दूर रहते हैं और उन्हें बदनाम करने की नीयत से यह कृत्य किया गया है। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से संबंधित सूचना। **एडमिन यूनिट/जोन:** लखनऊ–पू०उ०रे०–मण्डल–वाणिज्य/पू०उ०रे०; **नीलामी सूची सं./लॉट सं.:** LJN-FSLR-32-25; **नीलामी सूची प्रकाशन तिथि:** 12.12.2025 समय 12:38 बजे; **नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट):** 30.12.2025 समय 13:00 बजे; **नीलामी बन्द करने की तिथि व समय:** 30.12.2025 समय 15:00 बजे; **नीलामी का प्रकार:** Close Ended; **वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है :** E-Auction Module of **www.ireps.gov.in**

सहायक वाणिज्य प्रबंधक
मुजाधि/वा०–199 **लखनऊ**

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं शपथी राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय पुत्र श्री रामयज्ञ पाण्डेय निवासी–21/299, इन्दिरा नगर, जिला लखनऊ, उ0प्र0 का स्थाई निवासी हूं। शपथी का एक पंजीकृत बैनामा घर से बाहर फोटोकापी कराने के लिए दुकान पर गये थे जो कहीं गिर गया है जो अथक प्रयास के बाद भी शपथी को नहीं मिल पाया। बैनामे का विवरण निम्नवत है– कार्यालय उपनिबन्धक प्रथम लखनऊ में बही सं0–1, जिल्द सं0–1133, पृष्ठ सं0–361 से 370 क्रमांक–21501, दिनांक 21.08.1991 है। शपथी ने ई–थाना द्वारा दिनांक 08.12.2025 को ऑनलाइन एल0ए0आर0 नं0–20250000907020 द्वारा बैनामा खोने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। –शपथी

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम Prem Chand से बदलकर Prem Chandra रख लिया है। भविष्य में मुझे Prem Chandra के नाम से जाना व पहचाना जाए। प्रार्थी– प्रेम चंद्र पुत्र पूर्वीदीन, ग्राम व पोस्ट–सराय बराई, टिकैतनगर जिला–बाराबंकी

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपनी पुत्री के पुराने नाम पूर्वी मिश्रा से पोस्ट आफिस में सुकन्या बचत खाता (पुराना नं0–70071093 व नया नं0–7171858289) खुलवाया था। मेरी पुत्री का नया नाम आरना मिश्रा है जो कि उसके आधार कार्ड सं0–999792901514 में दर्ज है। अतः मेरी पुत्री के उपरोक्त सुकन्या बचत खाते में उसके पुराने नाम पूर्वी मिश्रा के स्थान पर नया नाम आरना मिश्रा अंकित किया जाये। **आदित्य नाथ मिश्रा निवासी–85/011,(85/004),विश्वकर्मा मन्दिर लेन, कटरा मकबूलगंज, लखनऊ, उ0प्र0–226018**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं देवानन्द गौतम पुत्र सीताराम गौतम निवासी–म0नं0–15ए, ब्लाक–ए, खसरा नं0–1434, कल्ली पश्चिम, बिजनौर, जिला लखनऊ, उ0प्र0 का हूं। मेरे करेक्शन डीड (तितम्बा बैनामा) के कागज बैंक आते समय रास्ते में कहीं गिर गये हैं जिसका विवरण निम्नवत है–कार्यालय उप निबन्धक सरोजनी नगर–2, लखनऊ में बही सं0–1, जिल्द सं0–1573, पृष्ठ सं0–181 से 190 क्रमांक–16778, दिनांक 20.08.2025 है। शपथी ने ई–थाना द्वारा दिनांक 11.12.2025 को ऑनलाइन एल.ए.आर. नं0– 20250000918334 द्वारा करेक्शन डीड (तितम्बा बैनामा) खोने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। –शपथी

हजरतगंज स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे रालोद नेता।

पटेल की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : रालोद के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की आजादी के बाद बिखरे हुए भारत को एक मजबूत और अखंड राष्ट्र के रूप में संगठित करने का ऐतिहासिक कार्य किया। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि के अवसर पर अनिल दुबे सोमवार को जीपीओ के निकट स्थापित सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद पार्टी कार्यालय में आयोजित विचार गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव विजय श्रीवास्तव समेत पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

उ0प्र0 पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लिमिटेड

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना संख्या 80/81/82/ECTC(L)/2025-26

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु पृथक निविदा दो भागों (पार्ट–I टेक्निकल बिड एवम् पार्ट– II फाइनेंशियल) में आमंत्रित की जाती है। 80– **कार्य का नाम :– 220 के0वी0 विद्युत उपकेन्द्र, पीलीभीत पर ट्यूबवेल बोरिंग की स्थापना से सम्बन्धित जानपदीय कार्य।** कार्य की अनुमानित लागत:– रू0 7.09 लाख, कार्यावधि :– 01 माह, 81– **कार्य का नाम :– 132 के0वी0 विद्युत उपकेन्द्र, बीसलपुर पीलीभीत पर ट्यूबवेल बोरिंग की स्थापना से सम्बन्धित जानपदीय कार्य।** कार्य की अनुमानित लागत :– रू0 5.06 लाख, कार्यावधि:– 01 माह, 82– **कार्य का नाम :– 400 के0वी0 विद्युत उपकेन्द्र, बरेली पर 01 अदद सबमर्सिबल पम्प (15 एच0पी0) की स्थापना जलापूर्ति एवं अन्य सम्बन्धित जानपदीय कार्य।** कार्य की अनुमानित लागत :– रू0 2.52 लाख, कार्यावधि :– 01 माह। उक्त निविदा की Technical Bid एवम् अन्य शर्तें तथा मात्रा बीजक इत्यादि का विस्तृत विवरण www.upptcl.org पर देखा जा सकता है एवम् http://etender.up.nic.in साइट पर देखा एवम् प्राप्त किया जा सकता है। निविदा दिनांक 02.01.2026 को दोपहर 14:00 बजे तक साइट पर डाला/अपलोड किया जा सकता है तथा दिनांक 03.01.2026 को 15:00 बजे सार्वजनिक रूप से निविदायें खोली जायेगी। **''राष्ट्र हित में बिजली बचाए''**

अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत जानपद पारेषण मण्डल, कक्ष सं. 223 से 226, प्रथम तल, पारेषण भवन, यू.पी.एस.एल.डी.सी. परिसर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ।

संख्या:3852–वि.जा.पा.मं.(ल.)/निविदा **दिनांक:15.12.2025**

कार्यालय आदर्श नगर पालिका परिषद, बलरामपुर

पत्रांक :1426/न0पा0परि0(बल)/2025–26 **दिनांक–15.12.2025**

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना

समस्त ठेकेदारों/फर्मो को सूचित किया जाता है कि शासन के पत्र सं0–333/2025/नौ–5–2025/001–Com.No.–1982545 ई–ऑफिस पत्रावली संख्या–9–5002(002)/110/2025 नगर विकास अनुभाग–5 लखनऊ दिनांक 31 अक्टूबर, 2025 द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 में राज्य सेक्टर के ''सीवरेज एवं जल निकासी'' योजना के अन्तर्गत क्र0सं0–06 पर अंकित नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद–बलरामपुर को प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये रू0–218.15 लाख के सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में नगर पालिका परिषद, बलरामपुर, जनपद–बलरामपुर को रू0–110.00 लाख अवमुक्त की गयी है। वित्तीय वर्ष 2025–26 में राज्य सेक्टर के ''सीवरेज एवं जल निकासी'' योजना के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से नगर पालिका परिषद, बलरामपुर जनपद–बलरामपुर में आर0सी0सी0 नाला व स्लैब का निर्माण कार्य कराया जाना है। जिसकी निविदा पूर्व में की गयी थी लेकिन दो कार्यो की निविदा निरस्त होने के कारण पुनः दोनो कायों की निविदा आमंत्रित की जा रही है और शासन के पत्र सं0–190/2025/आर0एफ0–1870/नौ–9–2025/006–ई–1976027 नगर विकास अनुभाग–9 लखनऊ दिनांक 14 अक्टूबर, 2025 द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 में 'पं0 दीनदयाल उपाध्याय नगर विकास योजना' अनुदान संख्या–37 से ब्याज रहित ऋण के रूप में नगर पालिका परिषदों के कार्यो/परियोजनाओं हेतु क्र0सं0–11 पर अंकित नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद–बलरामपुर को प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये रू0–200.00 लाख के सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में नगर पालिका परिषद, बलरामपुर को रू0–100.00 लाख आवंटित की गयी है जिसमें एक कार्य की निविदा निरस्त हो गयी थी जिसके क्रम में पुनः एक कार्य की निविदा आमंत्रित की जा रही है, तथा 15वां वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि के एक कार्य की निविदा पुनः आमंत्रित की जा रही है। समस्त निविदाएं वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है। समस्त ठेकेदारों को 02 प्रतिशत अग्रिम जमानत धनराशि जमा करना अनिवार्य है। समस्त कार्यो का विवरण निम्नवत है :–

क्र0सं0	विवरण	दिनांक
01	वेबसाइट पर ई–निविदा प्रकाशन की तिथि व समय	16.12.2025 प्रातः 10:00 बजे
02	ई–निविदा डाउनलोड की प्रारम्भ तिथि/समय	16.12.2025 प्रातः 10:00 बजे
03	ई–निविदा अपलोड की प्रारम्भ तिथि/समय	16.12.2025 प्रातः 10:00 बजे
04	ई–निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	22.12.2025 प्रातः 10:00 बजे
05	ई–निविदा खोली जाने की तिथि/समय	22.12.2025 प्रातः 11:00 बजे

नोट :– सभी नियम व शर्तें वेबसाइट **https://etender.up.nic.in** पर देखी जा सकती है।

(लाल चन्द मौर्य)
अधिशासी अधिकारी
आदर्श नगर पालिका परिषद,
बलरामपुर

डॉ0 धीरेन्द्र प्रताप सिंह ''धीरू''
अध्यक्ष
आदर्श नगर पालिका परिषद,
बलरामपुर

दरवाजा बंद कर जेवर व नकदी उड़ाए

अमृत विचार, मोहनलालगंज : मोहनलालगंज के मऊ गांव में रविवार की रात चोरों ने छत के रास्ते से होकर फल विक्रेता रवि कश्यप के घर में दाखिल हुए। बाहर से दरवाजे का बेलन बंद कर दिया। इसके बाद घर के अंदर रखे लाखों रुपये के जेवर व नकदी चोरी कर लिया। सुबह दरवाजा बाहर बन्द होने पर शोर मचाया तो पड़ोसियों ने दरवाजा खोला। फल विक्रेता ने चोरी की सूचना पुलिस को दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। पीड़ित के अनुसार, अलमारी के लॉकर से छह लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात व 50 हजार रुपये की नगदी गायब है। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

नीट पीजी काउंसिलिंग की दो मेरिट सूची जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के सरकारी एवं निजी मेडिकल कॉलेजों में पीजी सीटों पर दाखिले के लिए नीट पीजी की दूसरी काउंसिलिंग के तहत पंजीकरण कराने वाले अभ्यर्थियों की मेरिट सूची जारी कर दी गई है। कुल 6532 अभ्यर्थियों की दो अलग-अलग मेरिट सूचियां प्रकाशित की गई हैं। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय की वेबसाइट पर अपलोड सूची में एमडी-एमएस एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 6416 अभ्यर्थियों की मेरिट सूची जारी की गई है, जबकि डीएनबी पाठ्यक्रमों की सीटों पर दाखिले के लिए 106 अभ्यर्थियों की सूची प्रकाशित की गई है।

चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के 70 मेडिकल कॉलेजों में एमडी-एमएस की कुल 2125 सीटें अभी रिक्त हैं। इन रिक्त सीटों का विषयवार विवरण चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। इसके अलावा 37 सरकारी संस्थानों में उपलब्ध 83 डीएनबी सीटों पर प्रवेश के लिए विषयवार विवरण भी वेबसाइट पर उपलब्ध है।

एसआईआर प्रक्रिया में निर्देशों के उल्लंघन पर सपा ने सौंपा ज्ञापन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से की शिकायत

अमृत विचार : सपा ने प्रदेश में चल रही एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी से शिकायत की है। पार्टी द्वारा दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन कर मतदाताओं के गणना प्रपत्रों में मनमानी की जा रही है।

प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने सोमवार को दिए गए ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि प्रदेश की अधिकांश विधानसभा सीटों पर मतदाताओं द्वारा अपने नाम व माता-पिता सहित अन्य विवरण गणना प्रपत्र में भरकर बीएलओ को जमा किए गए थे। इन प्रपत्रों को बीएलओ द्वारा कैटेगरी 'ए' या 'बी' में सबमिट कर दिया गया था, लेकिन अब जिला निर्वाचन अधिकारी और ईआरओ के दबाव में सपा समर्थक मतदाताओं के प्रपत्रों को रिवर्स कर 'नो मैपिंग' में डाला जा रहा है।

इसके अलावा उन्होंने मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा विधानसभा क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि मतदाताओं के गणना प्रपत्र पहले कैटेगरी 'ए' में सबमिट किए गए थे, जिन्हें अब दबाव में 'नो मैपिंग' में डाल दिया गया है। इसी तरह की कार्रवाई अन्य मतदेय स्थलों पर भी की गई हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि मऊ की घोसी विधानसभा सहित अन्य क्षेत्रों में 2003 की मतदाता सूची में अदला-बदली की जा रही है।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित किया जाता है। कि मैने अपना नाम AMARDEEP SHELLEY SEYMOUR से AMARDEEP SHELLY SEYMOUR कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। AMARDEEP SHELLY SEYMOUR 40, BIJNAUR ROAD MOD GALAXY CITY AURANGABAD KHALSA LUCKNOW

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD GAYASUDDIN KHAN से बदलकर GAYASUDDEEN KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MO SHAHJAD KHAN ADD-PURE MASTU DEOGAON, POST-DEOGAON, DIST-AYODHYA-244153 (U.P.)

सूचना

मैं **यहया खान पुत्र मो0 असलम खान निवासी 418/149 D–1, गढ़ी पीर खां ,चौक ,लखनऊ** सूचित करता हूँ कि मेरे पासपोर्ट संख्या M–7428684 में त्रुटिवश मेरा नाम मो0 यहया खान अंकित है जबकि मेरे अन्य सभी सरकारी दस्तावेजों में मेरा वास्तविक नाम यहया खान अंकित है, अतः मेरे पासपोर्ट में मेरा वास्तविक नाम अंकित किया जाये.

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं NAZMA BEGAM W/O MOHAMMAD ABDUL RAB KHAN निवासी 628–S/177/39-S पीर बाग कालोनी सक्ति नगर इंदिरा नगर लखनऊ का रहने वाला हूं अब मैं अपना नाम बदलकर SHAHJADI रख लिया है अब मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना हुआ पहचाना जाए। Pin code 226016

सूचना

भुल्लुर उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र मनीराम, निवासी ग्राम खिरौनी, पोस्ट अमसिन, तहसील सदर, जनपद अयोध्या द्वारा शपथ पूर्वक सूचित किया जाता है कि उनके नाम से संचालित जीवन बीमा पॉलिसी संख्या 236753390 में नाम रामफूल पुत्र मनीराम दर्ज है, जो उनका ही उपनाम है। आधार कार्ड में उनका नाम भुल्लुर पुत्र मनीराम दर्ज है। दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। उपरोक्त नाम एवं पते वाला कोई अन्य व्यक्ति ग्राम सभा में नहीं है। किसी भी तथ्य के असत्य पाए जाने पर शपथकर्ता स्वयं उत्तरदायी होगा।

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे हाई स्कूल अंकपत्र वर्ष 1989, अनुक्रमांक 0432743 में मेरा नाम Mohammad Wasim Khan त्रुटिवश अंकित है, जबकि मेरे समस्त सरकारी अभिलेखों में मेरा सही नाम Mohd Waseem Khan दर्ज है। भविष्य में Mohd Waseem Khan ही मान्य माना जाए। **मो वसीम खान,512/595, निशातगंज, लखनऊ**

सूचना

मैने अपना नाम ASAD ULLA S/0-MOHAMMAD YASEEN से बदलकर ASAD ULLAH S/0-MO YASEEN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। R/0-107/95KA, BAISI KI MASJID, KAISARBAGH DIST-LUCKNOW (U.P.)

सूचना

यह प्रमाणित किया जाता है कि संगीता पत्नी भुल्लुर, निवासी ग्राम खिरौनी, पोस्ट अमसिन, तहसील सदर, जनपद अयोध्या, का उपनाम धनपती पत्नी रामफूल भी है। जीवन बीमा पालिसी संख्या 236753391 में दर्ज नाम धनपती पत्नी रामफूल तथा आधार कार्ड में दर्ज नाम संगीता पत्नी भुल्लुर दोनों एक ही व्यक्ति के नाम हैं। ग्रामसभा में इसी नाम–पते का अन्य कोई व्यक्ति नहीं है।

सूचना

Flat No- A–36/34/01, तल–तृतीय, टाईप–आश्रय–1, ब्लाक–A–36, सुलभ आवास योजना, स्थित– सेक्टर–1, गोमती नगर विस्तार, लखनऊ, उ0प्र0 में है। उपरोक्त सम्पत्ति को उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद लखनऊ अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के माध्यम से श्री विनय त्रिपाठी व श्रीमती संजू त्रिपाठी के पक्ष में आंवटन किया है। उपरोक्त सम्पत्ति का मूल आंवटन पत्र मेरे द्वारा कही खो गया है। जिसका प्रयोग किसी व्यकित या अन्य द्वारा अवैध माना जायेगा।

सम्पत्ति स्वामी – विनय त्रिपाठी

कार्यालय क्षेत्र पंचायत–कटरा बाजार, गोण्डा।

पत्रांक– / लेखा पंचम राज्य वित्त / केन्द्रीय वित्त/2025–26, **दिनांक–**

अल्प कालीन निविदा

लोक निर्माण विभाग/जिला पंचायत/अन्य विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवाँ वित्त आयोग द्वारा क्षेत्र पंचायत कटरा बाजार को अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष अनुमोदित कार्ययोजना 2025–26 की निम्नलिखित परियोजनाओं पर निर्माण हेतु मोहर बन्द निविदायें प्रतिशत दर पर आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक–16.12.2025 से दिनांक 22.12.2025 तक कार्यालय अवधि में विकास खण्ड मुख्यालय पर नगद मूल्य देकर अपरान्ह प्राप्त कर सकते है। निविदायें दिनांक–22.12.2025 को अपरान्ह 03 बजे तक निविदा बाक्स में डाली जायेगी। तदोपरान्त प्राप्त निविदायें उसी दिन अपरान्ह 03 बजे उपस्थित निविदा दाताओं के समक्ष गठित निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी।

क्र. सं.	परियोजना का नाम	कार्य की लम्बाई (मी0 में)	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि	निविदा फार्म का मूल्य 12% जी0एस0टी0 सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	पूरे बदल में पक्की सड़क से राम प्रकाश मिश्र के बाग तक इण्टरलाकिंग कार्य	65 मी0	3.48	17400	560	03 माह
2	चयपुरवा में बसई चितई में पक्की सड़क से प्रयाग दत्त के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	150 मी0	7.94	39700	560	03 माह
3	चयपुरवा के कपरियन डेरा पर भजन लाल के घर से गौतम के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	189 मी0	9.99	49950	560	03 माह
4	लालपुर में इण्टरलाकिंग से हसन अली के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	40 मी0	2.16	10800	560	03 माह
5	जगदीशपुर के तेलियनपुरवा इण्टरलाकिंग से श्याम मनोहर के चक तक इण्टरलांकिंग कार्य	150 मी0	7.94	39700	560	03 माह
6	शाहजोत के खालेपुरवा बचन्नू के घर से आर्शीवाद तिवारी के घर तक इण्टरलांकिंग कार्य	189 मी0	9.99	49950	560	03 माह

निविदा हेतु निर्धारित शर्त–

1. प्रत्येक कार्य/परियोजनाओं पर उपरोक्तानुसार कॉलम 5 में अंकित धरोहर की धनराशि का 5 प्रतिशत अंश निविदा के साथ एन0एस0सी0/ बैंक ड्राफ्ट के रूप में जमा करना होगा, जो खण्ड विकास अधिकारी, कटरा बाजार पक्ष में बन्धक होगा। शेष धरोहर धनराशि 08 प्रतिशत भुगतान के समय देय होगा अथवा कटौती कर ली जायेगी।
2. निर्धारित समय सीमा के पश्चात् कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।
3. निविदा फार्म पर किसी भी प्रकार की कटिंग/परिलेखन मान्य नहीं होगा।
4. निविदा फार्म पर दर उल्लेख अंको एवं शब्दों में लिखना होगा।
5. बिना कोई कारण स्पष्ट किये निविदा को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।

खण्ड विकास अधिकारी
कटरा बाजार, गोण्डा।

जुगरानी ,प्रमुख
क्षेत्र पंचायत कटरा बाजार, गोण्डा।

न्यूज ब्रीफ

राज्य स्तरीय स्वास्थ्य टीम ने किया निरीक्षण

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी : राज्य स्तरीय स्वास्थ्य टीम ने शनिवार को आयुष्मान आरोग्य मंदिर पोखरा, रौनी तथा सीएचसी त्रिवेदीगंज का निरीक्षण किया। डॉ. अफरोज और डॉ. उमेद अहमद की टीम ने सुबह सीएचसी त्रिवेदीगंज में पहुंचकर अस्पताल की साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था, साथ ही अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तृत अवलोकन किया। टीम ने आरोग्य मंदिर रौनी और पोखरा का भी निरीक्षण किया और बुखार से पीड़ित मरीजों की जांच करने के निर्देश दिए। इस दौरान सीएचसी के अधीक्षक डॉ. हरप्रीत सिंह व मुख्य फार्मासिस्ट राकेश पांडेय भी मौजूद रहे।

रंजिश में पुआल जलाने के बाद की पिटाई

हैदरगढ़, बाराबंकी : कोतवाली क्षेत्र के भिटौरा गांव निवासी शत्रोहन ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि गांव के बाहर नहर पटरी पर लगे उसके पुआल के ढेर को विरोधी प्रीतम ने आग लगा दी।पीड़ित विरोध जताने जब आरोपी के दरवाजे पर पहुंचा तो शत्रोहन, अरुण व विनोद आदि ने उसे मारा पीटा व जाति सूचक शब्द कहे। पीड़ित ने आरोप लगाया कि जब वह पत्नी के साथ खेत देखने जा रहा था तो एक बार फिर उसे व उसकी पत्नी को भी पीटा गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

दंपति की पिटाई से मां और बेटी घायल

हैदरगढ़, बाराबंकी : कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत रामपुर मजरे बहादुरपुर गांव में मामूली बात को लेकर मारपीट हो गई। जिसमें मां बेटी घायल हो गए। गांव निवासी मक्केलाल पुत्र साधू ने बताया कि गांव निवासी रामबरन पुत्र गंगादीन व उनकी पत्नी शीला द्वारा पहले उनकी पुत्री खुशबू को मारा पीटा गया और इसी बात को लेकर रात घर पर आकर उनकी पत्नी के साथ गाली गलौज किया और मारा पीटा, जिससे उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पंचायत सचिवों ने जमा किये डोंगल

देवा, बाराबंकी : देवा ब्लॉक में पंचायत सचिवों का सांकेतिक सत्याग्रह सोमवार को 15वें दिन जारी रहा। सचिवों ने अपने डोंगल एडीओ पंचायत कुंवर स्वरूप के पास जमा कर दिए। पंचायत सचिव संघ के देवा ब्लॉक अध्यक्ष अनुज वर्मा ने बताया कि शीर्ष संगठन के निर्देश के अनुसार अब किसी भी प्रकार के भुगतान संबंधी कार्य नहीं किए जाएंगे। इसके बावजूद आम जनता से जुड़े अन्य आवश्यक कार्य पूर्ववत सुचारू रूप से जारी रहेंगे। सचिवों ने स्पष्ट किया कि उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

खाते में वापस कराए गए ठगे हुए रुपये

बाराबंकी, अमृत विचार : कॉल करके अपने आपको रिश्तेदार बताकर साइबर फ्राड किए जाने के सम्बन्ध में साइबर सेल द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए संपूर्ण धनराशि 35 हजार रुपये आवेदिका के खाते में वापस कराया गया। साइबर सेल को ऑनलाइन 1930 के माध्यम से सूचना मिली, जिसमें आवेदिका शालिनी अवस्थी निवासी थाना मसौली के साथ अज्ञात व्यक्ति द्वारा कॉल करके अपने आपको रिश्तेदार बताकर साइबर फ्रॉड का उल्लेख किया गया। प्रकरण में पत्राचार कर खाता होल्ड कराकर सम्पूर्ण धनराशि आवेदिका के खाते में वापस कराई गई।

461 बूथों पर एएसडी सूची की गयी चस्पा

फतेहपुर, बाराबंकी : विशेष मतदाता पुनरीक्षण (SIR) के तहत विधान सभा के 461 बूथों पर एएसडी (एप्सेंट, शिफ्टेड, डेड) की सूची चस्पा की गई है। मतदाता सूची की जांच कर यदि किसी को कोई त्रुटि लगे तो वह आपत्ति दर्ज करा सकता है। इस समय मैपिंग कार्य बीएलओ द्वारा किया जा रहा है और एसडीएम द्वारा प्रतिदिन निगरानी की जा रही है। अब तक लगभग 8.5 प्रतिशत यानी करीब 30 हजार मतदाताओं की मैपिंग पूरी नहीं हो पाई है, जिसका कार्य प्रगति पर है।

स्वास्थ्य शिविर लगाया

सूरतगंज, बाराबंकी : बरैरया स्थित साधन सहकारी समिति पर दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। डा. डीपी सिंह, डा. अखिलेश पटेल व डा. बीके पटेल ने 300 मरीजों की जांच की और दवाएं दीं। नेत्र परीक्षण के दौरान कई लोगों को ऑपरेशन की सलाह भी दी गई। इस अवसर पर रामानंद वर्मा, अरविंद वर्मा, प्रदीप वर्मा और अभिषेक कुमार मौजूद रहे।

सड़क हादसों में मां-बेटे समेत तीन की मौत

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार: सोमवार को हुए अलग अलग सड़क हादसों में कार सवार मां बेटे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। एक हादसे में मृतक अपनी पत्नी के साथ मां को लेकर पीजीआई दवा लेने जा रहा था। महिला की हालत गंभीर बनी हुई है।

श्रावस्ती के थाना गिलौला के ग्राम सुधिखा निवासी 40 वर्षीय संतोष नाथ मिश्रा गिलौला ब्लाक के बीआरसी कार्यालय में सहायक पद पर कार्यरत थे। वह सोमवार की भोर अपनी पत्नी सन्तोष कुमारी के साथ अपनी माता शान्ति मिश्रा का इलाज कराने के लिए अपनी सेंट्रो कार से पीजीआई जा रहे थे। भोर करीब साढ़े 5 बजे जैसे कार मसौली थाना क्षेत्र के ग्राम बिरौली के निकट स्थित एक स्कूल के सामने पहुंची, तभी तेज रफ्तार से आ रहे अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार चला रहे सन्तोष मिश्रा सीट में बुरी तरह फंस गये। सूचना पाते ही पहुंची पुलिस एवं ग्रामीणों ने बड़ी मशक्कत के बाद घायलों को निकालकर एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सक ने संतोष को मृतक घोषित कर दिया। उधर कार सवार पत्नी सन्तोष कुमारी और वृद्धा शान्ति मिश्रा को सीएचसी बड़ागांव से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। अस्पताल पहुंचने तक मां शान्ति मिश्रा की भी मृत्यु हो गयी। घायल पत्नी संतोष कुमारी को अस्पताल से लखनऊ रेफर किया गया, जहां उनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही। कार में टक्कर मारने वाला अज्ञात वाहन अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना देते हुए शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दूसरे हादसे में फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम तिलरन निवासी सत्यम सिंह पुत्र अमर सिंह सोमवार की शाम बाइक से कार्यवश बाराबंकी मुख्यालय आ रहा था। सूत मिल तिराहा के निकट अचानक बाइक फिसल गई। सड़क पर गिरे सत्यम को पीछे से आ रहे ट्रक ने रौंद दिया। जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

हादसे में क्षतिग्रस्त कार। अमृत विचार

हसनापुर मोड़ के पास टकराया टैंकर।

पेड़ से टकराया पेट्रोल से भरा टैंकर

मसौली, बाराबंकी : लखनऊ से गोंडा पेट्रोल लेकर जा रहा टैंकर मसौली थाना क्षेत्र के ग्राम हसनापुर मोड़ के निकट हाईवे पर एक पेड़ से टकरा गया। गनीमत रही कि टैंक से ईंधन का रिसाव नहीं हुआ, जिससे बड़ा हादसा टल गया। बताते चलें कि सोमवार की सुबह एक पेट्रोल से भरा टैंकर हसनापुर मोड के निकट पेड़ से टकरा गया। टैंकर मे पेट्रोल होने की सूचना फैलते ही हड़कंप मच गया। सूचना पर मसौली पुलिस फायर ब्रिगेड के साथ पहुंची और हालात पर काबू पाया। गनीमत रही कि पेट्रोल का रिसाव नही हुआ। दुर्घटना मे ट्रक चालक हरिश्चंद्र पुत्र राजकुमार निवासी महुवारी थाना दुधारा जनपद बस्ती घायल हो गया, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष का किया सम्मान

जिलाध्यक्ष को सम्मानित करते पशुधन प्रसार अधिकारी संघ के पदाधिकारी।

बाराबंकी, अमृत विचार : भाजपा के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष राम सिंह वर्मा के मसौली स्थित आवास पर कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी। रुद्राक्ष का पौधा भेंट कर माल्यार्पण कर उनका सम्मान किया गया। इस मौके पर जिलामंत्री पशुधन प्रसार अधिकारी संघ पंकज वर्मा, पशुधन प्रसार अधिकारी अनिल सिंह (जैदपुर), रोहित वर्मा (सदर), आशुतोष वर्मा (हरख) सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भाजपा किसान मोर्चा के जिला महामंत्री आशीष वर्मा भी मौजूद रहे।

पलिया आदर्श पशु मेला व नुमाइश शुरू

शुभारंभ करते विधायक दिनेश रावत व महंत कृष्णानंद भारती। अमृत विचार

सुबेहा, बाराबंकी : 15 दिवसीय पलिया आदर्श पशु मेला व नुमाइश का सोमवार को क्षेत्रीय विधायक दिनेश रावत व गेरावां मठ के महंत कृष्णानंद भारती ने शुभारंभ किया। मेला 30 दिसंबर तक चलेगा। मेले में पंजाब की पडिया, अमृतसर की नस्लदार गायें, काबुल के बलोथरा नस्ल के चालबाज घोड़े, जयपुर की बकरी के बच्चे तथा हरियाणा की भैंसें आकर्षण का केंद्र हैं। बच्चों के मनोरंजन के लिए मौत का कुआं और सर्कस की भी व्यवस्था की गई है। 24 व 25 दिसंबर को कुश्ती का आयोजन किया जाएगा जिसमें देश के साथ-साथ नेपाल और भूटान के पहलवान भाग लेंगे। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि हैदरगढ़ रामदेव सिंह, समाजसेवी हुमायूं हुसैन, चेयरमैन सुबेहा देवीदीन रावत, चेयरमैन हैदरगढ़ आलोक तिवारी, गंगा सिंह, कुंवर बहादुर साहू उपस्थित रहे। मेला प्रबंधक जावेद आलम ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया और आभार व्यक्त किया।

ब्लॉक प्रमुख की माता के निधन से क्षेत्र में शोक

रामनगर, बाराबंकी : ब्लॉक प्रमुख संजय तिवारी की माता जमुना देवी (68) का रविवार देर शाम राजधानी लखनऊ स्थित मैक्स हॉस्पिटल में निधन हो गया। अचानक सीने में दर्द के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन रात करीब 9 बजे हृदयगति रुकने से उनका निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।।

प्रतियोगिता में मौजूद विजेता छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

स्पोर्ट्स मीट 'उड़ान' में बच्चों ने दिखाया हुनर

बाराबंकी, अमृत विचार : बालाजी ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा आयोजित 8वीं स्पोर्ट्स मीट उड़ान के 15वें दिन कंपनी बाग व सिविल लाइन शाखा में प्रारंभिक वर्ग के बच्चों के लिए खेल स्पर्धाएं आयोजित हुईं। वहीं बालाजी सत्य प्रेमी नगर व बालाजी अकैडमी बंकी ब्रांच में सभी हाउसेस के बीच इंटर व इंट्रा स्पर्धाओं का आयोजन हुआ। इसमें शतरंज, वाद-विवाद व गायन जैसी गतिविधियां शामिल रहीं। वाद-विवाद प्रतियोगिता में छात्रों ने तर्क पूर्ण ढंग से विचार प्रस्तुत किए। गायन में मधुर प्रस्तुतियों ने सभी को प्रभावित किया। शतरंज में बच्चों ने सूझबूझ का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बालाजी सत्य प्रेमी नगर, बालाजी अकैडमी बंकी, टाइम्स पब्लिक स्कूल कंपनी बाग तथा बालाजी किड्स प्ले स्कूल सिविल लाइन में आयोजित प्रतियोगिताओं में विभिन्न हाउसेस के विद्यार्थियों ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। मुख्य अतिथि नाजिया फातिमा व भारती माथुर ने बच्चों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में बालाजी विद्यालय के निदेशक अंकुर माथुर, चारों शाखाओं की प्रधानाध्यापिकाएं, उप प्रधानाध्यापिका एवं विद्यालय की समस्त शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

निरीक्षण करते जिला विद्यालय निरीक्षण। अमृत विचार

5606 विद्यार्थियों ने दिया ओएमआर आधारित मूल्यांकन

कार्यालय संवाददाता बाराबंकी, अमृत विचार : भारत सरकार एवं उप्र माध्यमिक शिक्षा विभाग के समग्र शिक्षा (माध्यमिक) अभियान के तहत सोमवार को जिले के सभी राजकीय मावि में मिडलाइन असेसमेंट का आयोजन किया गया। ओएमआर आधारित मूल्यांकन में जिले के 41 राजकीय मावि के कक्षा 9 के कुल पंजीकृत 6319 विद्यार्थियों में से 5606 ने सहभागिता की। असेसमेंट में हिंदी, गणित, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान विषयों से 15-15 प्रश्न पूछे गए। परीक्षा के बाद विद्यालयों में परख एप्लीकेशन के माध्यम से ओएमआर शीट की स्कैनिंग की गई। जिला विद्यालय निरीक्षक ओपी त्रिपाठी ने राजकीय हाईस्कूल रामपुर जहांगीराबाद एवं राजकीय हाईस्कूल रसूलपुर हाउस का निरीक्षण कर परीक्षा व्यवस्थाओं, विद्यार्थियों की उपस्थिति और ओएमआर स्कैनिंग प्रक्रिया का अवलोकन किया। इसी क्रम में जिला समन्वयक समग्र शिक्षा (माध्यमिक) अखिलेंद्र सिंह ने राजकीय इंटर कॉलेज निंदूरा, राजकीय इंटर कॉलेज घुंघटेर, राजकीय हाईस्कूल बढ़ईडीह, राजकीय हाईस्कूल मित्तई एवं राजकीय बालिका इंटर कॉलेज देवा का निरीक्षण किया।

स्थापना दिवस पर शानदार प्रस्तुतियां देतीं छात्राएं। अमृत विचार

स्थापना दिवस पर छात्र व शिक्षक सम्मानित

बाराबंकी, अमृत विचार : पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में सोमवार को संगठन का 63वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर छात्र छात्राओं की प्रस्तुतियों के साथ ही मेधावी बच्चों व शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय संगठन जीपी यादव, आरएम नवीन, सहायक अनुभाग अधिकारी अमिताभ यादव एवं विद्यालय के प्राचार्य राकेश कुमार वर्मा तथा भूतपूर्व शिक्षक एवं छात्रों ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया। इस मौके पर विद्यार्थियों ने समूह गीत, समूह नृत्य एवं नाटक की प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सामाजिक विज्ञान विषय के शिक्षक अवधेश कुमार तिवारी ने केंद्रीय विद्यालय संगठन के गौरवशाली इतिहास, शिक्षा के क्षेत्र में उसके उत्कृष्ट योगदान पर प्रकाश डाला। इस दौरान सीबीएसई वर्ष 2025 की कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम देने वाले शिक्षकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अपर्णा यादव करेंगी महिला जनसुनवाई

बाराबंकी, अमृत विचार: उप्र राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव (उपमंत्री स्तर) बुधवार को बाराबंकी का दौरा करेंगी। उनका कार्यक्रम पूर्वाहन 09:30 बजे जिला महिला चिकित्सालय, 10:15 बजे जिला महिला बंदीगृह और 11 बजे किशोरी सम्प्रेक्षण गृह में निरीक्षण का रहेगा। अपराहन 12:00 बजे डी.आर.डी.ए. सभागार में आयोजित महिला जनसुनवाई के अवसर पर पीड़ित महिलाएं अपनी समस्याएं प्रार्थना पत्र के माध्यम से उपाध्यक्ष महोदया के समक्ष प्रस्तुत कर सकती हैं। जिला प्रोबेशन अधिकारी सूरज सिंह ने बताया कि 17 दिसंबर को निर्धारित समय और स्थान पर शिकायत दर्ज करवा सकती हैं।

33 किग्रा गांजे के साथ तीन को किया गिरफ्तार

लंभुआ, सुलतानपुर, अमृत विचार: लंभुआ पुलिस ने गांजा तस्करी के एक बड़े अंतर-जनपदीय गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने एक महिला सहित 3 तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 33 किलोग्राम से अधिक अवैध गांजा बरामद किया गया है। इसके अलावा तस्करों के पास से गांजे से कमाए हुए 3.25 लाख रुपए नकद और दो कारें भी पुलिस ने जब्त की हैं।

सोमवार को एएसपी अखंड प्रताप सिंह ने लंभुआ में तस्करी का खुलासा करते हुए बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने शिवगढ़ श्रीरामपुर मार्ग पर चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान गांजा तस्करी में लिप्त इस गिरोह के सदस्यों को पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, तस्करों ने अपनी कारों रेनो ट्राइबर और होंडा सिटी में गुप्त चैंबर बना रखे थे। जिनमें गांजा छिपाकर ले जाया जा रहा था। यह कार्रवाई सोमवार सुबह करीब 9:30 बजे लंभुआ थाना क्षेत्र के खड़ुआन गांव में की गई। जांच में सामने आया है कि यह गिरोह छत्तीसगढ़ और ओडिशा से गांजा खरीदकर लाता था। इसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में सप्लाई करता था। पुलिस ने बताया कि बरामद की गई नकद राशि गांजा बिक्री से अर्जित की गई थी।

2027 में सपा-कांग्रेस गठबंधन का काम खत्म

बाराबंकी, अमृत विचार : सट्टी बाजार स्थित ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज के कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसीम राईन ने कहा 2027 में यूपी में सपा-कांग्रेस गठबंधन का असर नहीं रहेगा। भाजपा के खिलाफ तेजस्वी का प्रदर्शन कमजोर रहेगा। लोस चुनाव में गठबंधन छोड़ अकेले भाजपा को सपा 68 लाख वोट से पीछे रही जबकि कुल आंकड़ों के अनुसार एनडीए को 3 करोड़ 82 लाख वोट व सपा-कांग्रेस-टीएमसी गठबंधन को 3 करोड़ 81 लाख वोट मिले। राईन ने कहा कि पसमांदा मुस्लिम वोट बैंक का सपा ने सही लाभ नहीं उठाया।

स्वास्थ्य सुविधाओं पर टीम ने जताई संतुष्टि

सूरतगंज, बाराबंकी : राज्य स्तरीय टीम के सदस्य और डिप्टी सीएमओ डा. संत कुमार व आजाद खान ने सीएचसी सूरतगंज का तीसरे दिन निरीक्षण कर मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लिया। टीम ने ओपीडी, इमरजेंसी, लेबर रूम, टीबी कक्ष और कोल्ड चैन रूम सहित सभी विभागों में व्यवस्थाओं का मूल्यांकन किया। टीबी नियंत्रण में 97 प्रतिशत सफलता और मरीजों से कोई शुल्क न लेने की व्यवस्था देखकर टीम संतुष्ट हुई। दवाओं के रखरखाव, सफाई और प्रसव के बाद बच्चों को समय पर स्तनपान सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। टीम शासन को गोपनीय रिपोर्ट सौंपेगी। निरीक्षण में प्रोग्राम नोडल डा. नमिता सिंह, बीसीपीएम अभिषेक मौर्या, बीपीएम मनोज श्रीवास्तव सहित अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

जिला जज, डीएम और एसपी ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

बाराबंकी, अमृत विचार : जिला जज प्रतिमा श्रीवास्तव, डीएम शशांक त्रिपाठी व एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने सोमवार को जिला जेल का औचक निरीक्षण किया। सभी ने जेल के मुख्य द्वार पर सुरक्षा व्यवस्था, परिसर में साफ-सफाई, अनुशासन और व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। महिला व पुरुष बैरकों का निरीक्षण कर बंदियों को उपलब्ध मूल सुविधाओं की समीक्षा की। जेल प्रशासन को निर्देश दिए कि सभी बंदियों को पर्याप्त कंबल और गर्म वस्त्र उपलब्ध कराए जाएं। अधिकारियों ने साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी लापरवाही को बर्दाश्त न करने की चेतावनी भी दी। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुधा सिंह, एडीएम निरंकार सिंह, जेल अधीक्षक कुंदन कुमार, जेलर और अन्य कारागार अधिकारी उपस्थित रहे।

किसानों को जानकारी देते जिला कृषि अधिकारी। अमृत विचार

आधुनिक खेती व योजनाओं की दी गई जानकारी

रामनगर, बाराबंकी : द मिलियन फार्मर्स स्कूल किसान पाठशाला कार्यक्रम अंतर्गत सोमवार को ग्राम पंचायत अमलोरा में किसान पाठशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में किसानों को कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। आधुनिक व वैज्ञानिक खेती के तरीकों पर चर्चा की गई। जिला कृषि अधिकारी राजितराम ने दलहनी एवं तिलहनी फसलों की देखभाल, फार्मर रजिस्ट्री और योजनाओं के बारे में जानकारी दी। सहायक विकास अधिकारी (कृषि) डॉ. दलबीर सिंह ने कृषि यंत्रों पर मिलने वाले अनुदान, सोलर पंप योजना, प्राकृतिक खेती और रबी फसलों की देखभाल के बारे में संवाद किया। किसान पाठशाला के मास्टर ट्रेनर कुलदीप दीक्षित ने किसानों को प्रशिक्षण दिया और खेती से जुड़ी बारीक जानकारियों के साथ उन्नत तकनीक अपनाने पर जोर दिया। जानकारी के मुताबिक सोमवार को ग्राम पंचायत मड़ना और अनूपगंज में भी किसान पाठशालाओं का आयोजन हुआ।

अयोध्या में बनेगा आधुनिक कैंसर चिकित्सालय

अयोध्या कार्यालय: देश के प्रतिष्ठित टाटा समूह की नमो कैंसर फाउंडेशन अयोध्या में एक आधुनिक कैंसर चिकित्सालय स्थापित करने की तैयारी कर रही है। इसी क्रम में टाटा समूह के छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने अयोध्या पहुंचकर विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया और संभावनाओं की तलाश की। इस परियोजना को लेकर अयोध्या के राजघराने के यतींद्र मिश्र ने बड़ा प्रस्ताव दिया है। उन्होंने कहा है कि यदि यह कैंसर हब उनके स्व. पिता विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र की स्मृति में बनाया जाता है तो वह इसके लिए 6 से 8 एकड़ भूमि निशुल्क उपलब्ध कराएंगे।

अंकिता ने एफएसएल की रिपोर्टों का किया उल्लेख

कुशाग्र हत्याकांड

संवाददाता, कानपुर

- अगली सुनवाई 18 को, एयरटेल व जियो के नोडल अधिकारी तलब

अमृत विचार : एडीजे 11 सुभाष सिंह की कोर्ट में चर्चित कुशाग्र हत्याकांड में सुनवाई जारी है। सोमवार को मामले की विवेचक अंकिता वर्मा की गवाही हुई, जिसमें अंकिता वर्मा ने अपनी गवाही में एफएसएल द्वारा दी गई रिपोर्टों का उल्लेख किया तथा पर्याप्त साक्ष्य होने के आधार पर तीनों आरोपी रचिता, प्रभात व शिवा के विरूद्ध आरोप पत्र दाखिल करने का विवरण अपनी गवाही में बताया। तीनों आरोपियों के अधिवक्ताओं ने गवाह से जिरह पूरी कर ली। मामले की अगली सुनवाई 18 दिसंबर को होगी, जिसमें एयरटेल व जियो के नोडल अधिकारियों को गवाही हेतु तलब किया गया है। जिसमें वे लोग अदालत में अभियुक्त गण व मृतक की काल डिटेल को साबित करेंगे। इससे पहले की सुनवाई में अखिलेश पाल की गवाही पूरी हो चुकी है। एडीजे 11 सुभाष सिंह की कोर्ट में विवेचक अखिलेश ने पूरी विवेचना को अपने बयानों में दर्ज करके कोर्ट के समक्ष बताया। विवेचक ने अपने बयान में अभियुक्त से बरामद स्कूटी समेत अन्य सामग्रियों को साबित किया। कोर्ट में सीसीटीवी फुटेज को देखा गया।

बता दें कि 30 अक्तूबर 2023 को जयपुरिया स्कूल के हाईस्कूल के छात्र कुशाग्र कनोडिया की कोचिंग जाते समय अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में पूर्व ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसका प्रेमी प्रभात शुक्ला, और सहयोगी शिवा गुप्ता को गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों की निशानदेही पर शव प्रभात शुक्ला के घर से बरामद किया गया था।

सरदार पटेल का योगदान अतुलनीयः साकेंद्र प्रताप

फतेहपुर, बाराबंकी: ग्राम सिरौली सुरजनपुर में सरदार वल्लभभाई पटेल की 75वीं पुण्यतिथि पर प्रणामजलि समारोह आयोजित किया गया। विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा ने कहा कि सरदार पटेल का योगदान आधुनिक भारत की रचना में अतुलनीय है और उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दिया। विधायक ने बताया कि अंग्रेजों ने उन्हें जज बनने का प्रस्ताव दिया, लेकिन उन्होंने देश की आजादी और भारतीयों के न्याय के लिए इसे ठुकरा दिया। उन्होंने किसानों के आंदोलनों में सरदार पटेल की सक्रिय भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व के सामने अंग्रेजी हुकूमत भी झुक गई। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष राम सिंह वर्मा, जिला महामंत्री शील रत्न मिहिर, बाबा हेमंत दास, आशुतोष वर्मा और सुधीर मिश्र ने भी संबोधन दिया। समारोह से पूर्व विधायक ने ग्राम पंचायत में साढ़े 17 लाख की लागत से बने पंचायत भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अंशुमान मिश्र, करुणा शंकर शुक्ल रहे।

8वें वेतन आयोग में संशोधन की मांग को लेकर धरना

बाराबंकी, अमृत विचार: सोमवार को स्थानीय गन्ना संस्थान कार्यालय परिसर में सेवानिवृत कर्मचारियों और पेंशनरों ने आठवें वेतन आयोग में संशोधन सहित विभिन्न मांगों को लेकर विशाल धरना-प्रदर्शन किया। शिक्षक महासंघ के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। जिला अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा ने कहा कि पुराने पेंशनरों को आयोग की परिधि से बाहर रखा गया है, जिससे पेंशनर समाज में निराशा व आक्रोश है। कार्यकारी अध्यक्ष एसपी सिंह ने बताया कि 1 अप्रैल 2024 से पूर्व प्राप्त पेंशन जैसी व्यवस्था आगे भी लागू हो। सभा को अध्यक्ष वीके सिंह, प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष पवन कुमार वर्मा, जिला मंत्री अशोक सोनी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओमप्रकाश वर्मा, उपाध्यक्ष सर्वजीत यादव, सुरेंद्र कुमार वर्मा, सुशीला बाजपेई ने भी संबोधित किया। धरना सभा में प्रधानमंत्री को भेजे जाने वाला ज्ञापन सर्वसम्मति से पारित कर जिलाधिकारी को सौंपा गया, जिसे नायब तहसीलदार आशुतोष उपाध्याय ने प्राप्त किया।

हरदोई में बस-ट्रक की टक्कर में 10 घायल

बिलग्राम-कटरा बिल्हौर मार्ग पर सड़क हादसे के बाद मचा हड़कंप

रफ्तार की मार

संवाददाता, बिलग्राम, हरदोई

अमृत विचार। कस्बा स्थित कटरा बिल्हौर मार्ग पर चांदपुर गांव के पास सोमवार को एक प्राइवेट बस और ट्रक की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस भीषण सड़क हादसे में बस सवार 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को बस से बाहर निकाला और एंबुलेंस की मदद से सभी को आनन-फानन में बिलग्राम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया।

घायलों में अकील (28) पुत्र वकील निवासी एसडीएम कॉलोनी बिलग्राम, विनोद (28) पुत्र महेश निवासी मोहकमपुर थाना सुरसा, सुलेमान (25) पुत्र कय्यूम निवासी एसडीएम कॉलोनी बिलग्राम, विपिन कुमार (32) पुत्र सर्वधान निवासी मसूदपुर थाना सांडी, अंशिका (15) पुत्री जितेंद्र निवासी मोहल्ला मलकंठ बिलग्राम, रामौतार (75) पुत्र गज्जू निवासी सांप खेड़ा बिलग्राम, राजेंद्र प्रसाद (65) पुत्र भिखारी निवासी सांसेड़ा थाना बिलग्राम, श्यामसुंदर (26) पुत्र विश्राम निवासी कोकी पुरवा थाना शहर कोतवाली हरदोई, आजाद (45) पुत्र श्री गणेश प्रसाद निवासी आलू मिल कासुपेट बिलग्राम तथा मुशर्रफिन (30) पुत्र क्षांगु निवासी मोहल्ला मलकंठ शामिल हैं।

बताया गया कि अधिकांश यात्री मजदूरी, पढ़ाई या शिक्षण कार्य के लिए माधोगंज की ओर जा रहे थे। चांदपुर गांव के पास सामने से आ रहे ट्रक से बस की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिससे बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और यातायात को सुचारु कराया। सीएचसी में चिकित्सकों ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया। जांच के बाद आजाद और राजेंद्र प्रसाद की हालत गंभीर पाए जाने पर उन्हें बेहतर उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। अन्य घायलों का उपचार सीएचसी में जारी है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। उधर, हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित हो गयी थी।

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 16 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

एंटी रोमियो स्क्वाड पुलिस ने की चेकिंग

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। एण्टी रोमियो स्क्वाड पुलिस टीम द्वारा मिशन शक्ति के अन्तर्गत जनपद के स्कूल-कॉलेज व भीड़-भाड़ आदि स्थानों पर मनचलों एवं शोहदों की चेकिंग की गयी। प्रभारी एण्टी रोमियो स्कवाड टीम शक्ति मोबाइल द्वारा मिशन शक्ति के अन्तर्गत एण्टी रोमियो कार्यवाही के तहत थाना क्षेत्र शोहरतगढ़ मे छत्तहरा, बाण गंगा व थाना क्षेत्र लोटन मे सोहास स्टैण्ड, लोटन बाजार व थाना क्षेत्र उसका बाजार मे पकडी, उमा टेक्निकल इन्स्टीट्यूट, चौक व स्कूल-कॉलेज, कोचिंग सेन्टर के पास तथा थाना क्षेत्र के आस-पास के मुख्य सड़को, चौराहों पर चेकिंग की गयी तथा महिला दुकानदारों से नियमित आए दिन चौराहों बाजारों आदि में अनावश्यक घूमने वाले शोहदों आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की गई।

जरूरतमंदों को वितरित किए कम्बल

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। थाना क्षेत्र मिश्रौलिया के ग्राम पंचायत मधवापुर में गरीब कल्याण संस्था के तत्वावधान में सोमवार को मधवापुर गांव में नि:शुल्क कम्बल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आपको बता दें कि उक्त कार्यक्रम समाजसेवी रामअनुज यादव के सौजन्य से सम्पन्न हुआ, जिसमें बेहद गरीब एवं जरूरतमन्द लोगों को कम्बल वितरित किये गये। कड़ाके की ठण्ड में इस मानवीय पहल से क्षेत्र के बुजुर्गों, महिलाओं और जरूरतमन्द परिवारों को बड़ी राहत मिली। कम्बल वितरण कार्यक्रम के दौरान जरुरतमन्दों के चेहरों पर खुशी साफ झलकती दिखी। बुजुर्गों ने संस्था और आयोजकों को दिल से दुआएं दीं।

नए सत्र के लिए प्रवेश फार्म का वितरण आज से

गोरखपुर, अमृत विचार। एन. ई. रेलवे सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल, गोरखपुर में नये सत्र-2026-27 हेतु कक्षा-06 से 09वीं के लिए प्रवेश हेतु फार्म वितरण का कार्य 16 दिसम्बर से 25 जनवरी तक किया जायेगा। इसे किसी भी कार्य दिवस में प्रात: 10:00 बजे से 02:00 बजे तक कार्यालय से प्राप्त कर सकते है। प्रवेश फार्म पूर्ण रूप से भरकर 25 जनवरी, 2026 तक किसी भी कार्य दिवस में जमा किया जायेगा।

समय-सीमा कानून सरकार पर भी समान रूप से लागू: हाईकोर्ट

वर्ष 2009 के एक आदेश की समीक्षा के लिए प्रदेश सरकार की 5743 दिनों की अत्यधिक देरी से दाखिल रिव्यू याचिका खारिज

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वर्ष 2009 के एक आदेश की समीक्षा के लिए प्रदेश सरकार द्वारा कुल 5743 दिनों की अत्यधिक देरी से दाखिल रिव्यू याचिका को खारिज करते हुए सरकार के ऐसे ढीले रवैये के घोर निंदा की। कोर्ट ने इस देरी को घोर लापरवाही, उदासीनता और नौकरशाही लालफीताशाही का परिणाम करार दिया।

दरअसल कोर्ट ने वर्ष 2009 में मोहन लाल के पक्ष में शहरी भूमि सीलिंग एवं विनियमन) निरसन अधिनियम, 1999 के तहत राहत प्रदान करते हुए राज्य सरकार का नाम राजस्व अभिलेखों से हटाने का निर्देश दिया था। उक्त आदेश को राज्य सरकार ने 1633 दिनों की देरी के साथ सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका के माध्यम से चुनौती दी थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने 3 मई 2024 को देरी के आधार पर खारिज कर दिया। इसके बाद भी सरकार ने तत्परता न दिखाते हुए लगभग 489 दिनों के अतिरिक्त विलंब के बाद हाई कोर्ट के समक्ष वर्ष 2025 में वर्तमान रिव्यू याचिका दाखिल की। सरकार ने इस देरी के समर्थन में मुख्यतः कार्यालयी टिप्पणियों की तैयारी, फाइलों का एक विभाग से दूसरे विभाग में आवागमन, कानूनी राय और प्रशासनिक प्रक्रियाओं का हवाला दिया, जिसे अस्वीकार कर कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि सीमा कानून सरकार पर भी उतना ही लागू होता है, जितना किसी निजी पक्ष पर और देरी को उदारता के आधार पर माफ नहीं किया जा सकता। सरकारी एजेंसियों पर यह विशेष दायित्व है कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन तत्परता और प्रतिबद्धता के साथ करें। देरी की माफी एक अपवाद है और इसे सरकारी विभागों के लिए पूर्वानुमानित लाभ के रूप में प्रयोग नहीं किया जा सकता। कानून सभी के लिए समान रूप से संरक्षण प्रदान करता है और इसे सरकारी विभागों के हित में मोड़ा नहीं जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सरकारी मशीनरी की धीमी गति देरी माफी का पर्याप्त कारण नहीं हो सकती। अंत में कोर्ट ने देरी माफी आवेदन खारिज करते हुए रिव्यू याचिका भी निरस्त कर दी और कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद मामले को पुनः खोलने का कोई औचित्य नहीं है।

एक ही चयन सूची से चयनित अभ्यर्थियों में भेद असंवैधानिक

सिपाही भर्ती-2018 मामले में यूपी सरकार की विशेष अपीलें खारिज

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सिपाही भर्ती-2018 में चयनित सैनिक अभ्यर्थियों को वेतन संरक्षण (पे प्रोटेक्शन) से वंचित करने के राज्य सरकार के आदेश को असंवैधानिक ठहराया। उक्त आदेश न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने राज्य सरकार की विशेष अपीलों को खारिज करते हुए पारित किया। कोर्ट ने माना कि एक ही चयन प्रक्रिया और चयन सूची से आए अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण की अलग-अलग तिथियों के आधार पर अलग वर्गों में बांटना अनुच्छेद 14 के विरुद्ध है। मामले के अनुसार यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती-2018 में चयनित पूर्व सैनिकों को कोविड-19 के कारण चरणबद्ध प्रशिक्षण के लिए भेजा गया था। राज्य सरकार ने पहले बैच को वेतन संरक्षण दिया, लेकिन बाद के तीन बैचों को इससे वंचित कर दिया। सरकार का तर्क था कि प्रशिक्षण भर्ती प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा है और अलग-अलग बैचों के लिए भिन्न वेतन संरचना तय की जा सकती है, लेकिन कोर्ट ने इस तर्क को खारिज करते हुए कहा कि सभी अभ्यर्थी एक ही विज्ञापन, एक ही चयन प्रक्रिया और एक ही चयन सूची से आए हैं। प्रशिक्षण को चरणों में कराने का निर्णय केवल प्रशासनिक बाध्यताओं और महामारी जनित परिस्थितियों के कारण था, न कि अभ्यर्थियों के बीच किसी बुद्धिगम्य भेद के आधार पर। ऐसे में बाद के बैचों को वेतन संरक्षण से वंचित करना मनमाना और शत्रुतापूर्ण व्यवहार है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रशासनिक असुविधा या अस्थायी परिस्थितियां समान रूप से चयनित अभ्यर्थियों के संवैधानिक अधिकारों को सीमित करने का आधार नहीं बन सकतीं। एक ही चयन सूची के अभ्यर्थी सेवा लाभों के लिए एक समरूप वर्ग हैं। अंत में कोर्ट ने एकल न्यायाधीश के 9 अप्रैल 2025 के फैसले को बरकरार रखते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह पहले बैच की तरह सभी अन्य बैचों के अभ्यर्थियों को भी वेतन संरक्षण और उससे जुड़े लाभ 12 सप्ताह के भीतर प्रदान करे।

बैंक शाखा के स्थानांतरण को आरबीआई की अनुमति लेना आवश्यक नहीं: हाईकोर्ट

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आरबीआई की अनुमति के बिना इंडियन बैंक की ग्रामीण शाखा को दूसरे गांव में स्थानांतरित किए जाने को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि बैंक शाखा के स्थानांतरण के लिए आरबीआई की अनुमति की आवश्यकता नहीं है। यह स्पष्टीकरण मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेन्द्र की खंडपीठ ने लाल बहादुर पटेल की याचिका को निस्तारित करते हुए दिया। कोर्ट ने याचिका में हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं पाया। मामले के अनुसार प्रयागराज जिले के सोरांव तहसील के अंतर्गत मौआइमा ब्लॉक की इंडियन बैंक शाखा को बांका जलालपुर गांव से लगभग पांच किलोमीटर दूर सुल्तानपुर खास स्थानांतरित किए जाने से जुड़ा था। ग्राम प्रधान और याची ने तर्क दिया कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 23 के तहत आरबीआई की अनुमति के बिना शाखा का स्थानांतरण अवैध है और इससे आसपास के गांवों के ग्रामीणों को कठिनाई होगी। कोर्ट ने आरबीआई के अधिवक्ता के तर्कों पर विचार करते हुए पाया कि शाखा प्राधिकरण नीति के युक्तिकरण - दिशा-निर्देशों के संशोधन से संबंधित दिनांक 18.05.2017 के परिपत्र का खंड 5 'बैंकिंग आउटलेट्स' के विलय/बंद करने/स्थानांतरण/रूपांतरण से संबंधित है और खंड 5.2 के अनुसार किसी भी ग्रामीण बैंकिंग शाखा या अर्ध-शहरी क्षेत्र की एकमात्र बैंकिंग शाखा के विलय, बंद करने या स्थानांतरित करने के लिए डीसीसी/डीएलआरसी की स्वीकृति आवश्यक होगी। हालांकि इसके विपरीत किसी भी ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्र की एकमात्र बैंकिंग शाखा को पूर्ण विकसित ईंट-पत्थर की शाखा में परिवर्तित करने के लिए ऐसी स्वीकृति की आवश्यकता नहीं होगी। किसी ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्र की एकमात्र बैंकिंग शाखा के विलय/बंद करने/स्थानांतरण/परिवर्तन के दौरान बैंक और डीसीसी/डीएलआरसी यह सुनिश्चित करेंगे कि केंद्र की बैंकिंग आवश्यकताओं की पूर्ति जारी रहे। ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्र की एकमात्र बैंकिंग शाखा के स्थानांतरण के लिए जिला परामर्श समिति/जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीसीसी/डीएलआरसी) की स्वीकृति पर्याप्त है, जो इस मामले में प्राप्त कर ली गई थी। याचिका में यह भी दावा किया गया था कि शाखा का नाम अब भी 'बांका जलालपुर शाखा' होने से भ्रम पैदा हो रहा है। हालांकि बैंक द्वारा शाखा नाम परिवर्तन से संबंधित आदेश प्रस्तुत करने पर न्यायालय ने पाया कि याचिका में कोई ठोस आधार नहीं है।

बाल विवाह न करने को किया जागरूक

कुशीनगर, अमृत विचार: मिशन शक्ति के विशेष अभियान के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा एवं सम्मान एवं सुनिश्चित करने हेतु सोमवार को जनपद के विकास खंड रामकोला में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का जनता इंटर कॉलेज, रामकोला में किया गया। जिला प्रोवेशन अधिकारी डीसी त्रिपाठी ने बताया कि कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट मिशन कोऑर्डिनेटर नलिन सिंह द्वारा बाल विवाह विषय पर विस्तार से चर्चा करते हुए इसके सामाजिक, शैक्षिक एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों की जानकारी छात्र-छात्राओं को दी गई तथा उन्हें बाल विवाह न करने के लिए प्रेरित किया गया।

लोक सेवा आयोग के बाहर प्रतियोगी छात्रों का प्रदर्शन

भर्ती परीक्षाओं में जवाबदेही की कमी का लगाया आरोप

प्रयागराज, अमृत विचार। उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग की भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पारदर्शिता की मांग को लेकर सोमवार को प्रयागराज में माहौल गरमा गया। बड़ी संख्या में प्रतियोगी छात्र-छात्राएं लोकसेवा आयोग के गेट नंबर दो के बाहर एकत्र हुए और हाथों में पोस्टर-बैनर लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। छात्रों का आरोप है कि भर्ती परीक्षाओं में जवाबदेही की कमी है और आयोग उनकी जायज मांगों को लगातार नजरअंदाज कर रहा है।

प्रदर्शन कर रहे प्रतियोगी छात्रों की प्रमुख मांग है कि आयोग सभी भर्ती परीक्षाओं की संशोधित उत्तरकुंजी सार्वजनिक करे, ताकि अभ्यर्थियों को अपने अंकों और मूल्यांकन प्रक्रिया की सही जानकारी मिल सके। इसके साथ ही छात्रों ने श्रेणीवार कटऑफ अंक जारी करने की भी मांग उठाई। छात्रों का कहना है कि जब तक उत्तरकुंजी और कटऑफ स्पष्ट नहीं होंगे, तब तक चयन प्रक्रिया पर संदेह बना रहेगा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और प्रशासन पहले से ही अलर्ट मोड में नजर आया। आयोग के आसपास के पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया।

खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में लगी आग

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ के एक घर में खाना बनाते समय गैस सिलेण्डर में अचानक आग लग गई। हादसा रविवार सुबह कस्बा क्षेत्र के नीबी दोहनी गांव का मामला है। गनीमत रही कि उक्त हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। थाना क्षेत्र शोहरतगढ़ के नीबी दोहनी गांव निवासी दिनेश चौरसिया के घर रसोई में भोजन बनाते समय गैस रिसाव के कारण पाइप में आग लग गई। कुछ ही क्षणों में आग ने सिलेण्डर को अपनी चपेट में ले लिया और तेज लपटें उठने लगीं। पड़ोसियों ने साहस दिखाते हुए जलते सिलेण्डर को रसोई से बाहर निकाला और बोरी आदि से ढककर आग पर काबू पाया।

संघ का हिंदू एकता का महाकुंभ आज

संवाददाता, संतकबीरनगर

हिंदू सम्मेलन को लेकर शहर में रूट डायवर्जन

संतकबीरनगर। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के बड़गो स्थित शेखर मैरिज लॉन में 16 दिसंबर को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हिंदू सम्मेलन के कार्यक्रम के मद्देनजर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। सीओ ट्रैफिक प्रियम राज शेखर पांडेय ने बताया कि 16 दिसंबर को सुबह 9 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक मेंहदावल बाईपास से मेंहदावल की ओर बड़े व भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। मेंहदावल बाईपास से मेंहदावल जाने वाले भारी वाहन दुर्गा मंदिर मगहर से घघसरा (गोरखपुर), बखिरा-नंदौर होते हुए अपने गंतव्य तक जाएंगे। इसी तरह मेंहदावल व नंदौर की ओर से आने वाले भारी वाहन घघसरा, बखिरा-नंदौर मार्ग से दुर्गा मंदिर मगहर होकर आवागमन करेंगे। पुलिस ने आमजन से सहयोग की अपील की है।

- आरएसएस के सरकार्यवाह के आगमन को लेकर उत्साह
- साधु-संतों से लेकर बुद्धिजीवियों तक की होगी सहभागिता

अमृत विचार। हिंदू समाज की एकता, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मंगलवार को संतकबीरनगर में भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

आयोजन को लेकर जिलेभर के हिंदू संगठनों में खासा उत्साह देखा जा रहा है और इसे हिंदू समाज को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में माना जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले होंगे, जो सामाजिक एकता, राष्ट्रहित और संगठनात्मक चेतना पर अपना मार्गदर्शन देंगे। सम्मेलन की अध्यक्षता महंत विचार दास, महंत कबीर मठ मगहर करेंगे, जिनकी उपस्थिति से आयोजन को आध्यात्मिक गरिमा प्राप्त होगी। यह सम्मेलन दोपहर 1:30 बजे से 4:30 बजे तक शेखर मैरेज लॉन, बड़गो, खलीलाबाद में आयोजित होगा। आयोजन की कमान सकल हिंदू समाज आयोजन समिति, सरोली मंडल तामेश्वरनाथ खंड के हाथों में है। आयोजन समिति के भास्कर मणि त्रिपाठी ने बताया कि सम्मेलन में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है।

पुलों की अधूरी एप्रोच से परेशानी

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। भारत-नेपाल बार्डर के समीप सरयू नहर परियोजना के तहत निर्मित पुलों की एप्रोच अधूरी और जर्जर होने से स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पुल निर्माण के दौरान खोदी गई खाइयों को न तो समुचित ढंग से भरा गया और न ही अप्रोच को मजबूती दी गई। नतीजतन पुल के दोनों ओर बड़े-बड़े गड्ढे बन गये हैं, जिससे आवागमन जोखिम भरा हो गया है। वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि सम्बन्धित विभाग के जिम्मेदार अधिकारी समय-समय पर पुल के किनारों पर ईंटें गिराकर केवल खानापूर्ति कर देते हैं, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता। इसी लापरवाही के कारण पुलों से गुजरना हर दिन खतरे को दावत दे रहा है। ग्राम पंचायत बगहवा के पास शोहरतगढ़-खुनुवां मार्ग तथा बार्डर मार्ग पर राजा बाग, भादमुस्तहकम और करहिया गांव के समीप बनाये गये पुलों की स्थिति सबसे अधिक खराब है। निर्माण के कुछ महीनों बाद अप्रोच तैयार तो की गई थी, लेकिन घटिया गुणवत्ता के कारण वह जल्द ही टूट गई। अब राहगीरों को उखड़े और गड्ढों से भरे रास्तों से होकर गुजरना पड़ रहा है। प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष पवन मिश्रा, प्रधान सद्दाम, प्रधान प्रतिनिधि महेन्द्र चौधरी, प्रधान सुबाष यादव, श्यामलाल यादव, केशरी प्रसाद, बाल गोविन्द पटेल, रामानन्द गिरि, दिनेश कुमार गुप्ता, गुड्डू शेख और गंगाधर मिश्रा ने कहा कि इस मार्ग से भारी वाहनों की आवाजाही होती है। ऐसे में किसी भी समय बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

युवती हत्याकांड में तीन लोग दोषी करार

सुलतानपुर, अमृत विचार: कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के रामपुर हनुमानगंज में सात वर्ष पूर्व युवती खुशबू पांडेय की निर्मम हत्या के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम सन्ध्या चौधरी ने सोमवार को तीन आरोपियों को दोषी करार देते हुए जेल भेज दिया। अदालत ने दोषियों को मंगलवार को जेल से तलब कर सजा के बिंदु पर सुनवाई निर्धारित की है। एडीजीसी पवन कुमार दूबे के अनुसार, 5 अप्रैल 2018 की शाम करीब सात बजे राजीव पांडेय की पुत्री खुशबू पांडेय अपनी बहन अंजली पांडेय के साथ खेत गई थी, जहां आरोपियों ने खुशबू की हत्या कर दी।

रेलवे समपार पर लोग जाम से परेशान

संवाददाता, शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर

बंद फाटक के नीचे से साइकिल लेकर गुजरता युवक।

अमृत विचार। रेलवे समपार फाटक पर अक्सर जाम लगने से लोगों ने ओवरब्रिज बनाने की मांग की है। यह मार्ग इटवा, कठेला, चेतिया, मिश्रौलिया अन्य समेत सिसवा के पास नेशनल हाईवे को जोड़ता है। मार्ग पर 24 घन्टे वाहनों का आवागमन रहता है। ट्रेन गुजरने के दौरान शोहरतगढ़-चेतिया मार्ग पर स्थित छतहरी के पास रेलवे फाटक बन्द होने से अक्सर जाम की स्थित बनी रहती है। विकास क्षेत्र के पूर्व प्रधान अबू शहमा, सोनू उपाध्याय, ओम प्रकाश उपाध्याय, सुग्रीव यादव, मणिकान्त उपाध्याय, सन्तोष यादव, पंकज पाण्डेय, रविन्द्र सहित ब्लाक के अधिकारी व कर्मचारी व अन्य लोगों ने शासन प्रशासन से ओवर ब्रिज की मांग करते हुए बताया कि यह मार्ग अत्यन्त व्यस्त मार्ग है। ट्रेन गुजरते वक्त फाटक बन्द होने से जाम लग जाता है। जिससे नगर के विभिन्न स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे व ड्यूटी पर जाने वाले कर्मी अक्सर लेट हो जाते हैं। सबसे अधिक दिक्कत रोगियों को होती है। इमरजेंसी में रोगियों को अस्पताल पहुंचाने में भी दिक्कत होती है।

मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक, किया हंगामा

संतकबीरनगर, अमृत विचार। बखिरा थाना क्षेत्र के घोड़ीसांड गांव में सोमवार को एक युवक मोबाइल टावर पर चढ़ गया। युवक प्रेमिका से शादी कराने की मांग को लेकर हाईवोल्टेज ड्रामा करता रहा। सिहटीकर गांव निवासी सचिन गौड़ पुत्र बनारसी अपराह्न करीब दो बजे मोबाइल टावर पर चढ़ गया। लोगों ने उसे नीचे उतरने के लिए समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माना। प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह के निर्देश पर चौकी प्रभारी राजीव कुमार सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद युवक को सुरक्षित टावर से नीचे उतार लिया गया।

एसडीएम ने चेयरमैन प्रतिनिधि के साथ रैन बसेरा का किया निरीक्षण

शोहरतगढ़ सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ के गड़ाकुल स्थित रैन बसेरा का एसडीएम विवेकानन्द मिश्रा के साथ चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने सोमवार को आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जिसमें रैन बसेरा में सारी व्यवस्था जैसे अलाव, कम्बल, चारपाई, शुद्ध पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय मास्क, सेनीटाइजर आदि ठीक पाया गया। वहीं भीषण ठंडक एवं शीतलहर को देखते हुए छतहरी, छतहरा, चेतिया मोड़, रेलवे स्टेशन, गड़ाकुल तिराहा, धर्मशाला के सामने, गोलघर, पुलिस पिकेट, भारत माता चौक, रमजान गली तिराहा, मस्जिद के सामने, धुनिया मोहल्ला सहित 20 स्थलों पर अलाव की व्यवस्था की गयी है। निरीक्षण के दौरान लेखपाल अनिरुद्ध चौधरी, लिपिक राजेश त्रिपाठी, बीडी कसौधन सहित अन्य मौजूद रहे।

10 से अधिक लोगों की जान बचाने वाले नाविक को एसपी ने किया सम्मानित

संतकबीरनगर, अमृत विचार। एसपी संदीप कुमार मीना ने सोमवार को राप्ती नदी पुल स्थित करमैनी घाट पर आत्महत्या के प्रयासों के दौरान 10 से अधिक लोगों की जान बचाने वाले साहसी नाविक को सम्मानित किया। एसपी ने नाविक संदीप साहनी निवासी रिगौली बाजार, थाना कैपियरगंज, जनपद गोरखपुर को प्रशस्ति पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान कर उनके साहसिक कार्य की सराहना की। संदीप साहनी ने अपनी जान की परवाह किए बिना तत्परता, सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए राप्ती नदी में छलांग लगाने वाले लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और कई परिवारों को उजड़ने से बचाया। उनके इस मानवीय और साहसिक कार्य की सर्वत्र प्रशंसा हो रही है। एसपी ने कहा कि इस तरह के कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक होते हैं और आपदा की परिस्थितियों में मानव जीवन की रक्षा के प्रति कर्तव्यनिष्ठा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

पुलिस कार्यालय में नाविक को सम्मानित करते एसपी संदीप कुमार मीना।

शीतलहर से बचाव को लेकर जिला प्रशासन सतर्क, डीएम ने दिए निर्देश

कुशीनगर, अमृत विचार: जिलाधिकारी द्वारा संभावित शीतलहर, घना कोहरा एवं अत्यधिक ठंड से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को देखते हुए जन-धन की सुरक्षा हेतु समस्त संबंधित विभागों को प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। जनपद की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए ठंड एवं कोहरे के कारण सड़क दुर्घटनाओं, स्वास्थ्य समस्याओं, पशुहानि तथा जनजीवन प्रभावित होने की आशंका रहती है, जिस पर समय रहते ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सड़कों की मरम्मत एवं गड्ढों को तत्काल भरा जाए, रोड सर्फेस मार्किंग, रिफ्लेक्टर, जेब्रा क्रॉसिंग, संकेतक बोर्ड एवं स्ट्रीट लाइट्स को दुरुस्त रखा जाए। प्रमुख चौराहों, ब्लैक स्पॉट्स, मोड़ों व दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाए। ठंड से बचाव हेतु असहाय, निराश्रित एवं कमजोर वर्ग के लोगों के लिए अलाव, कंबल वितरण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

आयोजन | रेलवे अधिकारी क्लब में किया गया आयोजन

पेंशन अदालत में आए 31 मामले, सभी निस्तारित

संवाददाता, गोरखपुर

रेलवे की पेंशन अदालत में मौजूद अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। अपर महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे विनोद कुमार शुक्ल एवं मुख्य कार्मिक अधिकारी/प्रशासन मनोज कुमार, मुख्य कार्मिक अधिकारी/आई.आर. मनोज कुमार पाण्डेय तथा उप वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी/प्रशासन याकूब शेख की उपस्थिति में सोमवार को रेलवे अधिकारी क्लब में पेंशन अदालत-2025 का आयोजन किया गया।

इस पेंशन अदालत में कुल 31 मामले प्राप्त हुए जिस पर कार्यवाही करते हुये सभी मामलों का निस्तारण कर दिया गया। 04 मामलों में पेंशनरों को रू0 50,72,819- का भुगतान किया गया तथा पी.पी0ओ. में आंशिक संशोधन के 11 मामलों सहित शेष सभी का समाधान किया गया। अपर महाप्रबंधक विनोद कुमार शुक्ल ने पेंशनरों को संशोधित पी.पी.ओ. प्रदान किया। अपर महाप्रबंधक विनोद कुमार शुक्ल ने कहा कि पेंशन अदालत का आयोजन करना एक अच्छी परम्परा है, इसके माध्यम से पेंशनरों को अपनी बात प्रशासन तक पहुंचाने में सुविधा होती है तथा उन्हें पेंशन से सम्बन्धित किसी प्रकार के परिवादों का निराकरण करने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि हमे इस बात पर ध्यान देना चाहिए की पेंशनरों को जो भी सुविधा मिल रही है उसे समय से मिले। इसके लिए हमे सवेदनशील होना चाहिए तथा समय से कार्यो निस्पादन करना चाहिए।

लावारिस हालत में मिलीं दो किशोरियां, परिजनों को सौंपा

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा 13 दिसम्बर को रेलवे सुरक्षा बल टनकपुर को रात्रि निगरानी के दौरान टनकपुर स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या-01 पर 13 एवं 14 वर्ष की दो लड़कियां लावारिस हालत में बैठी मिली। पूछताछ के उपरान्त दोनों को उनके परिजन के उपस्थित होने पर अग्रिम कार्यवाही हेतु सिविल थाना लक्ष्मणझूला, जिला-पौड़ी गढ़वाल को सुपुर्द किया गया। 12 दिसम्बर को रेलवे सुरक्षा बल, बलिया को गाड़ी संख्या-11061 में यात्री का छूटा एक ट्राली बैग मिला। 13 दिसम्बर को यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उसे सुपुर्द किया गया। रेलवे सुरक्षा बल, भटनी को गाड़ी संख्या-11159 में यात्री का छूटा एक बैग मिला। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उसे सुपुर्द किया गया। रेलवे सुरक्षा बल, गोरखपुर को गाड़ी संख्या-13507 में यात्री का छूटा बैग मिला। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उसे सुपुर्द किया गया। 12 दिसम्बर को रेलवे सुरक्षा बल स्कोर्ट पार्टी को गाड़ी संख्या-15707 में यात्री का छूटा एक ट्राली बैग मिला, जिसे रेलवे सुरक्षा बल मनकापुर पोस्ट पर जमा किया गया। 13 दिसम्बर को यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर बैग को सुपुर्द किया गया। 12 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल कन्नौज को गाड़ी संख्या-14118 में यात्री का छूटा एक ट्राली बैग मिला। 13 दिसम्बर को यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर बैग को सुपुर्द किया गया।

माता प्रसाद पांडेय को ज्ञापन देते पत्रकार संगठन के पदाधिकारी।

संगठन ने नेता प्रतिपक्ष को दिया ज्ञापन

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ सिंह के निर्देश पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित 7 सूत्रीय मांग पत्र इटवा के विधायक व नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को देकर कार्रवाई की मांग किया है। यह जानकारी एसोसिएशन के बस्ती मण्डल के अध्यक्ष डॉ बलराम त्रिपाठी ने दी। उन्होंने बताया कि अत्यंत कठिन परिस्थितियों में कार्य कर रहे पत्रकारों को सरकार व संस्थान की तरफ से कोई सुविधा नहीं दिया जाता है। पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य कर रहे ये पत्रकार अनेक कठिनाइयों से जूझ रहे हैं। इसलिए इनके जीवन स्तर को सुधारने के लिए तहसील स्तर पर मान्यता प्रदान करना बहुत आवश्यक हो गया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

दिल्ली विस्फोट : शोएब और नसीर की हिरासत चार दिन बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को फरीदाबाद निवासी शोएब और जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले के निवासी डॉ. नसीर बिलाल मल्ला की एनआईए हिरासत को चार और दिनों के लिए बढ़ा दिया। शोएब पर लाल किले के पास कार में विस्फोट करने वाले उमर-उन-नबी को पनाह देने का आरोप है। जांच एजेंसी ने पांच दिसंबर को दी गई उसकी पिछली 10 दिन की हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा के बीच शोएब को पटियाला हाउस अदालत में पेश किया। एनआईए को नौ दिसंबर को दी गई नसीर की सात दिन की हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद उसे अदालत में पेश किया गया।

केरल में एसआईआर के दौरान 25 लाख मतदाता लापता

तिरुवनंतपुरम। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) रतन यू केलकर ने सोमवार को बताया कि केरल में मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान 25 लाख से अधिक मतदाताओं का पता नहीं चल पाया। वह राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित सर्वदलीय बैठक में बोल रहे थे। केलकर के अनुसार, बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने सत्यापन प्रक्रिया के दौरान 6.44 लाख मतदाताओं को मृतक के रूप में चिह्नित किया। उन्होंने कहा कि 8.19 लाख मतदाता स्थायी रूप से अन्य स्थानों पर चले गए हैं, 1.31 लाख मतदाताओं के नाम कई बार दर्ज हैं और 7.12 लाख मतदाताओं के बारे में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है।

अरुणाचल के अंजॉ में ट्रक दुर्घटना के बाद 20 शव बरामद

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में 21 लोगों को लेकर जा रहे मिनी ट्रक के गहरी खाई में गिरने के बाद हादसे के शिकार लोगों के लिए शुरू किया गया तलाश अभियान सोमवार को जिला प्रशासन ने समाप्त कर दिया। इस बीच 20 शव मिले, जबकि एक व्यक्ति को जीवित बचाया गया। ट्रक में सवार सभी लोग असम के थे। अंजॉ के उपायुक्त मिलो कोजिन ने बताया कि 11 दिसंबर को तलाश अभियान शुरू हुआ था जो हयूलियांग उपमंडल से लगभग 40 किमी दूर लाइलियांग के पास दुर्घटना स्थल की गहन तलाशी ली गई।

दिल्ली में घने कोहरे के कारण 228 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार को घने कोहरे के कारण 228 उड़ानें रद्द हुईं और पांच को दूसरे शहरों के लिए डायवर्ट करना पड़ा। हवाई अड्डे के अधिकारियों के मुताबिक इनमें दिल्ली से रवाना होने वाली 131 और दिल्ली आने वाली 97 उड़ानें थीं।

इसके अलावा सैकड़ों उड़ानों देरी हुई। इससे यात्रियों को भारी परेशानी का समाना करना पड़ा। दरअसल, आधी रात के बाद लगभग दो बजे से ही दिल्ली-एनसीआर और उत्तर भारत के कुछ शहरों में कोहरा घना होने लगा। दिल्ली हवाई अड्डे पर एक समय दृश्यता लगभग शून्य रह गई थी। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को भी दिल्ली हवाई अड्डे पर ऐसी ही स्थिति रह सकती है। तड़के 2.30 बजे तक दृश्यता 600 मीटर तक और सुबह 6.30 बजे तक 100 मीटर तक गिर सकती है।

आज भी बड़े पैमाने पर उड़ानें प्रभावित होने की आशंका

सोमवार को नई दिल्ली में सड़क पर छाए घने कोहरे के बीच गुजरते लोग।

मेसी के कार्यक्रम में दिल्ली की सीएम के खिलाफ लगे एक्यूआई के नारे

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण के चिंताजनक स्तर के बीच सोमवार को अरुण जेटली स्टेडियम में फुटबॉल दिग्गज लियोनेल मेसी

का स्वागत करने मंच पर आईं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के सामने वहां मौजूद भीड़ ने 'एक्यूआई-एक्यूआई' के नारे लगाए। इससे पहले सुबह एक्यूआई 498 तक पहुंच गया और शाम को 427 पर रहा, जिससे राजधानी लगातार तीसरे दिन भी गंभीर श्रेणी में बनी रही। भीड़ के 'एक्यूआई-एक्यूआई' के नारे लगाए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आप की दिल्ली इकाई के प्रमुख सौरभ भारद्वाज ने क्लिप साझा करते हुए 'एक्स' पर लिखा, अंतरराष्ट्रीय शर्मिंदगी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के आते ही मेसी के लिए आई भीड़ ने 'एक्यूआई-एक्यूआई' के नारे लगाए। इस बीच, मेसी ने स्पेनिश में संक्षेप में कहा, 'धन्यवाद दिल्ली! फिर मिलेंगे।' इससे उनके प्रशंसकों में उत्साह भर गया।

नवनियुक्त डॉक्टर के चेहरे से नीतीश कुमार ने हटाया हिजाब, विवाद

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को एक सरकारी कार्यक्रम में नवनियुक्त आयुष चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र बांटने के दौरान एक महिला चिकित्सक के चेहरे से हिजाब हटा दिया। इससे विवाद खड़ा हो गया। कुछ ही देर में घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और मुख्यमंत्री के कृत्य का विरोध शुरू हो गया।

● सरकारी कार्यक्रम में चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र बांट रहे थे नीतीश

यह घटना मुख्यमंत्री सचिवालय 'संवाद' में आयोजित उस कार्यक्रम के दौरान हुई, जहां एक हजार से अधिक आयुष चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जा रहे थे। हालांकि, इस वीडियो की प्रामाणिकता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, इनमें से 10 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद मंच पर नियुक्ति पत्र सौंपे, जबकि शेष को ऑनलाइन माध्यम से पत्र दिए गए।

इसी दौरान एक चिकित्सक नुसरत परवीन की बारी आई जिन्होंने अपने चेहरे पर हिजाब पहना हुआ था। इस पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताते हुए कहा, यह क्या है। नुसरत के कुछ कह पाने से पहले ही मुख्यमंत्री उनके चेहरे से हिजाब हटा दिया। इससे नुसरत परवीन घबरा गईं। वहां मौजूद एक अधिकारी ने उन्हें तुरंत एक ओर कर दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री की बगल में खड़े उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी उनकी आस्तीन खींचकर उन्हें रोकने की कोशिश की।

विपक्ष ने उठाए मानसिक स्थिति पर सवाल

राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने इस वीडियो को अपने सोशल मीडिया खातों पर साझा करते हुए दावा किया कि यह घटना जदयू के प्रमुख की अस्थिर मानसिक स्थिति का ताजा उदाहरण है। राजद ने 'एक्स' पर लिखा, यह क्या हो गया है नीतीश जी को। पार्टी ने कहा, मानसिक स्थिति बिल्कुल ही अब दयनीय स्थिति में पहुंच चुकी है या नीतीश बाबू अब शत-प्रतिशत संघी हो चुके हैं।

कांग्रेस की रैली में मोदी के खिलाफ नारे और गृह मंत्री की टिप्पणी पर हंगामा

लोकसभा में टकराए सत्ता-विपक्ष के सदस्य, नहीं चला प्रश्नकाल और शून्यकाल

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस की रविवार को आयोजित रैली में प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ धमकी भरे नारे लगाए जाने और गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी को लेकर सोमवार को लोकसभा में सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्यों ने हंगामा किया, जिससे सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। हंगामे से प्रश्नकाल और शून्यकाल नहीं चल सका।

प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ कथित नारों के विषय पर सत्तापक्ष के हंगामे के कारण कार्यवाही एक बार स्थगित होने के बाद दोपहर 12 बजे फिर से शुरू होने पर विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी शुरू कर दी। पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने जैसे ही सदन के पटल पर आवश्यक कागजात रखवाए, कांग्रेस के सदस्य नारेबाजी करते हुए आसन के निकट पहुंच गए। वे पिछले सप्ताह सदन में चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री शाह द्वारा की गई टिप्पणी का हवाला देते हुए उनसे और प्रधानमंत्री से माफी मांगने की मांग कर रहे थे।

विपक्ष की नारेबाजी के बाद सत्तापक्ष भी कांग्रेस की रैली में प्रधानमंत्री के खिलाफ कथित तौर पर धमकी भरे नारे लगाए जाने का विषय फिर से उठाने लगे। सैकिया ने सदन चलने देने की अपील करते हुए कहा कि शून्यकाल महत्वपूर्ण है। सदन चलाना सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है।

हंगामा नहीं थमने पर उन्होंने सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। सोमवार सुबह सदन की बैठक 11 बजे शुरू हुई तो लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पूर्व सदस्यों के निधन की सूचना और श्रद्धांजलि दी। बिरला ने प्रश्नकाल शुरू करने का निर्देश दिया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कांग्रेस की रैली में प्रधानमंत्री के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की कब्र खोदने की बात कही गई। यह बहुत दुखद है कि कांग्रेस पार्टी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करती है।

राज्यसभा में चुनाव सुधार पर चर्चा

लोकसभा में हंगामा करते सत्ता और विपक्ष के सदस्य।

सरकार की पेश विधेयकों का विपक्ष ने किया विरोध

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने विश्वविद्यालयों और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों को स्वतंत्र स्व-शासन वाले संस्थान बनाने के उद्देश्य से विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान, 2025 विधेयक सोमवार को लोकसभा में पेश किया। कांग्रेस के मनीष तिवारी ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि यह शिक्षण संस्थानों की स्वायत्तता का उल्लंघन करता है और उनकी स्वतंत्रता का क्षरण करता है। इसी तरह परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति देने संबंधी विधेयक पर कांग्रेस और टीएमसी के सदस्यों ने आपत्ति जताई। इसी सप्ताह सरकार 2047 तक सभी को बीमा की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बीमा क्षेत्र में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) को 100% तक बढ़ाने के लिए संसद में विधेयक पेश करने की योजना बना रही है।

जनादेश का सम्मान जरूरी, दलबदल कानून में सुधार हो: विपक्ष

नई दिल्ली। राज्यसभा में सोमवार को कई विपक्षी दलों के सदस्यों ने जनादेश का सम्मान करने की जरूरत पर जोर देते हुए दलबदल विरोधी कानून में सुधार की मांग की।

चुनाव सुधारों पर उच्च सदन में चर्चा में भाग लेते हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के केआर सुरेश रेड्डी और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के जॉन ब्रिटास ने कहा कि चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों को पूरा न करना मतदाता के साथ शाब्दिक रूप से धोखाधड़ी के समान है और दलबदल चुनावों की शुचिता पर सवाल खड़े करता है। रेड्डी ने कहा कि दो बड़े संवैधानिक संशोधनों के बावजूद भारतीय लोकतंत्र जिस सबसे बड़ी चुनौती का सामना कर रहा है, वह दलबदल विरोधी व्यवस्था ही है।

उन्होंने कहा कि वोट डालने के बाद मतदाता की भूमिका खत्म नहीं हो जाती, उन्होंने कहा, हमें मतदाता का सम्मान करना होगा। आज जैसे ही चुनाव खत्म होता है, उसके बाद ड्रामा शुरू हो जाता है। बीआरएस सांसद ने अफसोस जताते हुए कहा कि विशेषकर छोटे राज्यों में, जब विधायकों की संख्या कम होती है, एक खेल शुरू हो जाता है जिसका नाम दलबदल है।

एसआईआरः आयोग आज प्रकाशित करेगा पांच राज्यों की मसौदा मतदाता सूची

नई दिल्ली। एसआईआर के तहत मंगलवार को तीन राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों की मतदाता सूचियों का मसौदा प्रकाशित किया जाएगा। निर्वाचन आयोग के मुताबिक इन राज्यों में पश्चिम बंगाल, राजस्थान, गोवा, पुडुचेरी और लक्षद्वीप शामिल हैं।

● पश्चिम बंगाल, गोवा, राजस्थान, पुडुचेरी और लक्षद्वीप शामिल

सीईओ और डीईओ सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ मतदाता सूची के मसौदे की प्रति साझा करेंगे। मतदाता सूची सीईओ और डीईओ की वेबसाइटों पर भी अपलोड की जाएगी। अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत मतदाताओं की सूचियां भी सीईओ और डीईओ की वेबसाइटों पर अपलोड की जाएंगी। पिछले सप्ताह, निर्वाचन आयोग ने सीईओ के अनुरोधों के बाद पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में एसआईआर की समय सीमा बढ़ा दी थी।

सैन्य अफसरों के बीच राष्ट्रपति मुर्मू

विजय दिवस की पूर्व संध्या पर नई दिल्ली के आर्मी हाउस में आयोजित एक गृह प्रवेश स्वागत समारोह के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत करते सेना के अफसर।

जम्मू: उधमपुर में आतंकियों से मुठभेड़, एक पुलिसकर्मी शहीद

जम्मू, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में उधमपुर जिले के जंगल से सटे एक दूरदराज के गांव में सोमवार शाम हुई मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी शहीद हो गया, जबकि माना जा रहा है कि एक आतंकवादी भी घायल हुआ है।

अधिकारियों के अनुसार, गोलीबारी रुक गई है लेकिन पूरे इलाके को कड़े सुरक्षा घेरे में रखा गया है। छिपे हुए आतंकवादियों को मार गिराने के लिए उनके भागने के सभी रास्ते बंद कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि यह मुठभेड़ पहाड़ी जिले के मजालता इलाके के सोआन गांव में तब शुरू हुई जब सुरक्षाबलों ने यहां तीन आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना पर तलाशी अभियान संचालित किया। माना जाता है कि ये आतंकी पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद संगठन से जुड़े हैं।

● गांव में छिपे आतंकवादियों ने घेरने पर की फायरिंग, एक आतंकी के भी घायल होने की खबर

जम्मू के आईजी भीम सेन टूटी ने बताया कि दूरदराज के गांव में आतंकवादियों के बारे में सटीक सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों और आतंकवादियों का आमना-सामना हुआ। पुलिस के एसओजी के संयुक्त दल, सेना और सीआरपीएफ साथ मिलकर काम कर रहे हैं। एक अन्य पोस्ट में, आईजीपी ने कहा कि अंधेरे और खतरनाक भूभाग के कारण जंगल की तलाशी में बाधा आई है।

अधिकारियों ने बताया कि यह मुठभेड़ शाम करीब छह बजे शुरू हुई। सुरक्षाबलों ने उस गांव को पहले ही घेर रखा था। यह मुठभेड़ कुछ देर तक चली, जिसमें एसओजी के एक जवान घायल हो गए और बाद में उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि शुरुआती गोलीबारी में एक आतंकवादी के भी घायल होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि रात के लिए अभियान निलंबित कर दिया गया है और यह मंगलवार को फिर से शुरू किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि घेराबंदी को मजबूत करने और आतंकवादियों को ढेर करने के लिए इलाके में अतिरिक्त बल भेजा गया है।

अनिल अंबानी केस में राणा कपूर से पूछताछ

नई दिल्ली। ईडी ने रिलायंस अनिल अंबानी समूह की कंपनियों के खिलाफ धनशोधन जांच के तहत यस बैंक के सह-संस्थापक राणा कपूर से सोमवार को पूछताछ की।

अधिकारियों ने बताया कि बयान पीएमएलए के तहत दर्ज किए जा रहे हैं। कपूर (68) को इससे पहले भी ईडी ने अलग-अलग धनशोधन मामलों में गिरफ्तार किया था और उनसे पूछताछ की गई थी। ये मामले ऋणदाता यस बैंक द्वारा कथित तौर पर अवैध रूप से ऋण वितरण से जुड़े थे।

कबड्डी खिलाड़ी की टूर्नामेंट के बीच गोली मारकर हत्या

चंडीगढ़, एजेंसी

मोहाली में एक टूर्नामेंट में भाग लेने आए 30 वर्षीय कबड्डी खिलाड़ी कंवर दिग्विजय सिंह उर्फ राणा बलाचौरिया की सोमवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मा र क र हत्या कर दी। हमलावरों ने दहशत फैलाने के लिए हवा में भी गोलीबारी की जिससे भगदड़ मच गई।

● मोहाली में वारदात, दहशत फैलाने के लिए हवा में भी की गोलीबारी

एसएसपी हरमनदीप सिंह हंस ने बताया कि यह घटना मोहाली के सोहाना में हुई जहां कुछ दिनों से एक निजी कबड्डी टूर्नामेंट हो रहा था। फोर्टिस अस्पताल के बयान के अनुसार, राणा को शाम 6:05 बजे गोली लगने की चोटों के साथ लाया गया और यहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। एसएसपी ने बताया कि दो-तीन हमलावर घटना के बाद मोटरसाइकिल पर फरार हो गए। मामले की जांच जारी है। चश्मदीदों ने बताया कि हमलावरों ने प्रशंसक होने का स्वांग रचा और सेल्फी लेने के बहाने राणा के पास आकर गोलीबारी शुरू कर दी।

यह टूर्नामेंट दर्शकों से खचाखच भरे मैदान में हो रहा था, जहां पंजाबी गायक मनकीरत औलख भी आने वाले थे। चश्मदीदों के अनुसार, हमलावरों ने दर्शकों को डराने के लिए हवा में भी गोलियां चलाईं। इस हत्या ने तीन साल पहले संदीप नागल और हाल ही में तेजा सिंह की हत्या की यादें ताजा कर दी हैं।

विपक्षी कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी ने इस घटना पर भगवंत मान सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए राज्य में कानून और व्यवस्था के पूरी तरह चरमराने का आरोप लगाया। कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग और वरिष्ठ नेता प्रताप सिंह बाजवा ने इसे सरकार की घोर विफलता बताया, जबकि शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने अपराधियों के बढ़े मनोबल के लिए मुख्यमंत्री की अक्षमता को जिम्मेदार ठहराया।

जालंधर में बम की झूठी धमकी के बाद खाली कराए 11 स्कूल

जालंधर। जालंधर के कई स्कूलों में बम की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। प्रशासन ने छात्रों को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद सुरक्षा उपायों को लागू करने की कार्रवाई की। हालांकि जांच के बाद यह खबर अफवाह साबित हुई।

ईमेल के जरिए 11 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस की टीम ने शहर में जांच की।

● बम रोधी स्क्वाड के साथ की गई जांच

एक अभिभावक ने कहा, हमें बताया गया था कि बिजली संबंधी गड़बड़ी बताकर हमें अपने बच्चों को स्कूल से लेने के लिए कहा गया। एसीपी उत्तरी संजय कुमार ने कहा, स्कूल के प्रधानाचार्य के ईमेल पर धमकी मिली थी कि इमारत को बम से उड़ा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत स्कूल परिसर की तलाशी ली। विध्वंस रोधी दल ने भी परिसर की जांच की, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। एक छात्र ने बताया कि वह परीक्षा दे रहा था तभी एक शिक्षक ने कहा कि बिजली चली गई है और सभी छात्रों को मैदान में इकट्ठा होने का आदेश दिया।

पति और पत्नी के बीच लंबे समय तक अलगाव क्रूरता के समान

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अलग-अलग रह रहे पति-पत्नी की तलाक अर्जी को मंजूरी देते हुए कहा कि सुलह की कोई उम्मीद न होने पर दंपति का लंबे समय तक एक-दूसरे से अलग रहना दोनों पक्षों के प्रति क्रूरता के समान है। न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सुनवाई के दौरान इस तथ्य पर संज्ञान लिया कि चार अगस्त 2000 को हुई शादी के बाद दंपति ने दो साल बाद 2003 में मुकदमेबाजी शुरू कर दी और विचारों में मतभेद से 24 वर्षों से अलग रह रहे हैं।

पीठ ने कहा कि अदालतों की ओर से प्रयास किए जाने के बावजूद दोनों पक्षों में सुलह-समझौता नहीं हुआ। कई मामलों में इस अदालत के सामने ऐसी स्थितियां आई हैं, जहां पक्षकार काफी समय से अलग रह रहे हैं और यह लगातार माना गया कि सुलह की कोई उम्मीद के बिना लंबे समय तक अलग रहना दोनों पक्षों के लिए क्रूरता के बराबर है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह न्यायालय भी इस बात से सहमत है कि वैवाहिक विवाद से जुड़े मुकदमों का लंबे समय तक लंबित रहना विवाह को केवल कागजों तक सीमित कर देता है। ऐसे मामलों में जहां मुकदमा काफी समय से लंबित है, पक्षों के बीच संबंध तोड़ देना ही पक्षों और समाज के हित में है।

● शादी के दो साल बाद मुकदमा, 24 वर्षों से अलग रह रहे दंपती

पीएमएलए: पत्रकार को मिली अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अहमदाबाद में ईडी की ओर से दर्ज किए गए वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़े मामले में सोमवार को पत्रकार महेश लांगा को अंतरिम जमानत दे दी। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल मनुभाई पंचोली की पीठ ने विशेष अदालत को रोजाना सुनवाई करने का आदेश दिया और पत्रकार से कहा कि वह सुनवाई के दौरान कोई स्थगन का अनुरोध न करे।

वांगचुक की हिरासत के खिलाफ याचिका पर सुनवाई 7 तक स्थगित

सुप्रीम कोर्ट ने 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत सोनम वांगचुक को हिरासत में लेने के खिलाफ उनकी पत्नी गीतांजलि द्वारा दाखिल याचिका पर सोमवार को सुनवाई सात जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एनवी अंजारी की पीठ ने समय की कमी से मामले को स्थगित कर दिया। याचिका में दावा है कि हिरासत अवैध और मनमानी कार्रवाई है जो उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करती है।

ऑटिज्म से पीड़ितों के संरक्षण की याचिका पर केंद्र को नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें ऑटिज्म और अन्य बौद्धिक अक्षमताओं से पीड़ितों की देखभाल, पुनर्वास और संरक्षण के लिए व्यापक दिशानिर्देश तैयार करने के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञ समिति के गठन का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और आर महादेवन की पीठ ने केन्द्र के दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग को नोटिस जारी किए। न्यायालय एनजीओ हृदय सरस फाउंडेशन और अन्य की याचिका पर सुनवाई कर रहा था।

दिल्ली दंगे : पुलिस की गवाही पर अदालत ने जताया शक, दो बरी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2020 में राष्ट्रीय राजधानी में हुए दंगों से जुड़े एक मामले में लूट, तोड़फोड़ और आगजनी के आरोपी दो व्यक्तियों को सोमवार को बरी कर दिया। मोहम्मद फारूक और मोहम्मद शादाब नाम के इन आरोपियों पर 25 फरवरी 2020 को चांग बंग क्षेत्र में दंगा करने, गैरकानूनी रूप से भीड़ जुटाने और संपत्ति में तोड़फोड़ एवं आगजनी करने का आरोप लगाया गया था।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश परवीन सिंह ने नौ दिसंबर को पारित आदेश में कहा, मुझे अभियोजन पक्ष के गवाह संख्या चार (सहायक उपनिरीक्षक सुनील) की गवाही की विश्वसनीयता पर गंभीर संदेह है और केवल उनकी गवाही पर भरोसा करके आरोपियों को उन अपराधों के लिए दोषी ठहराना विवेकपूर्ण नहीं होगा, जिनके लिए उन पर आरोप लगाया गया है। उन्होंने कहा, दोनों आरोपियों को संदेह का लाभ दिया जाता है और उन सभी अपराधों से बरी किया जाता है।

ओडिशा : विधायकों के वेतन-भत्ते तीन गुना बढ़ाने पर विवाद

भुवनेश्वर, एजेंसी

ओडिशा के विधायकों के वेतन और भत्तों में तीन गुनी वृद्धि से राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है और भाजपा सरकार पर जनता के बजाय विधायकों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया जा रहा है। इस बीच विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने बढ़ा हुआ वेतन नहीं लेने की घोषणा की है। इसके बाद अब सभी की निगाहें राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति पर टिकी हैं, जिनकी मंजूरी पर विधानसभा में पारित विधेयकों का भविष्य टिका हुआ है।

● विधानसभा में पारित हुआ विधेयक निर्णय अब राज्यपाल के हाथों में

शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन नौ दिसंबर को विधानसभा में सर्वसम्मति से यह विधेयक पारित किया। हालांकि, माकपा के एक सदस्य सदन से अनुपस्थित रहे थे। माकपा ने विधायकों के वेतन-भत्ते में वृद्धि का विरोध भी किया है। नए प्रावधानों के तहत विधायक का कुल मासिक पैकेज पहले के 1.11 लाख रुपये था जिसे से बढ़ाकर 3.45 लाख रुपये कर दिया गया है। इसके खिलाफ जनाक्रोश के बीच बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक ने मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को पत्र लिखकर कहा है कि वह विधायक के रूप में मिलने वाले बढ़े हुए वेतन-भत्ते को स्वीकार नहीं करेंगे। हालांकि, कहा जा रहा है कि जब ओडिशा विधानसभा सदस्य वेतन, भत्ते और पेंशन (संशोधन) विधेयक, 2025 सदन में पारित किया गया था, तब बीजद ने इसका समर्थन किया था।

सोशल मीडिया पर विरोध: विधायक अब दो हफ्ते में उतना कमा लेगा जितना लोग साल भर में कमाते हैं

सरकार के इस कदम की सोशल मीडिया पर लोगों ने और विभिन्न संगठनों ने कड़ी आलोचना की और भाजपा सरकार पर जनता को नजरंदाज करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य की प्रति व्यक्ति वार्षिक आय 2024-25 में 1.83 लाख रुपये होने का अनुमान है। विधेयकों को मंजूरी मिल जाने के बाद मुख्यमंत्री को 3.74 लाख रुपये और उपमुख्यमंत्री को 3.68 लाख रुपये का वेतन-भत्ते मिलेंगे। सोशल मीडिया पर लोग विधायकों और उनके मतदाताओं के बीच आय के अंतर को उजागर करते हुए बता रहे हैं कि एक विधायक की वार्षिक आय अब लगभग 41.4 लाख रुपये हो जाएगी। बड़े स्तर पर शेयर की गई एक पोस्ट में कहा गया है, ओडिशा में एक विधायक अब औसत नागरिक से 22 गुना अधिक कमाता है। यानी वह केवल दो हफ्तों में उतना कमा लेते हैं, जितना एक औसत व्यक्ति पूरे साल में कमाता है।

अमृत विचार

मंगलवार, 16 दिसंबर 2025

शिक्षक वह नहीं, जो छात्र के दिमाग में तथ्यों को जबरन ठूंसे, बल्कि वास्तविक शिक्षक तो वह है, जो उसे आने वाले कल की चुनौतियों के लिए तैयार करे।

–डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, पूर्व राष्ट्रपति

संगठन की नवीन बागडोर

बिहार सरकार में लोक निर्माण विभाग के मंत्री नितिन नवीन को भाजपा का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाना राजनीतिक हलकों में निःसंदेह चौंकाने वाला रहा है। चौंकाने वाला इसलिए कि वे न तो लंबे समय से राष्ट्रीय राजनीति के चेहरे रहे हैं और न ही अब तक उन्हें पार्टी के शीर्ष संगठनात्मक ढांचे में सबसे आगे माना जाता था। फिर भी यह निर्णय अचानक नहीं, बल्कि भाजपा की सुविचारित संगठनात्मक और चुनावी रणनीति का हिस्सा प्रतीत होता है। इस चयन में संगठन और उसके पदाधिकारियों की भूमिका का तो पता नहीं, अंतिम मुहर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की ही रही।

भाजपा में परंपरागत रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष या कार्यकारी अध्यक्ष जैसे पदों पर नियुक्ति में संगठनात्मक चुनाव नहीं होते, राज्यों से आए संकेत और केंद्रीय नेतृत्व की राजनीतिक प्राथमिकताएं निर्णायक होती हैं। नितिन नवीन का चयन भी इसी बहुस्तरीय प्रक्रिया का परिणाम है, जिसमें नेतृत्व ने अपेक्षाकृत कम विवादित, अनुशासित और भरोसेमंद चेहरे को आगे बढ़ाना उचित समझा। नितिन नवीन को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने के पीछे भाजपा के मंसूबे स्पष्ट हैं। पहला, पार्टी 50 वर्ष से कम आयु के नेतृत्व को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहती है। दूसरा, संगठन और सरकार के बीच संतुलन बनाने वाले ऐसे नेताओं को उभारना चाहती है, जो न केवल सत्ता-केंद्रित हों और न ही सिर्फ संगठनात्मक गुटों में उलझे रहें। नितिन नवीन को उनके प्रशासनिक अनुभव, शांत स्वभाव और निर्णयों में अनुशासन के कारण अन्य दावेदारों पर तरजीह मिली। छत्तीसगढ़ और असम में सह प्रभारी के रूप में उनकी संगठनात्मक अनुभव की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। इन राज्यों में उन्होंने चुनावी रणनीति, बूथ प्रबंधन और संगठनात्मक समन्वय में सक्रिय भूमिका निभाई। यही अनुभव उन्हें राष्ट्रीय संगठन में बड़ी जिम्मेदारी देने के पक्ष में जाता है, हालांकि दक्षिण भारत में भाजपा का प्रभाव बढ़ाने की चुनौती के बीच उत्तर भारत से कार्यकारी अध्यक्ष का चयन भी चर्चा का विषय है। भाजपा की रणनीति संकेत देती है कि पार्टी क्षेत्रीय संतुलन को केवल पदों के माध्यम से नहीं, जिम्मेदारियों और मिशन आधारित कार्य-विभाजन से साधना चाहती है। नितिन नवीन को दक्षिण में संगठनात्मक विस्तार से जुड़ी जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं।

राष्ट्रीय दलों में नेतृत्व परिवर्तन का प्रभाव व्यापक राजनीतिक विमर्श और विपक्षी रणनीतियों पर भी पड़ता है। विपक्ष इस नियुक्ति को भाजपा की सामाजिक और क्षेत्रीय राजनीति के नए संकेत के रूप में देख रहा है। नितिन नवीन का सवर्ण कायस्थ समुदाय से होना भी राजनीतिक रूप से अर्थपूर्ण है। आगामी पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नितिन नवीन के लिए पहली बड़ी परीक्षा होंगे। यदि वे संगठनात्मक समन्वय, चुनावी प्रबंधन और आंतरिक संवाद को प्रभावी ढंग से साध पाए, तो उनसे लंबी पारी की उम्मीद की जा सकती है। बड़ी चुनौती यह होगी कि वे पार्टी के चाल, चरित्र और चेहरे में अपेक्षित ऊर्जा और आधुनिकता ला पाते हैं या नहीं। फिलहाल उनका चयन भाजपा की उस रणनीति को रेखांकित करता है, जिसमें भविष्य की राजनीति के लिए अपेक्षाकृत युवा, संतुलित और भरोसेमंद नेतृत्व को तैयार किया जा रहा है।

प्रसंगवश

यूनेस्को विरासत में भारत का सांस्कृतिक आलोक

प्रकाश पर्व दीपावली को यूनेस्को द्वारा मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया जाना, भारतीय सभ्यता की दीर्घजीवी सांस्कृतिक चेतना का वैश्विक स्वीकार है। इसकी जड़ें हजारों वर्षों के सामाजिक विकास, आध्यात्मिक साधना और लोक परंपराओं की निरंतरता में निहित हैं। 8 से 13 दिसंबर 2025 तक लाल किले में आयोजित यूनेस्को की 20वीं अंतर-सरकारी समिति के सत्र के दौरान जब यह घोषणा दुनिया के सामने आई, तो वह क्षण भारतीय संस्कृति के प्रभाव और प्रतिष्ठा का प्रतीक बनकर उभरा।

यूनेस्को की सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल होने के साथ ही दीपावली ने विश्व के सांस्कृतिक मानचित्र पर अपना स्थायी और गरिमामय स्थान प्राप्त कर लिया है। जिस राष्ट्र की मिट्टी ने ज्ञान,

योगेश कुमार गोयल

वरिष्ठ पत्रकार

तप, कला और धर्म के अनगिन रूपों को जन्म दिया, उसी भूमि के हृदय स्थल में उसकी सबसे लोकप्रिय सांस्कृतिक परंपराओं में से एक को वैश्विक विरासत का दर्जा मिलना एक ऐतिहासिक अध्याय बन गया। यह मान्यता भारत की 16 सांस्कृतिक विरासतों की श्रृंखला में एक नया उज्ज्वल जोड़ है।

कुंभ मेला, दुर्गा पूजा, गरबा, योग, वेदपाठ, रामलीला, छऊ, ठठेरा कारीगरी, संकीर्तन और नवरोज की परंपरा के बाद अब दीपावली भी इस वैश्विक धरोहर का हिस्सा है। यह सूची बताती है कि भारत की संस्कृति केवल संरक्षित इतिहास नहीं और अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि जीवंत वर्तमान और भविष्य का सांस्कृतिक निवेश है। दीपावली का यह वैश्विक सम्मान ऐसे समय में प्राप्त हुआ है, जब दुनिया निरंतर विभाजनों, संघर्षों और सांस्कृतिक अस्थिरताओं से जूझ रही है। ऐसे दौर में अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक यह पर्व मानवता के साझा मूल्यों की याद दिलाता है।

दीपावली को यूनेस्को सूची में शामिल किया जाना इस बात की स्वीकृति है कि दीयों की यह परंपरा केवल भारत की सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि मानवीय भावनाओं, सामाजिक एकजुटता और आध्यात्मिक आकांक्षा का वैश्विक प्रतीक बन चुकी है। भारत द्वारा प्रस्तुत नामांकन दस्तावेज की विशेषता इसकी व्यापकता और समावेशिता में निहित रही। आदिवासी समुदायों से लेकर शहरी कलाकारों तक, किसान समूहों से लेकर प्रवासी भारतीयों तक, कुम्हारों, रंगोली कलाकारों, मिठाई बनाने वालों और विभिन्न धार्मिक समुदायों के अनुभवों और प्रमाणों को इसमें शामिल किया गया।

दीपावली को समझना केवल दीयों के प्रकाश या पूजा-विधि तक सीमित नहीं है। यह त्योहार कृषि चक्र, ऋतु परिवर्तन, आर्थिक गतिविधियों, सामाजिक व्यवहार और धार्मिक मान्यताओं का समन्वित प्रतिबिंब है। भारत के विभिन्न हिस्सों में इस पर्व के स्वरूप में बदलाव इसकी संस्कृतियों की विविधता को दर्शाते हैं। उत्तर में राम की अयोध्या वापसी का स्मरण, गुजरात में व्यापार वर्ष की शुरुआत, दक्षिण में नरक चतुर्दशी और महाराष्ट्र में बालि प्रतिपदा। यही विविधता दीपावली को एक जीवंत अमूर्त विरासत बनाती है, जिसमें लोक परंपराएं, मिथक, आस्था और सामाजिक व्यवहार लगातार परिवर्तित होते हुए भी अपनी मूल पहचान बनाए रखते हैं।

यूनेस्को की सूची में शामिल होना किसी भी सांस्कृतिक तत्व के लिए केवल गौरव का विषय नहीं बल्कि एक उत्तरदायित्व भी है। दीपावली जैसे विशाल सांस्कृतिक-सामाजिक प्रभाव वाले पर्व के संदर्भ में यह उत्तरदायित्व और अधिक गहरा है। दीपावली केवल धार्मिक व्यवहार नहीं, बल्कि भारत की लोक अर्थव्यवस्था का अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है।

टूटती शादियां आखिर इस दर्द की दवा क्या है!

अनिल त्रिगुणायत

लखनऊ

डिजिटल युग में सेवा क्षेत्र के बढ़ते दायरे ने हमारे समाज को भी पूर्णतया परिवर्तित कर दिया है। धन संग्रह कर जीवन स्तर को ऊंचा करने की महत्वाकांक्षा ने रिश्तों की सीमाएं तय कर दी हैं। धन कमाने की लालसा व बिंदास जीवन जीने की जिज्ञासा ने संबंधों को बेमानी कर दिया है। बिना रोक-टोक के जीने की चाह ने सामाजिक मर्यादाओं की जद निर्धारित कर दी है। ऐसी जद, जिसमें समाज द्वारा निर्मित व्यवस्थाएं क्षीण होती जा रही हैं। एक ऐसा ही रिश्ता है विवाह का, बेहतर दांपत्य जीवन का। तेजी से गतिमान अर्थ प्रधान समाज व सोशल मीडिया ने आधुनिक वैवाहिक रिश्तों में भी अपनी अहम भूमिका सुनिश्चित कर दी है।

शादी को सात जन्मों की मान्यता देने वाले देश में तलाक और एलिमनी का चलन सुरसा की मुंह की भांति बढ़ चला है। अंदाजा इसी से लगा लें कि कुछ दशक पहले तक जिस देश में नाममात्र के फैमिली कोर्ट थे, आज करीब एक हजार हो गए हैं। देश के बड़े शहरों में, जहां कभी एक या दो फैमिली कोर्ट होते थे, वहां आज आठ से दस हो गए हैं। मुंबई में तो 17 फैमिली कोर्ट खोलने का आधिकारिक आदेश हो गया है। टूटती शादियों का आलम यह कि पारिवारिक न्यायालयों में मेले जैसा दृश्य दिखता है। अचरज की बात यह कि धूमधाम व आपसी सहमति से हो रही शादियां आज चट ब्याह-पट अलगाव का शिकार हो रही हैं।

> बिना रोक-टोक के जीने की चाह ने सामाजिक मर्यादाओं की जद निर्धारित कर दी है। ऐसी जद, जिसमें समाज द्वारा निर्मित व्यवस्थाएं क्षीण होती जा रही हैं।

शादियों के टूटने का दुष्प्रभाव केवल नवदंपति पर ही नहीं पड़ता, वरन परिवार और समाज पर भी दिखने लगा है। वर्तमान समय में अधिकांश शादियां लव-कम-अरेंज ही हो रही हैं। इसमें लड़का-लड़की व परिवार की पूर्ण सहमति भी होती है, लेकिन लाख टके का सवाल यह कि विवाह को प्रमुख संस्कार मानने वाले देश में बढ़ते अलगाव (तलाक) का मूल कारक क्या? ऐसा क्या हो रहा कि आज के अधिकांश जोड़े कुछ दिन दांपत्य जीवन बिताने के बाद अलग होने का निर्णय लेने लगे हैं? भारत में यह स्थिति केवल शहरों में ही नहीं है, बल्कि गांवों में भी खूब दिखने लगी है।

आज भारत में तलाक की दर कुल जनसंख्या का करीब एक प्रतिशत है, लेकिन जिस देश में संस्कारों, सद्भावों, संस्कृतियों व परंपराओं को उच्च श्रेणी में रखा जाता हो, जो देश अपने आदर्शों व मूल्यों के लिए विश्व विख्यात हो, वहां तलाक के बढ़ते मामले किसी त्रासदी से कम नहीं हैं। टूटती शादियां समाज के विघटन का सबसे बड़ा कारण बन सकती हैं। यह भारत की सामाजिक संरचना के लिए अशुभ संकेत भी है। मजबूत वैवाहिक संबंध के लिए प्रेम, विश्वास, सामंजस्य, सम्मान, सहयोग, सकारात्मक संवाद और एक-दूसरे की बेहतर समझ दवा के मानिंद होती है। काम और निजी जीवन में संतुलन बनाकर खुशहाल जीवन जिया जा सकता है। कई लोग ऐसे जीवन का आनंद भी ले रहे हैं। आपसी प्रेम को मजबूत व स्वार्थ की भावना का त्याग कर अपने जीवन की बगिया महकाने वाले दंपति और परिवार भी भारत में खूब हैं। विवाह दो व्यक्तियों का साथ नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक व भावनात्मक यात्रा भी है, जिसमें पति-पत्नी एक-दूसरे के सहयोगी बनकर जीवन की बगिया महकाते हैं, लेकिन वर्तमान में कुछ ऐसे कारक भी हैं, जिसने वैवाहिक जीवन को जहरीला बना रखा है।

पति-पत्नी के मध्य सकारात्मक संवाद का न होना और एक-दूसरे की भावनाओं को न समझना बड़ा कारण बनता जा रहा है। आज नव दंपति टीवी सीरियल और सोशल मीडिया से काफी प्रभावित हैं। वे शादी को लेकर दिवास्वप्न पाल रखे हैं। ये अपनी व्यक्तिगत आवश्यकताओं को इस कदर बढ़ा चुके हैं, जिसकी भरपाई हो ही नहीं पाती। विवाहोपरांत मायके और ससुराल वालों का उनके जीवन में बढ़ता दखल भी आग में घी डालने की भांति ही है। आज के जोड़ों में शक और अविश्वास की भावना प्रबल दिखने लगी है। धन से जुड़े मामलों में रोजाना की किचकिच, सोशल मीडिया के रील्स को देखकर सेलिब्रेटी मानिंद जीवन शैली अपनाने की चाह, नव दंपति के पुराने रिश्तों का सामने आ जाना, काम के दबाव व व्यस्त जीवन शैली के कारण एक-दूसरे को समय न दे पाना, अलग-अलग मूल्य और भांति-भांति के अपूर्णीय लक्ष्य भी टूटती शादियों के प्रमुख कारकों में से एक हैं।

टूटती शादियों का फैशन भारत के शहरों के अलावा गांवों में भी तेजी से पांव पसारने लगा है। सोशल मीडिया और फिल्मों ने वहां के नव दंपतियों को भी प्रभावित कर रखा है। वहां के समाज को भी तलाक के जिन्न ने अपनी आगोश में लेना शुरू कर दिया है। पिछली जनगणना (वर्ष 2011) के आंकड़ों को देखें तो भारत में करीब 19 लाख लोग तलाकशुदा थे। करीब 40 लाख पुरुष अपनी पत्नी से अलग रह रहे थे। उक्त जनगणना के आंकड़ों के सापेक्ष आज की बात करें तो तलाकशुदा लोगों की संख्या करीब एक करोड़ तक पहुंच गई है।

कानून मंत्रालय के एक आंकड़े के अनुसार वर्ष 2025 के मध्य तक तलाक के करीब 24 लाख मामले पेंडिंग हैं। देश में टूटती शादियों के संदर्भ में सामाजिक आधिकारिता मंत्रालय का आंकड़ा चौंकाने वाला है। मंत्रालय का कहना है कि देश के पारिवारिक न्यायालयों में तलाक के औसतन 6265 मामले रोजाना निस्तारित किए जा रहे हैं। इनमें सर्वाधिक वे हैं, जिनकी शादी को मात्र दो से चार साल ही हुए हैं। भारत में टूटती शादियां समाज के लिए गंभीर समस्या और अभिशाप हैं। इससे पारिवारिक ढांचा तो कमजोर हो ही रहा। सामाजिक विघटन का बड़ा कारण बनते दिख रहा है। खुशहाल जीवन उत्तम सामाजिक संरचना के लिए नव दंपतियों को आगे आना ही होगा। समाज के अलंबरदारों को ठोस और फलदायी कदम उठाना होगा।

आमने

प्रदेश की आबादी 25 करोड़ है। इस हिसाब से 65% लोगों के नाम वोटर लिस्ट में होने चाहिए, जो करीब 16 करोड़ होता है। एसआईआर के बाद 12 करोड़ नाम आए हैं। यह चार करोड़ का गैप मिसिंग है। यह विरोधी नहीं, आपके अपने मतदाता हैं। सभी को बूथ लेवल पर सतर्क रहना होगा। –**योगी आदित्यनाथ**, सीएम, यूपी

सामने

मुख्यमंत्री जी खुद कह रहे हैं कि जो चार करोड़ मतदाता एसआईआर के दौरान वोटर लिस्ट में शामिल नहीं किए गए हैं, उनमें से 85-90% भाजपा के वोटर हैं। वोटर लिस्ट में साक्ष्यों के अभाव में हटाए गए 85-90% वोटर भाजपा के निकले, मतलब सारी गड़बड़ी भाजपा के वोटर कर रहे थे। –**अखिलेश यादव**, अध्यक्ष, सपा

50 से अधिक देशों से एफटीए पर बात

अमित नारायण

लेखक

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को हथियार की तरह इस्तेमाल किया है। वे टैरिफ के माध्यम से भारत, चीन समेत दुनिया के कई बड़े देशों को झुकाना चाहते हैं। जापान समेत कई देश टैरिफ के डर से झुके भी, लेकिन भारत ने न झुकने का फैसला किया, तो उसे ब्राजील और चीन का भी समर्थन मिला। परिणाम यह रहा कि अब डोनाल्ड ट्रंप खुद ही झुकने की स्थिति में खड़े हैं। उन्होंने इसके संकेत भी दे दिए हैं। भारत ने ट्रंप के टैरिफ की काट खोज ली है। सब कुछ सही रहा, तो अमेरिका टैरिफ को हथियार के रूप में कभी प्रयोग नहीं कर पाएगा, क्योंकि भारत लगातार कई देशों और समूहों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट कर रहा है। अब प्रधानमंत्री ओमान के दौरे पर जा रहे हैं, जहां दोनों देशों के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

भारत वर्तमान समय में 50 देशों के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर के लिए बातचीत कर रहा है। इन्हीं देशों में से एक ओमान से बातचीत का दौर पूरा हो चुका है। अब समझौता इसी माह हो जाएगा। ओमान से भारत कच्चा तेल, एलपीजी आदि की खरीद करता है, जबकि खाद्य सामग्री, मशीनरी, पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात वहां किया जाता है। इस एग्रीमेंट होने के बाद ओमान के बाजार में भारतीय सामान कपड़ा, जेम्स, ज्वेलरी, मशीनरी आदि की पहुंच आसान हो जाएगी। ये उत्पाद बिना किसी टैक्स के बिक सकेंगे। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 12 अरब डॉलर का है। अब इसे बढ़ाने की तैयारी है।

इसके साथ ही दोनों देशों के बीच कंप्रेहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट पर भी दस्तखत हो सकता है। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार के साथ ही निवेश भी बढ़ेगा। भारतीय कंपनियों के लिए ओमान में निवेश के अवसर खुलेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री जार्डन और इथोपिया भी जाएंगे, जहां व्यापार समेत कई मुद्दों पर बात होनी है। भारत इस वक्त ट्रंप के टैरिफ की काट निकालने में जुटा हुआ है, इसलिए गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल, यूरोपियन यूनियन, दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संगठन, यूरेशियन यूनियन से एफटीए को लेकर बात कर रहा है। 27 देशों के समूह यूरोपियन यूनियन ने भारत से एफटीए को लेकर गहरी रुचि दिखाई है।

इस समूह में शामिल देश चाहते हैं कि भारत से एफटीए पर हस्ताक्षर हो, ताकि कारोबार आसान हो सके। गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल ने तो भारत के प्रस्ताव पर गहरी रुचि दिखाई है। इस काउंसिल में सऊदी अरब, यूएई, कतर, कुवैत, ओमान और बहरीन शामिल हैं। ओमान से एफटीए होने जा रहा है, जबकि अन्य समूह में शामिल अन्य देश भी इसके लिए तैयार दिख रहे हैं। भारत और यूएई के बीच पहले से एक व्यापार समझौता है। 10 देशों वाले दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन आशियन से भी भारत की बातचीत चल रही है। इस समूह में ब्रूनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं।

इन देशों से भारत का कारोबार तो हो रहा है, लेकिन एफटीए होने के बाद इन देशों के बाजारों में हमारे उत्पादों की पहुंच और आसान हो जाएगी। भारत सरकार की नजर पांच सदस्यों वाले साउथ अफ्रीकन कस्टम्स यूनियन और मर्कोसुर ग्रुप पर भी है। ये समूह भी भारत से एफटीए को लेकर बातचीत करने को तैयार हैं। इसके संकेत भी उन्होंने दिए हैं। साउथ अफ्रीकन कस्टम्स यूनियन में दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया, बोत्सवाना, लेसोथो और इस्वातिनी शामिल हैं, तो मर्कोसुर ग्रुप जो लैटिन अमेरिका में एक ट्रेडिंग ब्लॉक है, इसमें ब्राजील, अर्जेंटीना, उरुग्वे और पैराग्वे शामिल हैं। ये देश चाहते हैं कि भारत से कारोबार सुगम हो व उनके बाजार में भारतीय उत्पादों की पहुंच आसान हो। इन समूहों से भारत का एफटीए होने का मतलब है कि अमेरिका के टैरिफ रूपी हथियार की धार कुंद हो जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया में भारत की शाख हर क्षेत्र में तेजी से बढ़ी है। ऐसे में माना जा रहा है कि आने वाले साल में इन समूहों से आसानी से एफटीए पर हस्ताक्षर हो जाएगा। इसके बाद न सिर्फ मेक इन इंडिया मुहिम को गति मिलेगी, बल्कि भारतीय उत्पाद चीन जैसे देशों के उत्पादों की कीमतों से मुकाबला कर सकेंगे। भारत में रोजगार के अवसर तो खुलेंगे ही, संबंधित देशों में भारतीय कंपनियों को निवेश का अवसर भी ज्यादा मिलेगा। भारत की कोशिश ज्यादा से ज्यादा देशों से एफटीए पर हस्ताक्षर करने की तो है ही उन देशों और भारतीय मुद्रा में कारोबार करने की भी है।

> भारत की कोशिश ज्यादा से ज्यादा देशों से एफटीए पर हस्ताक्षर कराने की तो है ही, उन देशों और भारतीय मुद्रा में कारोबार करने की भी है।

भारत दौरे पर आए रूसी राष्ट्रपति ने तो भारतीय मुद्रा और रूसी मुद्रा में कारोबार जल्द ही शुरू करने के संकेत भी दे दिए हैं। उनका यह कदम अमेरिका के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ट ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए 50 फीसद टैरिफ के बाद आर्थिक विशेषज्ञों को यह लगा था कि भारतीय उद्योग चौपट होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। भारत सरकार ने कुछ देशों के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर किया और चीन से भी अपने कारोबार को बढ़ाया। अफगानिस्ता से कारोबार में तेजी आई। वैसे अमेरिका से ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत अंतिम दौर में है। उम्मीद है कि अमेरिका जल्द ही अपनी जिद छोड़कर भारतीय हितों को ध्यान में रखते हुए करार कर लेगा।

सोशल फोरम

बेटी के लिए मां 36 बरस तक बनी रही 'पिता'

मां ने खुद को पिता बना लिया। बेटी की सुरक्षा के लिए 36 साल तक पुरुष की तरह जीती रही तमिलनाडु की महिला। एक ऐसी इंसानी कहानी जो दिल छू ले। हिम्मत, त्याग और मां के प्रेम की

एलसी सुथार

ब्लॉगर

सबसे अनोखी मिसाल। तमिलनाडु के थूतुकुडी जिले में रहने वाली पेसियम्मल की जिंदगी किसी फिल्म की कहानी से कम नहीं है। शादी के सिर्फ 15 दिन बाद ही उनके पति की मौत हो गई। उसी समय वे गर्भवती थीं और जिंदगी मानो अचानक खाली हो गई। एक युवा, अकेली और समाज की कठोर परिस्थितियों में घिरी महिला के सामने अपनी आने वाली बच्ची को सुरक्षित रखने की सबसे बड़ी चुनौती थी।

इसी मजबूरी ने उन्हें एक ऐसा फैसला लेने पर मजबूर किया, जिसे सुनकर कोई भी दंग रह जाए। उन्होंने अपना रूप, नाम और पहचान सब बदल दिया। पेसियम्मल मुथु बन गईं- एक पुरुष। उन्होंने पुरुषों के कपड़े पहनना शुरू किया। बाल छोटे रखे और दुनिया के सामने खुद को एक पुरुष के रूप में पेश किया। वजह सिर्फ एक, अपनी बेटी को एक सुरक्षित माहौल देना, जहां किसी की नज़र में वह अकेली और कमजोर न लगे।

मुथु के नाम और पहचान के साथ वे हर तरह के काम करती रहीं। होटल में काम, चाय की दुकान, मज़दूरी, निर्माण कार्य, जो भी मिला, किया। धीरे-धीरे सरकारी दस्तावेज़ भी इसी नई पहचान में बनते गए। आधार कार्ड, वोटर आईडी, राशन कार्ड- सबमें उनकी पहचान मुथु नाम के पुरुष की हो गई। इन 36 वर्षों में उनकी बेटी बड़ी हुई, पढ़ी-लिखी, सुरक्षित माहौल में पली-बढ़ी और आज अपनी जिंदगी में खुश है, शादीशुदा है, लेकिन पेसियम्मल ने जो रूप अपनाया था, वह आज भी उसी तरह कायम है।

अब जब बेटी सुरक्षित है, लोग पूछते हैं, क्या वे अब अपनी असली पहचान में लौटेंगी? उनका जवाब बेहद भावुक कर देने वाला होता है, "मैंने यह रूप अपनी बेटी के लिए लिया था और इसी रूप ने हमें सुरक्षित रखा। अब यह मेरी जिंदगी का हिस्सा बन चुका है।"

यह कहानी सिर्फ एक महिला की मजबूरी नहीं, बल्कि एक मां के अद्भुत साहस और उस समाज की सच्चाई भी है, जहां एक महिला को सुरक्षित रहने के लिए अपनी पहचान तक बदलनी पड़ती है

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

आस्ट्रेलिया में हुआ आतंकी हमला और वैश्विक चिंता

ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स राज्य के सिडनी में बोंडी बीच पर हमलावरों द्वारा अंधाधुंध गोलीबारी की घटना में इजरायली नागरिक समेत 16 लोगों की मौत हो गई है, वहीं 29 लोग घायल बताए जा रहे हैं। आस्ट्रेलिया पुलिस ने इसे आतंकी हमला करार दिया है। हनुक्का त्योहार मना रहे यहूदियों पर यह आतंकी हमला हुआ है। पुलिस गोलीबारी में एक हमलावर भी मारा गया है तथा दूसरा घायल बताया जा रहा है, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। आस्ट्रेलिया भी कहीं न कहीं अन्य कई देशों की तरह आतंकवाद का शिकार है।

आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कैनबरा में पत्रकारों से कहा कि वह इस नरसंहार से बेहद दुखी हैं। उन्होंने कहा, "यह

सुनील कुमार महला

स्वतंत्र पत्रकार

हनुक्का के पहले दिन यहूदी आस्ट्रेलियाई लोगों को निशाना बनाकर किया गया हमला है। यह यहूदी-विरोधी और आतंकी कृत्य है, जिसने आस्ट्रेलिया के दिल पर हमला किया है।" प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमले की निंदा करते हुए प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। साथ ही यह बात भी कही कि भारत आतंकवाद के प्रति 'शून्य सहिष्णुता' रखता है और इसके सभी रूपों व अभिव्यक्तियों के विरुद्ध लड़ाई का समर्थन करता है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि यह गोलीबारी सुनियोजित हत्या है। मैंने आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री को चेतावनी दी थी कि उनके देश की नीतियां यहूदी-विरोध को बढ़ावा देती हैं। यहूदी-विरोधी भावना तब फैलती है जब नेता चुप रहते हैं। आपको कमजोरी दिखाने की जगह कार्रवाई करनी होगी।

ऑस्ट्रेलिया की लगभग 2.8 करोड़ आबादी में करीब 1.17 लाख यहूदी रहते हैं। सात अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा इज़रायल पर किए गए हमले के बाद ऑस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। सरकार की विशेष दूत जिलियन सेगल के अनुसार, इन घटनाओं की संख्या तीन गुना से भी ज्यादा हो गई है, जिनमें हमले, तोड़फोड़, धमकियां और लोगों को डराने की घटनाएं शामिल हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि पिछली गर्मियों में सिडनी और मेलबर्न जैसे बड़े शहरों में हुए यहूदी विरोधी हमलों ने पूरे देश को झकझोर दिया था। खास बात यह है कि ऑस्ट्रेलिया की लगभग 85 प्रतिशत यहूदी आबादी इन्हीं शहरों में रहती है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने अगस्त में ऐसे दो हमलों के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया था और उसके साथ राजनयिक संबंध भी तोड़ दिए थे।

ऑस्ट्रेलिया में बड़े पैमाने पर गोलीबारी की घटनाएं आम नहीं हैं। 1996 में तस्मानिया के पोर्ट आर्थर में हुई भयावह गोलीबारी के बाद, जिसमें 35 लोग मारे गए थे, सरकार ने हथियार कानूनों (गन लॉ) को बेहद सख्त बना दिया था। इसके बाद आम लोगों के लिए बंदूक हासिल करना बहुत कठिन हो गया। इस सदी में गोलीबारी की गिनी-चुनी बड़ी घटनाओं में 2014 और 2018 के कुछ हत्या-आत्महत्या के मामले और 2022 में क्वींसलैंड में हुई एक गोलीबारी शामिल हैं। कुल मिलाकर, देश में हिंसा की घटनाएं कम हैं, लेकिन हाल के वर्षों में यहूदी विरोधी हमलों ने गंभीर चिंता पैदा की है।

आतंकवाद के मूल कारणों को समझकर उन्हें खत्म करने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। आतंकवादियों और आतंकवाद से निपटने के लिए केवल सैन्य कार्रवाई ही पर्याप्त नहीं है। शिक्षा, रोजगार, सामाजिक न्याय, वैचारिक जागरूकता और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बेहद जरूरी हैं। जब तक आतंकवाद के मूल कारणों-जैसे कि गरीबी, कट्टरपंथ, भेदभाव और गलत प्रचार आदि पर प्रभावी ढंग से प्रहार नहीं किया जाएगा, तब तक इसका स्थायी समाधान संभव नहीं है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***

0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

मंदिर का इतिहास

वाराणसी के इस दुर्गा मंदिर का इतिहास युगों पुराना है। मंदिर का निर्माण काशी नरेश राजा सुबाहू के द्वारा कराया गया। मंदिर और इस स्थित कुंड के निर्माण के पीछे का कारण एक युद्ध था। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सहस्त्राब्दियों के पहले राजा सुबाहू ने अपनी पुत्री के विवाह के लिए स्वयंवर का आयोजन किया, लेकिन राजकुमारी ने स्वयंवर के पहले स्वप्न में अपना विवाह अयोध्या के राजकुमार सुदर्शन से होता हुआ देखा। राजकुमारी ने यह बात अपने पिता से बताई तो उन्होंने इसकी चर्चा स्वयंवर में आ चुके राजाओं से की। राजाओं ने इसे अपना अपमान समझा और सुदर्शन के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी। प्रयागराज में भारद्वाज ऋषि के आश्रम में रहकर शिक्षा ग्रहण करने वाले राजकुमार सुदर्शन ने राजाओं की चुनौती स्वीकार कर मां दुर्गा से विजय का आशीर्वाद मांगा। युद्ध भूमि में जब सुदर्शन युद्ध के लिए पहुंचा, तो खुद आदि शक्ति ने वहां पहुंचकर विरोधियों का वध कर डाला। इस भीषणतम युद्ध के कारण रक्त से एक कुंड निर्मित हो गया। यही कुंड दुर्गा कुंड कहलाया। मां दुर्गा ने खुद राजकुमारी का विवाह, सुदर्शन के साथ करने का आदेश दिया। इसके बाद राजा सुबाहू ने इस स्थान पर मां दुर्गा के दिव्य मंदिर का निर्माण कराया। कहा जाता है कि शुंभ और निशुंभ का वध करने के बाद भी मां दुर्गा ने इसी स्थान पर विश्राम किया था।

आदिशक्ति का धाम
काशी का दुर्गा कुंड मंदिर

आचार्य टेकनारायण उपाध्याय
वरिष्ठ अर्चक श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी

आदिकाल में काशी में केवल तीन ही मंदिर थे, पहला काशी विश्वनाथ, दूसरा मां अन्नपूर्णा और तीसरा दुर्गा मंदिर। इसी में दुर्गा मंदिर वाराणसी मां दुर्गा की स्तुति के लिए महत्वपूर्ण स्थान है। मान्यता है कि असुर शुंभ और निशुंभ का वध करने के बाद मां दुर्गा ने यहां विश्राम किया था। कहा जाता है कि माता यहां पर आदि शक्ति स्वरूप में विराजमान करती हैं और यह मंदिर आदिकाल से है। कुछ लोग यहां तंत्र पूजा भी करते हैं। यहां पर स्थित हवन कुंड में हर रोज हवन किया जाता है। स्वामी विवेकानंद जी जब भी वाराणसी आते थे, तो इस मंदिर में अवश्य पधारते थे।

पौराणिक मान्यताएं

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार जहां भी मां दुर्गा प्रकट होती हैं, वहां पर उनके प्रतीकों की उपासना की जाती है। यह स्थान भी उनमें से एक है। यहां मां दुर्गा के मुखौटे और चरण पादुका की प्राण-प्रतिष्ठा की गई है। वाराणसी का यह दुर्गा कुंड मंदिर बीसा यंत्र पर आधारित है। बीसा यंत्र का मतलब है 20 कोण वाली एक तांत्रिक संरचना, जिस पर इस दुर्गा मंदिर की नींव रखी गई है। इस मंदिर को तंत्र साधन के लिए भी जाना जाता है। नवरात्रि में चौथे दिन माता कुष्मांडा की पूजा की जाती है और इस दिन मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया जाता है।

मंदिर की संरचना

वाराणसी के इस दुर्गा कुंड मंदिर का निर्माण प्रसिद्ध नागर शैली में हुआ है। लाल पत्थर से बने इस मंदिर की बनावट इतनी सुंदर है कि यहां दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु मंदिर देखकर ही मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। वैसे तो इस मंदिर का इतिहास युगों पुराना है, लेकिन वर्तमान दृश्य मंदिर की स्थापना सन् 1760 में बंगाल की रानी भवानी द्वारा की गई। उस समय मंदिर के निर्माण में 50000 रुपये से अधिक की लागत आई थी। मंदिर का वर्णन काशी खंड में भी मिलता है। मंदिर में मां दुर्गा के अलावा बाबा भैरोनाथ, महालक्ष्मी, महासरस्वती और महाकाली की मूर्तियां भी स्थापित हैं। मंदिर में मां दुर्गा के अनन्य भक्त एवं मंदिर के पुजारी को भी समर्पित स्थान प्राप्त है। मान्यताओं के अनुसार प्राचीन समय में मंदिर के पुजारी को मां दुर्गा का वरदान प्राप्त हुआ, तब से ही मंदिर में मां दुर्गा के साथ उस पुजारी के दर्शन भी किए जाते हैं। मंदिर परिसर में ही एक हवन कुंड भी है, जहां प्रतिदिन मां दुर्गा के लिए हवन किया जाता है।

बीसा यंत्र पर स्थित है मंदिर

पौराणिक मान्यता के अनुसार, जहां माता स्वयं प्रकट होती हैं, वहां मूर्ति स्थापित नहीं की जाती। ऐसे मंदिरों में केवल चिह्न की पूजा की जाती है। दुर्गा मंदिर भी उन्हीं श्रेणियों में आता है। यहां माता के मुखौटे और चरण पादुका की पूजा की जाती है। काशी का दुर्गा मंदिर बीसा यंत्र पर आधारित है। बीसा यंत्र का मतलब बीस कोण की यांत्रिक संरचना, जिसके ऊपर मंदिर की आधारशीला रखी गई है।

पौराणिक कथा

चौसर का षड्यंत्र: पांडवों पर दुर्योधन की चाल

एक दिन युधिष्ठिर ने अपने भाइयों से कहा कि वह युद्ध की संभावना को खत्म करने के लिए तेरह वर्षों तक किसी भी भाई या बंधु को बुरा-भला नहीं कहेंगे। उन्होंने यह भी संकल्प लिया कि वे हमेशा अपने भाइयों और बंधुओं की इच्छा के अनुसार कार्य करेंगे और ऐसा कुछ नहीं करेंगे, जिससे आपसी मनमुटाव पैदा हो। युधिष्ठिर की यह बातें उनके भाइयों को भी सही लगीं और उन्होंने तय किया कि वे झगड़े और फसाद का कारण नहीं बनेंगे। वहीं दूसरी ओर, राजसूय यज्ञ की भव्यता और पांडवों की यश-समृद्धि दुर्योधन के मन में ईर्ष्या और जलन पैदा कर रही थी। वह देख रहा था कि पांडवों के मित्र देश-राजा हैं और उनकी शक्ति और सम्मान लगातार बढ़ रहा है।

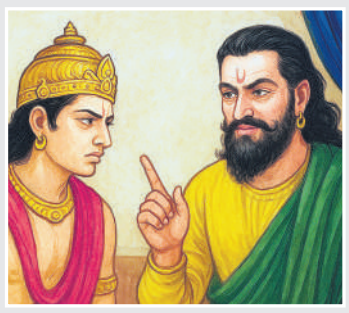

एक दिन दुर्योधन इसी चिंता और उदासी में अपने महल के एक कोने में खड़ा था कि उसका मामा शकुनि वहां आ गए। शकुनि ने पूछा कि वह इतना दुखी और चिंतित क्यों है? दुर्योधन ने उत्तर दिया कि पांडवों की संपन्नता देखकर उसका मन उदास है और जीवन का उत्साह कम हो गया है। शकुनि ने उसे सांत्वना दी और कहा कि पांडव उसके भाई ही हैं और उनके सौभाग्य पर जलन करना उचित नहीं है। उन्होंने समझाया कि पांडव केवल वही प्राप्त कर रहे हैं, जो उनका वैधानिक अधिकार है। साथ ही, दुर्योधन के पास भी द्रोणाचार्य, अश्वत्थामा, कर्ण और अन्य वीर साथी हैं, जो उसका समर्थन कर सकते हैं। शकुनि ने दुर्योधन को सुझाव दिया कि पांडवों पर विजय पाने के लिए युद्ध के बजाय चतुराई अपनाई जाए।

शकुनि ने दुर्योधन को युधिष्ठिर का कमजोर पक्ष बताया-चौसर का खेल। युधिष्ठिर को यह खेल पसंद था, लेकिन वह इसे अच्छी तरह नहीं खेल पाते थे। शकुनि ने योजना बनाई कि वे दुर्योधन की ओर से खेलेंगे और युधिष्ठिर को हराकर उसका राज्य और ऐश्वर्य बिना युद्ध के हासिल कर लिया जाएगा। दुर्योधन इस विचार से उत्साहित हो उठा और दोनों ने धृतराष्ट्र से पांडवों को खेल के लिए बुलाने की अनुमति मांगी। धृतराष्ट्र ने पहले तुरंत अनुमति देने से इंकार किया और कहा कि वे विदुर से भी सलाह लेंगे। उन्होंने चिंता जताई कि यह जुआ वंश के लिए नुकसानदायक हो सकता है। विदुर ने चेतावनी दी कि खेल से आपसी मनमुटाव और झगड़े-फसाद बढ़ेंगे, जिससे कुल में भारी विपदा आएगी, लेकिन दुर्योधन के आग्रह और पिता के पुत्रप्रेम के कारण धृतराष्ट्र ने आखिरकार युधिष्ठिर को खेल के लिए न्यौता भेजने की अनुमति दे दी और सभा मंडप बनाने का आदेश भी दिया।

इस प्रकार, युधिष्ठिर का निष्कलंक चरित्र और पांडवों का सौभाग्य दुर्योधन के मन में ईर्ष्या की आग भड़का गया। शकुनि की चतुराई और दुर्योधन की लालसा ने ऐसा षड्यंत्र रचा, जो भविष्य में महाभारत युद्ध की नींव बन गया। चौसर का यह खेल केवल मनोरंजन नहीं था, बल्कि यह योजना बनकर पांडवों के साम्राज्य और सत्ता पर कब्जा करने का माध्यम बन गया। **- फीचर डेस्क**

बोधकथा

किसी को चोट न लगे

मैं जब छोटी थी, तब उन दिनों गर्मी की छुट्टियों की बात ही कुछ और थी। तब मैं एक महीने पहले से ही मम्मी-पापा से गांव जाने के लिए पूछने लगती थी। एकाध बार तो मम्मी मेरे बार-बार पूछने की वजह से झल्ला जातीं और उसी झल्लाहट में मुझे डांट भी देती थीं, लेकिन तब पापा प्यार से गोद में लेकर बताते कि अगले हफ्ते हम सभी अपने गांव चलेंगे, बिटिया। यह सुनकर मैं खुश हो जाती।

फिर घंटों सोचने बैठ जाती कि इस बार गांव में क्या-क्या और कौन-कौन सी शरारत मुझे करनी है। जिस दिन गांव पहुंचती, उसी दिन से मेरी धमा-चौकड़ी शुरू हो जाती और घर के सभी बड़े कहते कि इसकी सारी आदतें लड़कों से मिलती हैं, लगता ही नहीं कि यह लड़की है। आखिर मैं परिवार की अकेली लड़की जो थी और बाकी सभी लड़के थे।

उन दिनों गर्मी की छुट्टियों में मुझे गिल्ली-डंडा खेलना सबसे ज्यादा पसंद था। मैं गिल्ली-डंडा ज्यादा देर तक खेल सकूं, इसके लिए मैं बेईमानी करने से भी बाज़ नहीं आती थी। लेकिन मम्मी को मेरा गिल्ली-डंडा खेलना बिल्कुल पसंद नहीं था। वह अक्सर मेरे गिल्ली-डंडा खेलने की वजह से झल्ला जाती थीं, क्योंकि उन्हें पता था कि दादा-दादी मेरा ही पक्ष लेंगे।

पर एक दिन मेरी गिल्ली सामने से आ रही पड़ोस की चाची की आंख में जा लगी और वह चीखती हुई बोलीं, "हाय! मार डाला रे, मेरी आंख फूट गई!" चाची के इस शोर-शराबे की वजह से अगल-बगल के लोगों के साथ ही उसके घर के लोग भी बाहर आ गए। और मैं मारे डर के थर-थर कांप रही थी। मेरी तो कुछ समझ में ही नहीं आ रहा था कि यह

अचानक से कैसे हो गया। चाची की आँख से खून रिस रहा था। आंख फूलकर ऐसे ढक गई थी, जैसे इससे पहले वहां आंख थी ही नहीं। फिर मम्मी को मानो मौका मिल गया। उन्होंने ऐसी डांट लगाई कि मेरी घिग्घी बंध गई।

मैं चार-पांच दिन तक घर से निकली ही नहीं। एक दिन चाची खुद घर आईं और उन्होंने प्यार से मेरे कंधे पर हाथ रखते हुए कहा, "बिटिया, इसमें तुम्हारी कोई गलती नहीं।" उनके इतना कहते ही मेरी आंखों में आंसू आ गए। मैंने उनकी आंखों की तरफ देखा तो उनकी आंख पहले से ठीक थी, पर उसमें कुछ सूजन अब भी बाकी थी। उन्होंने गिल्ली मेरे हाथों में पकड़ाते हुए कहा, "तुम खूब गिल्ली-डंडा खेलो, लेकिन मैदान में, ताकि किसी को चोट न लगे।" उनके जाते ही मानो मेरे पैरों में पर लग गए हों और मैं झट गिल्ली-डंडे के साथ मैदान में जा पहुंची। जैसे ही मैं डंडे से गिल्ली को मारने वाली थी, वैसे ही मेरी बेटी सिम्मी ने आवाज़ लगाई—"मम्मी, मुझे कुछ खाने दे दो, बड़ी भूख लगी है।"

और मैं बिना डंडे से उस गिल्ली को मारे ही अपने वर्तमान में लौट आई।

-रंगनाथ द्विवेदी, *लेखक*

रिश्ते में ब्रेकअप और ग्रहों का प्रभाव

आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
वास्तु विशेषज्ञ

लव-अफेयर में ब्रेकअप सिर्फ 'किस्मत खराब' होने से नहीं होता, ज्योतिष की भाषा में यह ग्रहों, भावों और चल रही दशा-महादशा का परिणाम होता है। कुंडली में प्रेम (5 वां भाव) और संबंध/साथी (7वां भाव) जब दबाव में आते हैं, तभी अच्छे-भले रिश्ते भी धीरे-धीरे या अचानक टूट जाते हैं।

प्रेम और रिश्ते के मुख्य भाव

ज्योतिष में लव अफेयर को सीधे-सीधे दो भाव संचालित करते हैं, 5 वां और 7 वां। 5 वां भाव आकर्षण, रोमैंटिक फीलिंग, प्रस्ताव, पहली मुलाकात और दिल की धड़कनें दिखाता है, जबकि 7 वां भाव प्रतिबद्धता, पार्टनर की स्थिरता और लंबे समय की संगति को दर्शाता है। जब 5 वें भाव या उसके स्वामी पर अशुभ ग्रहों का दबाव हो, तो प्यार शुरू तो होता है, पर शादी तक टिक नहीं पाता और बीच में ही ब्रेकअप हो जाता है।

7 वां भाव और उसका स्वामी रिश्ते की गहराई, भरोसा, समझौते की क्षमता और शादी की संभावना बताते हैं। यदि 7 वां भाव, उसका स्वामी या शुक्र/चंद्र अशुभ प्रभाव में हों, तो या तो सही साथी नहीं मिलता, या मिलकर भी संबंध में स्थिरता नहीं आ पाती।

कौन से ग्रह ब्रेकअप कराते हैं

- ब्रेकअप के मामले में ज्यादातर बार कुछ ग्रह बार-बार सामने आते हैं- शुक्र, मंगल, शनि, राहु, केतु और सूर्य।
- शुक्र : प्यार, आकर्षण, मोहब्बत की भाषा, सेंसुअलिटी और रिलेशनशिप की क्वालिटी का कारक है, कमजोर या पीड़ित शुक्र अक्सर प्रेम-विफलता देता है।
- मंगल : जोश, क्रोध, अहंकार, शारीरिक ऊर्जा और लड़ाई-झगड़े का ग्रह है, 5 वें या 7 वें भाव से जुड़कर अनबन और टकराव बढ़ाता है।
- शनि : दूरी, देरी, बोझ, जिम्मेदारी और ठंडापन लाता है, भावनाओं पर बर्फ डाल देता है, जिससे पार्टनर को उपेक्षा महसूस होती है।
- राहु : भ्रम, जुनून, ओब्सेशन और भ्रमित फैसले देता है, गलत व्यक्ति पर फोकस करवा सकता है या अवास्तविक उम्मीदें पैदा करता है।
- केतु : विरक्ति, अचानक दूरी, कट-ऑफ और बोरियत दिखाता है, एक समय बाद व्यक्ति को लगता है कि अब "कनेक्शन नहीं बचा।"

- सूर्य : अलगाव, ईगो और "मैं" की भावना बढ़ाता है, कई बार सूर्य की दशा या उसका 5 वें/7 वें भाव पर प्रभाव संबंध को अलगाव की ओर धकेल देता है।

मुख्य ग्रहयोग

- कुछ विशिष्ट योग ऐसे हैं, जिनके चलते अच्छे रिश्ते भी टूटने लगते हैं। शुक्र पर शनि या राहु की कड़ी दृष्टि/संयोग : भावनात्मक ठंडापन, शक, गलतफहमियां और भरोसे की कमी ला सकता है, जिससे धीरे-धीरे दूरी और ब्रेकअप बनता है।
- शुक्र का 6, 8 या 12 वें भाव में होना : 6वां भाव झगड़े और कोर्ट-कचहरी, 8 वां भाव गहरी उलझन, धोखा या छुपी बातों और 12 वां भाव दूरी, त्याग या परदेसीपन का संकेत देता है, जिससे प्रेम जीवन में संघर्ष और टूटन बढ़ सकती है।
- 5 वें भाव या उसके स्वामी पर राहु-केतु, शनि या मंगल का दबाव, प्यार शुरू हो भी जाए, तो किसी न किसी वजह से रिश्ता बीच में टूट जाता है, खासकर तब जब शादी की बात आती है।
- मंगल-शुक्र का तीखा मेल और साथ में राहु/केतु : बहुत तेज आकर्षण, फिजिकल पास्शन और ईगो क्लैश, जो शुरुआत में रोमांचक लगता है, पर बाद में थकान और झगड़े में बदल जाता है।
- 5 वां, 7 वां, 6 वां, 8 वां, 12 वां भाव ज्यादातर लव-ब्रेकअप में यही पांच भाव सक्रिय पाए जाते हैं।
- 5 वां भाव : प्रेम की शुरुआत, क्रश, प्रपोज़ल, डेटिंग और दिल की खुशियां, इसकी कमजोरी से रिश्ते का "आरंभ" तो होता है, पर "अंजाम" अच्छा नहीं होता।
- 7 वां भाव : पार्टनर, लिव-इन, विवाह, सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया गया रिश्ता, इस पर चोट या पाप ग्रह का प्रभाव रिश्ते की नींव हिला देता है।
- 6 वां भाव : विवाद, झगड़े, कोर्ट-केस, ईगो बैटल, 6 वें भाव से जुड़ी दशा चलने पर छोटी बात भी केस या अलगाव तक जा सकती है।
- 8 वां भाव : गुप्त संबंध, धोखा, अचानक घटनाएं, मानसिक दुख, इस भाव की सक्रियता में रिलेशन में रहस्यों का खुलासा, धोखे का एहसास या अचानक ब्रेकअप संभव है।
- 12 वां भाव : दूरी, विदेश, अस्पताल, अकेलापन और त्याग, कई बार 12 वें भाव के प्रभाव से पार्टनर दूर देश चला जाता है, व्यस्त हो जाता है या मानसिक रूप से कट जाता है।

बार-बार ब्रेकअप होने के कारण

- कुछ कुंडलियां ऐसी होती हैं, जहां एक रिश्ता नहीं, कई रिश्ते टूटते हैं।
- 5 वें और 7 वें दोनों भाव/स्वामी पर एक साथ पाप ग्रहों का बार-बार प्रभाव होना, जैसे राहु, केतु, शनि, मंगल की दृष्टि या संयोग। शुक्र और चंद्र दोनों कमजोर या पीड़ित हों, तो व्यक्ति या तो खुद भावनात्मक रूप से स्थिर नहीं होता या गलत लोगों को आकर्षित करता है।
- राहु के प्रभाव से व्यक्ति को आकर्षण बहुत तेजी से होता है, पर जब वास्तविकता सामने आती है, तो मोह भंग होने में देर नहीं लगती।
- चल रही दशा- भुक्ति ऐसे ग्रहों की हो, जो अलगाव, दूरी या संघर्ष के कारक हैं, जैसे सूर्य, शनि, राहु, 6 वें/8 वें/12 वें भाव के स्वामी आदि।

कब होता है ब्रेकअप-दशा और गोचर

कुंडली में योग बनने के बाद वास्तविक ब्रेकअप अक्सर दशा और गोचर के समय होता है। जब 6 वां, 8 वां या 12 वां भाव सक्रिय दशा में आ जाए या उनके स्वामी की महादशा/अंतर्दशा चले, तो संबंध में तनाव बढ़कर टूटन तक जा सकता है।

राहु-केतु, शनि या सूर्य का गोचर 5 वें/7 वें भाव, उनके स्वामी या शुक्र-चंद्र पर आ जाए, तो वह समय विशेष रूप से संवेदनशील माना जाता है। परंपरा में ऐसे समय में मंत्र, दान, व्रत, पूजा और ज्योतिषीय उपायों की भी सलाह दी जाती है ताकि मन शांत रहे और निर्णय जल्दबाजी में न लिए जाएं। हर व्यक्ति की कुंडली अलग होती है, इसलिए असली, सटीक उपाय तो वही होता है, जो 5 वें, 7 वें भाव, शुक्र, चंद्र, राहु केतु, शनि और चल रही दशा को देखकर दिया जाए।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	85,213.36	26,027.30
गिरावट	54.30	19.65
प्रतिशत में	0.06	0.08

सोना 1,37,600 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,99,500 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 16 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

व्हील्स ने जापान की टोपी इंडस्ट्रीज से समझौता

नई दिल्ली। व्हील्स इंडिया ने एल्युमीनियम मिश्र धातु के पहियों के डिजाइन, विकास एवं निर्माण के लिए जापान की टोपी इंडस्ट्रीज के साथ तकनीकी सहायता समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने सोमवार को कहा कि समझौते के तहत टोपी, व्हील्स इंडिया के कास्ट एल्युमिनियम व्हील व्यवसाय के डिजाइन एवं विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए तकनीकी जानकारी और इंजीनियरिंग सहायता प्रदान करेगी। व्हील्स इंडिया के प्रबंध निदेशक श्रीवत्स राम ने कहा कि इस समझौते से व्हील्स इंडिया को एल्युमीनियम पहियों के क्षेत्र में तकनीकी विशेषज्ञता हासिल करने की उम्मीद है। यह समझौता हमें नए कारोबार हासिल करने और एल्युमीनियम क्षेत्र में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक मजबूत करने में मदद करेगा।

आईनॉक्स को मिला 102.3 मेगावाट का ठेका

नई दिल्ली। आईनॉक्स विंड को आदित्य बिरला रिन्यूएबल्स (एबीआरईएल) की अनुषंगी कंपनी एबीआरएल ईपीसी से 102.3 मेगावाट बिजली आपूर्ति का ठेका मिला है। प्रमुख पवन ऊर्जा समाधान प्रदाता कंपनी आईनॉक्स विंड ने सोमवार को कहा कि उसे कर्नाटक में एबीआरएल ईपीसी लिमिटेड द्वारा विकसित की जा रही परियोजनाओं के लिए अपने 3.3 मेगावाट के टर्बाइन की आपूर्ति का ठेका मिला है। आईनॉक्स विंड के सीईओ संजीव अग्रवाल ने कहा कि एबीआरईएल की ग्राहकों को स्वच्छ ऊर्जा समाधान स्थापित करने और प्रदान करने की व्यापक योजनाएं हैं।

वेकफिट के शेयर की धीमी शुरुआत

नई दिल्ली। घरेलू सामान एवं फर्नीचर बनाने वाली कंपनी वेकफिट इनोवेशन्स लिमिटेड के शेयर ने अपने निर्गम मूल्य 195 रुपये के मुकाबले सोमवार को बाजार में धीमी शुरुआत की। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य के मुकाबले 0.46% की गिरावट के साथ 194.10 रुपये पर शुरुआत की। बाद में यह 9.10% टूटकर 177.25 रुपये पर आ गया। एनएसई पर मूल्य 195 रुपये के बराबर ही सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 6,146.01 करोड़ रुपये रहा। वेकफिट इनोवेशन्स लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को गत बुधवार को शेयर बिक्री के अंतिम दिन दोगुने से अधिक अभिदान मिला था।

कोरोना रेमेडीज का शेयर 38% चढ़ा

नई दिल्ली। दवा कंपनी कोरोना रेमेडीज का शेयर निर्गम मूल्य 1062 रुपये के मुकाबले 38% से अधिक बढ़त के साथ सोमवार को सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने 1,452 रुपये पर शुरुआत की जो निर्गम मूल्य से 36.72% की बढ़त है। बाद में यह 41.14% की तेजी के साथ 1,499 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर यह 38.41% की बढ़त के साथ 1,470 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 8,996.65 करोड़ रुपये रहा। कोरोना रेमेडीज के आईपीओ को गत बुधवार को शेयर बिक्री के अंतिम दिन 137.04 गुना अभिदान मिला था।

एनसीडीईएक्स को मिली एमएफ की मंजूरी

नई दिल्ली। नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड (एनसीडीईएक्स) ने सोमवार को कहा कि उसे म्यूचुअल फंड लेनदेन मंच शुरू करने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। यह मंच भविष्य में प्रस्तावित इक्विटी कारोबार खंड की दिशा में शुरुआती कदम है। एक्सचेंज ने कहा कि इस मंच के जरिए निवेशक म्यूचुअल फंड की इकाइयों को खरीद और बेच सकेंगे। समाशोधन और निपटान की जिम्मेदारी नेशनल कमोडिटी क्लियरिंग लिमिटेड निभाएगी।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब भारत

वाणिज्य सचिव बोले- व्यापार समझौते की रूपरेखा तैयार करने और बीटीए पर कर रहे अलग-अलग वार्ताएं

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने सोमवार को कहा कि भारत और अमेरिका अपने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के बेहद करीब हैं और दोनों देश इस मामले में सक्रिय रूप से बातचीत कर रहे हैं। दोनों देश उच्च शुल्क से निपटने के लिए व्यापार समझौते की रूपरेखा तैयार करने और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर अलग-अलग वार्ताएं कर रहे हैं। अमेरिका के नए उप व्यापार प्रतिनिधि रिक स्विट्जर, वाणिज्यिक सचिव के साथ व्यापार वार्ता करने के लिए पिछले सप्ताह यहां पहुंचे थे। स्विट्जर की यात्रा के दौरान, दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार संबंधों पर गौर किया और समझौते एवं व्यापक बीटीए की बातचीत की प्रगति की समीक्षा की।

अग्रवाल ने कहा कि हम समझौते की रूपरेखा तैयार करने के बेहद करीब हैं, जिसे हम मानते हैं कि कम समय में पूरा किया जा सकता है। हालांकि मैं इसके लिए कोई समय सीमा नहीं बताना चाहूंगा। बीटीए पर और औपचारिक दौर की बैठकें होने की संभावना पर उन्होंने कहा कि अंतिम चरण की वार्ता में आमतौर पर ऐसे दौर की आवश्यकता नहीं होती है। सचिव ने बताया कि भले ही कोई औपचारिक दौर न हो लेकिन समापन के करीब पहुंचने तक भौतिक रूप से एवं ऑनलाइन माध्यमों से बैठकें होंगी। इसलिए, हम उस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और हम जितनी जल्दी हो सके, इसे करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। न्यूजीलैंड के साथ जारी वार्ता का उदाहरण देते हुए सचिव ने कहा कि जब हम एक ऐसे दौर में होते हैं, जहां कुछ मुद्दे या क्षेत्र सुलझाने बाकी होते हैं तो औपचारिक वार्ताओं का कोई दौर नहीं होता। न्यूजीलैंड के साथ हम वार्ता को अंतिम रूप देने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और हर दिन इस पर बात होती है। अग्रवाल ने कहा कि बातचीत का अंतिम चरण सबसे कठिन होता है, जहां शायद मुख्य अधिकारियों को सचिव या मंत्री स्तर पर निर्णय लेना पड़ता है।

भारत से अमेरिका को नवंबर में निर्यात 22.6 प्रतिशत बढ़कर 7 अरब डॉलर पर

भारत से अमेरिका को वस्तुओं का निर्यात नवंबर में 22.61% बढ़कर 6.98 अरब डॉलर हो गया। अमेरिकी बाजार में भारतीय वस्तुओं पर 50% का भारी शुल्क लगाने के बावजूद यह वृद्धि हुई। इस महीने आयात 38.29% बढ़कर 5.25 अरब डॉलर हो गया। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान देश का अमेरिका को निर्यात 11.38% बढ़कर 59.04 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 13.49% बढ़कर 35.4 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि चुनौतियों के बावजूद निर्यात में सकारात्मक वृद्धि हुई। भारत पर लगाए गए शुल्क अन्य प्रतिस्पर्धियों की तुलना में 30% अधिक हैं। भारत चीन में भी अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। भारत का चीन को निर्यात नवंबर में 90.12% बढ़कर 2.2 अरब डॉलर हो गया। इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग वस्तुओं की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है।

अमेरिका को महंगे बासमती चावल का निर्यात, डंपिंग का सवाल ही नहीं

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने भारत अमेरिका को मुख्य रूप से महंगे बासमती चावल का निर्यात करता है लिहाजा भारतीय चावल की अमेरिकी बाजार में डंपिंग करने का मामला ही नहीं बनता है। अग्रवाल ने नवंबर के व्यापार आंकड़ों पर कहा कि भारतीय चावल पर अमेरिका में पहले से ही 50% सीमा शुल्क लागू हैं। हम अमेरिका को बासमती चावल जीआई (भौगोलिक संकेतक) उत्पाद निर्यात करते हैं। हमारे कुल निर्यात का 80% से अधिक हिस्सा बासमती चावल का है। गैर-बासमती सफेद चावल का हमारा निर्यात कम है। अमेरिका में हमारे बासमती चावल की कीमतें सामान्य निर्यात कीमतों से अधिक हैं, लिहाजा डंपिंग का प्रथम दृष्टया कोई मामला नहीं बनता है।

भारत, ओमान समझौते पर हस्ताक्षर को तैयार

वाणिज्य सचिव ने कहा कि भारत और ओमान आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के मकसद से मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने को तैयार हैं। प्रधानमंत्री मोदी 17-18 दिसंबर को ओमान की यात्रा पर रहेंगे। इस समझौते को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले सप्ताह मंजूरी दी थी। ओमान खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के सदस्य देशों में भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। भारत का पहले से ही समूह के एक अन्य देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ इसी तरह का समझौता है, जो मई 2022 में लागू हुआ था।

मतभेदों को दूर करने में लगे हैं भारत-यूरोपीय संघ

वाणिज्य सचिव ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत अब सबसे मुश्किल दौर में प्रवेश कर चुकी है और दोनों पक्ष मतभेदों को पाटने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रहे हैं। अग्रवाल ने कहा कि यूरोपीय संघ की कार्बन सीमा समायोजन प्रणाली (सीबीएएम) से जुड़े मुद्दे पर भी बातचीत चल रही है। इस समय सबसे कठिन मुद्दों पर चर्चा हो रही है। निश्चित रूप से सीबीएएम भी चर्चा में है। भारत और ईयू के बीच व्यापार वार्ता का 16वां दौर इसी महीने नई दिल्ली में संपन्न हुआ।

भारत ने मेक्सिको के साथ पीटीए का प्रस्ताव रखा

मेक्सिको के ऊंचे आयात शुल्क से घरेलू निर्यातकों को राहत दिलाने के लिए भारत ने इस दक्षिण अमेरिकी देश के साथ एक तरजीही व्यापार समझौते (पीटीए) का प्रस्ताव रखा है। शीर्ष सरकारी अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। मेक्सिको ने उन देशों से आयात होने वाले उत्पादों पर पांच से 50% तक आयात शुल्क लगाने का फैसला किया, जिनके साथ उसका मुक्त व्यापार समझौता नहीं है। यह शुल्क 1,463 श्रेणियों पर लागू होंगे और इनमें भारत, चीन, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया हैं। वाणिज्य सचिव ने कहा कि इस मुद्दे पर भारत ने मेक्सिको के साथ बातचीत शुरू कर दी है।

निर्यात 19.37% बढ़ा व्यापार घाटा पांच माह में सबसे कम

- देश का आयात 1.88% घटकर 62.66 अरब डॉलर रहा
- सोना, कच्चा तेल, कोयला और कोक के आयात में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

देश का निर्यात अक्टूबर की गिरावट से उबरते हुए नवंबर में 19.37% बढ़कर 38.13 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस दौरान इंजीनियरिंग एवं इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों का निर्यात बढ़ने से देश का व्यापार घाटा पांच महीने के निचले स्तर 24.53 अरब डॉलर पर आ गया।

वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार को नवंबर के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि देश का आयात 1.88%घटकर 62.66 अरब डॉलर रहा। सोना, कच्चा तेल, कोयला और कोक के आयात में कमी से कुल आयात में गिरावट आई। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर में सोने का आयात 59.15% घटकर चार अरब डॉलर रहा, जबकि कच्चे तेल का आयात 11.27% घटकर 14.11 अरब डॉलर हो गया। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-नवंबर अवधि में निर्यात 2.62% बढ़कर 292.07 अरब डॉलर और आयात 5.59% बढ़कर 515.21 अरब डॉलर रहा। इस दौरान देश का कुल व्यापार घाटा 223.14 अरब डॉलर रहा।

सोने का आयात 60% घटकर 4 अरब डॉलर पर

देश में सोने का आयात नवंबर में 60% घटकर चार अरब डॉलर रहा। वाणिज्य मंत्रालय से जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में सोने के आयात में तीन गुना की वृद्धि हुई थी। एक साल पहले नवंबर में सोने का आयात 9.8 अरब डॉलर था। नवंबर में चांदी के आयात में 125.40% की वृद्धि हुई और यह 1.07 अरब डॉलर पहुंच गया। चांदी का इस्तेमाल इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन एवं दवा जैसे क्षेत्रों में होता है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान सोने का कुल आयात 3.3% बढ़कर 45.26 अरब डॉलर रहा, जबकि गत वर्ष यह 43.8 अरब डॉलर था। अक्टूबर में सोने के आयात में वृद्धि हुई थी और यह 14.72 अरब डॉलर था।

निर्यात के लिहाज से अच्छा रहा नवंबर

वाणिज्य सचिव ने कहा कि नवंबर में निर्यात ने अक्टूबर में हुए नुकसान की भरपाई की। नवंबर निर्यात के लिहाज से अच्छा रहा। इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग, रसायन, आभूषण और पेट्रोलियम उत्पाद जैसे क्षेत्रों ने निर्यात बढ़ाने में मदद की। पेट्रोलियम उत्पाद का निर्यात 11.65% बढ़कर 3.93 अरब डॉलर हो गया। चाय, कॉफी, लौह अयस्क, काजू, डेयरी, हस्तशिल्प, समुद्री उत्पाद और चमड़े के उत्पादों में भी सकारात्मक वृद्धि दर्ज हुई। पिछले महीने चावल, तिलहन, कालीन और प्लास्टिक के निर्यात में गिरावट आई। 25,060 करोड़ के निर्यात संवर्धन मिशन के लिए विस्तृत दिशानिर्देश तैयार करने का काम अंतिम चरण में है। यह कदम अमेरिकी शुल्क से निपटने को शायद पर्याप्त न हो। निर्यातकों को नकदी मुहैया कराने में राहत मिलेगी।

उच्च शुल्क के बाद भी भारत रहा प्रमुख गंतव्य

निर्यातकों के राष्ट्रीय महासंघ फियो के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि अमेरिकी उच्च सीमा शुल्क के बावजूद भारत प्रमुख निर्यात गंतव्य बना रहा। निर्यात बाजारों का विविधीकरण और प्रमुख क्षेत्रों की मजबूती ने निर्यात वृद्धि को समर्थन दिया है। नवंबर में सेवा निर्यात का अनुमानित मूल्य 35.86 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल इसी महीने 32.11 अरब डॉलर था। चालू वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों में कुल सेवा निर्यात 270 अरब डॉलर रहा, जबकि अप्रैल-नवंबर 2024 में यह 248.56 अरब डॉलर था।

थोक महंगाई में 0.32% की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

खाने का सामान, खनिज तेल आदि की कीमतों में कमी से थोक मुद्रास्फीति में नवंबर में गिरावट आई और यह शून्य से नीचे 0.32% रही। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में थोक महंगाई में गिरावट अक्टूबर के मुकाबले कम है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति अक्टूबर में शून्य से नीचे 1.21 और नवंबर 2024 में 2.16% रही थी।

उद्योग मंत्रालय ने कहा कि खाद्य पदार्थों, खनिज तेल, कच्चे पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, बुनियादी धातुओं के उत्पादन और बिजली आदि की कीमतों में कमी से थोक मुद्रास्फीति में गिरावट आई और यह शून्य से नीचे 0.32% रही। डब्ल्यूपीआई के अनुसार, नवंबर में खाद्य पदार्थों की महंगाई दर 4.16% रही जबकि अक्टूबर में यह 8.31% थी। सब्जियों की महंगाई दर 20.23% रही जो अक्टूबर में 34.97% थी। दालों की कीमतों में नवंबर में 15.21% की कमी आई जबकि आलू तथा प्याज की कीमतें क्रमशः 36.14 और 64.70% घटीं।

विनिर्मित उत्पादों में नवंबर में मुद्रास्फीति घटकर 1.33% हो गई जबकि अक्टूबर में 1.54% थी। ईंधन तथा बिजली की कीमतों की महंगाई दर 2.27% रही जो अक्टूबर में

- डब्ल्यूपीआई आधारित मुद्रास्फीति अक्टूबर में शून्य से नीचे 1.21 और नवंबर 2024 में 2.16% थी

2.55% थी। रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि थोक मुद्रास्फीति दर में गिरावट पर तेजी से अंकुश लगा है और यह उम्मीद से अधिक तेज है। यह अक्टूबर के 1.2% से घटकर नवंबर में 0.32% हो गई है। यह तुलनात्मक आधार प्रभाव, रुपये में गिरावट तथा कुछ जिंसों के दाम में तेजी को बताता है। भारतीय मुद्रा में और गिरावट, वस्तुओं की बढ़ती कीमतों और सब्जियों की कीमतों में बेमौसम वृद्धि के साथ-साथ कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बावजूद हमारा अनुमान है कि दिसंबर 2025 में थोक महंगाई में सालाना आधार पर 0.5% रहेगी...।

डेटा सेंटर का पसंदीदा गंतव्य बनकर उभरा है भारतः गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रीय उद्योग मंत्री ने ऊर्जा क्षेत्र के सम्मेलन को किया संबोधित

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि पर्याप्त बिजली उपलब्धता और 500 गीगावाट की राष्ट्रीय ग्रिड क्षमता से भारत डेटा सेंटर के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में उभर रहा है। गोयल ने ऊर्जा क्षेत्र पर आयोजित सम्मेलन में कहा कि देश में बिजली की कोई कमी नहीं है और बढ़ती मांग को पूरा करने की पूरी क्षमता मौजूद है।

उन्होंने कहा कि भारत की 500 गीगावाट की राष्ट्रीय ग्रिड दुनिया की सबसे बड़ी ग्रिडों में से एक है। गोयल ने कहा कि यूरोप के पास राष्ट्रीय ग्रिड नहीं है। और अमेरिका के पास भी राष्ट्रीय ग्रिड नहीं है। लेकिन भारत के पास राष्ट्रीय ग्रिड है। इसी कारण भारत डेटा सेंटर के लिए पसंदीदा गंतव्य है। आने वाले वर्षों में डेटा सेंटर और वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) के विस्तार की योजनाओं के बीच यह सुनिश्चित किया जाएगा कि लोगों, किसानों, उद्योग और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों की बिजली जरूरतें पूरी हों।

गोयल का यह बयान ऐसे समय में आया है जब गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन सहित कई वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों ने भारत में बड़ा निवेश करने में रुचि दिखाई है।

डॉलर के मुकाबले रुपया 29 पैसे टूटकर निचले स्तर 90.78 पर

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया सोमवार को 29 पैसे फिसल कर अबतक के सबसे निचले स्तर 90.78 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली के चलते रुपये में गिरावट आई। एक समय यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 90.80 तक आ गया था।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि जोखिम से बचने की धारणा और आयातकों की मजबूत डॉलर मांग ने निवेशकों की धारणाओं को और कमजोर किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 90.53 पर खुला, लेकिन बाद में फिसलते हुए कारोबार के दौरान 90.80 के रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गया, जो उसके पिछले बंद भाव से 31 पैसे की गिरावट है। अंत में यह 29 पैसे टूटकर 90.78 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ।

स्पॉट डोजी — क्रिप्टोकरेंसी की दुनिया

क्रिप्टोकरेंसी की दुनिया में डोजीकॉइन एक ऐसा नाम है, जिसने शुरुआत के बाद गंभीर निवेशकों का ध्यान खींचा है। जब डोजीकॉइन को सीधे बाज़ार मूल्य पर खरीदा-बेचा जाता है, तो उसे स्पॉट डोजी कहा जाता है। स्पॉट ट्रेडिंग का मतलब है कि निवेशक वास्तविक डोजीकॉइन खरीदते हैं और उन्हें वॉलेट में रखते हैं, न कि किसी अनुबंध या भविष्य के सौदे के रूप में। इसकी सरल प्रक्रिया, कम तकनीकी जटिलता और लोकप्रियता के कारण स्पॉट डोजी नए निवेशकों के बीच तेज़ी से लोकप्रिय है। हालांकि, इसके साथ जोखिम भी जुड़े हुए हैं।

फ्यूचर्स या मार्जिन ट्रेडिंग से अलग

स्पॉट डोजी से तात्पर्य स्पॉट मार्केट में की जाने वाली खरीद-फरोख्त से है। इसमें निवेशक मौजूदा बाज़ार मूल्य पर डोजीकॉइन खरीदते या बेचते हैं और लेनदेन तुरंत होता है। यह प्रक्रिया फ्यूचर्स या मार्जिन ट्रेडिंग से अलग होती है, जहां उधार या अनुबंधों के माध्यम से ट्रेड किया जाता है। स्पॉट डोजी को समझना उन लोगों के लिए आसान है जो क्रिप्टो में शुरुआती हैं।

2013 में मीम के रूप में हुई थी शुरुआत

डोजीकॉइन की शुरुआत 2013 में एक मीम के रूप में हुई थी, लेकिन समय के साथ-साथ इसकी एक मज़बूत कम्युनिटी बन गई। एलन मस्क जैसे प्रभावशाली व्यक्तियों के समर्थन और सोशल मीडिया की भूमिका ने डोजीकॉइन की कीमत में कई बार तेज़ उतार-चढ़ाव पैदा किया है। स्पॉट डोजी ट्रेडिंग में यही उतार-चढ़ाव निवेशकों के लिए अवसर और जोखिम दोनों लेकर आता है।

लंबे समय तक होल्ड

स्पॉट डोजी का सबसे बड़ा लाभ इसकी पारदर्शिता है। निवेशक जानते हैं कि वे वास्तविक डोजीकॉइन खरीद रहे हैं, जिसे वे लंबे समय तक होल्ड कर सकते हैं या जब चाहें बेच सकते हैं। इसमें लिक्विडेशन का खतरा नहीं होता, जैसा कि फ्यूचर्स ट्रेडिंग में होता है। यही कारण है कि लंबी अवधि के निवेशक स्पॉट डोजी को अधिक सुरक्षित विकल्प मानते हैं।

कीमतें खबरों पर आधारित

स्पॉट डोजी पूरी तरह जोखिम-मुक्त नहीं है। डोजीकॉइन की कीमतें अक्सर भावनाओं और खबरों पर आधारित होती हैं, जिससे अचानक गिरावट आ सकती है। बिना रिसर्च के निवेश करने पर नुकसान की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए स्पॉट डोजी में निवेश करने से पहले बाज़ार की समझ, सही एंट्री-एग्ज़िट रणनीति और जोखिम प्रबंधन आवश्यक है।

एक संतुलित निवेश विकल्प

स्पॉट डोजी उन निवेशकों के लिए उपयुक्त है जो सरल तरीके से डोजीकॉइन में निवेश करना चाहते हैं और अत्यधिक लीवरेज के जोखिम से बचना चाहते हैं। सही जानकारी और धैर्य के साथ, स्पॉट डोजी एक संतुलित निवेश विकल्प साबित हो सकता है। साथ ही स्पॉट डोजी एक सुरक्षित निवेश होने के साथ ही जोखिमों से भी जुड़ा हुआ होता है।

सोना 4,000 रुपये उछलकर 1.37 लाख प्रति 10 ग्राम

नई दिल्ली, एजेंसी

- अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों और सुरक्षित निवेश की मांग से आई तेजी

मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोना 4,000 रुपये बढ़कर 1,37,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह कहा। शुक्रवार को 99.9% शुद्धता वाला सोना 1,33,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष (अनुसंधान विश्लेषक जिंस और मुद्रा) जतिन त्रिवेदी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय हाजिर बाजार में सोना के 4,350 डॉलर के स्तर की ओर बढ़ने के साथ ही घरेलू बाजार में तेज उछाल देखने को मिला। पीली धातु ने वैश्विक मजबूती को दर्शाते हुए तेज बढ़त के साथ एक नया सर्वकालिक उच्च स्तर छू लिया। इससे पहले 17 अक्टूबर को सोना 1,34,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया था। यह तेजी सुरक्षित निवेश की मांग और इस सप्ताह जारी होने वाले अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों को लेकर बनी उम्मीदों के कारण आई है। अब ध्यान अमेरिकी वृहत आर्थिक संकेतों पर है, जिससे अस्थिरता ऊंची बनी रहने की संभावना है।

चांदी की कीमतें सभी करों सहित 1,99,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रहीं।

विदेशी निकासी, रुपये में कमजोरी से सेंसेक्स गिरा

मुंबई। वैश्विक बाजारों के कमजोर रुख और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के बीच सोमवार को घरेलू शेयर बाजार मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 54 अंक की गिरावट रही जबकि निफ्टी 20 अंक के नुकसान में रहा। विश्लेषकों के मुताबिक, डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर बनी अनिश्चितता ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया।

सेंसेक्स 54.30 अंक फिसलकर 85,213.36 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी 19.65 अंक की गिरावट के साथ 26,027.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, टाइटन और एचडीएफसी बैंक नुकसान में रहीं। हिंदुस्तान यूनिलीवर, ट्रेंट, एचसीएल टेक, एशियन पेंट्स व टाटा स्टील लाभ में रहे।

प्रतिक्रिया — लोकसभा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणी पर केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने विपक्ष को दिया जवाब

उच्च वृद्धि दर साबित करते हैं हमारी अर्थव्यवस्था सबसे तेज

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को देश की 8.2% की आर्थिक वृद्धि और रेटिंग में सुधार का हवाला देते हुए कहा कि अगर भारत एक 'मृत अर्थव्यवस्था' होता तो ऐसे संभव नहीं होता। लोकसभा में विपक्षी सदस्यों द्वारा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत को मृत अर्थव्यवस्था कहने वाले बयान पर सरकार की प्रतिक्रिया मांगे जाने पर वित्त मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है, जिसने सितंबर तिमाही में 8.2% की वृद्धि दर्ज की है।

मंत्री ने कहा कि 10 वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था बाहरी कमजोरियों से बाहरी मजबूती की ओर बढ़ी है। सीतारमण ने 2025-26 के लिए अनुपूरक अनुदान मांगों पर चर्चा के जवाब में कहा कि हर संस्था इस साल और आने वाले साल के लिए हमारी वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ा रही है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की ओर से भारत की वृद्धि को मान्यता देने की स्पष्ट

लोकसभा में भाषण देतीं निर्मला सीतारमण।

बातें सामने आई हैं। कोई भी मृत अर्थव्यवस्था डीबीआरएस, एसएंडपी और आरएंडआई जैसी एजेंसियों से क्रेडिट रेटिंग में सुधार हासिल नहीं कर सकती। वित्त मंत्री ने वैश्विक एजेंसियों के आंकड़ों और रेटिंग सुधार का हवाला देते हुए इस टिप्पणी को खारिज किया। उन्होंने कहा कि आज अर्थव्यवस्था कमजोरी से मजबूती की ओर बढ़ चुकी है। किसी के कुछ कह देने पर, चाहे वह व्यक्ति कितना ही महत्वपूर्ण क्यों न हो, हमें उसे आंख बंद करके मानना नहीं चाहिए। हमें देश के भीतर उपलब्ध आंकड़ों और बाहर से आने वाले आंकड़ों पर भरोसा करना चाहिए। आंकड़ों पर भरोसा कीजिए।

कोई मृत अर्थव्यवस्था 8.2% की दर से बढ़ सकती

सीतारमण ने कहा कि क्या कोई मृत अर्थव्यवस्था 8.2% की दर से बढ़ सकती है? क्या किसी मृत अर्थव्यवस्था की क्रेडिट रेटिंग में सुधार हो सकता है? भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले सप्ताह 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7.3% कर दिया, जो पहले 6.8% था। भारत ने सितंबर तिमाही में 8.2% और जून तिमाही में 7.8% की वृद्धि दर्ज की। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा भारत के राष्ट्रीय खातों, जिनमें जीडीपी और सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) के आंकड़े शामिल हैं, को 'सी' ग्रेड दिए जाने पर वित्त मंत्री ने कहा कि भारत की समग्र रेटिंग मध्य स्तर की 'बी' ही बनी हुई है। उन्होंने कहा कि आईएमएफ ने आधार वर्ष पुराना होने की बात कही है और इसे संशोधित करने की जरूरत बताई है।

आईएमएफ ने समग्र सांख्यिकी के लिए दिया 'बी' ग्रेड

सीतारमण ने कहा कि यह कहना कि आईएमएफ ने भारत की रेटिंग घटाई है, सदन को गुमराह करना है। इस साल आईएमएफ ने समग्र सांख्यिकी के लिए भारत को 'बी' ग्रेड दिया है। उन्होंने कहा कि महामारी के बावजूद भारत लगातार चौथे साल दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। वित्त मंत्री ने कहा कि कोविड के बाद भारत का कर्ज-जीडीपी अनुपात बढ़कर 61.4% हो गया था, लेकिन केंद्र सरकार इसे 2023-24 तक घटाकर 57.1% पर लाने में कामयाब रही। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष के अंत तक यह आंकड़ा और घटकर 56.1 प्रतिशत रह जाएगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

ह्यूस्टन में मनाया गया दिवाली उत्सव

ह्यूस्टन। यूनेस्को की सांस्कृतिक विरासत सूची में दिवाली को शामिल किए जाने के उपलक्ष्य में यहां भारतीय मिशन में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। पिछले सप्ताह आयोजित इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और एक लाइट शो शामिल था। इस समारोह में भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों प्रतिनिधियों ने भाग लिया। भारतीय वाणिज्य दूतावास ने बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर और अन्य संगठनों के सहयोग से समारोह का आयोजन किया।

कोलंबिया में बस हादसे में 17 की मौत

मेक्सिको सिटी। कोलंबिया के उत्तर-पश्चिमी प्रांत एंटीओक्विया में रविवार को एक बस के खड्ड में गिर जाने से कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, यह बस कैरिबियन क्षेत्र के पर्यटक शहर टोलू से चली थी और भ्रमण पर गए बच्चों को लेकर लौट रही थी। एंटीओक्विया के गवर्नर आंद्रेस जूलियन रेंडन ने कहा कि यह दुर्घटना एंटीओक्विया के रेमेडियोस नगर पालिका में हुई।

पाकिस्तान ने किया मिसाइल का परीक्षण

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी नौसेना ने सोमवार को उत्तरी अरब सागर में लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफल परीक्षण किया। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के मीडिया विभाग ने कहा कि पाकिस्तानी नौसेना के जहाज ने फायरपावर प्रदर्शन के दौरान हवाई गतिशील लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से निशाना बनाया।

चेक गणराज्य में नई गठबंधन सरकार

प्राग। चेक गणराज्य में आंद्रेज बाबिस के नेतृत्व वाली नई चेक गठबंधन सरकार ने सोमवार को पद की शपथ ली। नई सरकार ने यूक्रेन को समर्थन देने से दूरी बनाकर एक निश्चित नीतिगत बदलाव और यूरोपीय संघ की प्रमुख पहलों के प्रति संदेहपूर्ण रुख अपनाने का संकेत दिए हैं। राष्ट्रपति पेट्र पावेल ने प्राग कैसल में नये मंत्रिमंडल को पद की शपथ दिलाई।

आज इजराइल पहुंचेंगे विदेशमंत्री जयशंकर

यरुशलम। विदेश मंत्री एस. जयशंकर मंगलवार को इजराइल पहुंचेंगे, जहां वह देश के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करेंगे और द्विपक्षीय एवं क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। जयशंकर अपनी संक्षिप्त यात्रा के दौरान राष्ट्रपति आइजेक हर्जोग व प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात करेंगे और अपने समकक्ष गिदोन सार के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे।

थाईलैंड में लूथरा बंधुओं के केस पर सुनवाई संभव

बैंकॉक, एजेंसी

- **नाइटक्लब आग मामले में दोनों की फुकेट में हुई थी गिरफ्तारी**

गोवा के जिस नाइटक्लब में छह दिसंबर को आग लगने से 25 लोगों की मौत हुई थी, उसके सह-मालिकों गौरव लूथरा और सौरभ लूथरा से जुड़े मामले की थाईलैंड की अदालत में सुनवाई होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, मामले में आगे की कार्रवाई को लेकर बैंकॉक की एक अदालत द्वारा फैसला किए जाने की संभावना है।

उत्तर गोवा के अरपोरा में स्थित बर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब के सह-मालिक लूथरा बंधु आग लगने की घटना के तुरंत बाद थाईलैंड के फुकेट चले गए थे। उनके खिलाफ इंटरपोल का ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है। भारतीय दूतावास के हस्तक्षेप के बाद थाईलैंड के प्राधिकारियों ने 11 दिसंबर को फुकेट में लूथरा बंधुओं को हिरासत में लिया। भारतीय मिशन इस मामले में थाईलैंड सरकार के लगातार संपर्क में है। यहां भारतीय दूतावास के सूत्रों के अनुसार, दोनों भाइयों से जुड़े सभी प्रासंगिक दस्तावेज आधिकारिक कानूनी माध्यमों से हस्तांतरित कर दिए गए हैं। संकेत मिलता है कि केस की सुनवाई बैंकॉक की एक अदालत में होने की संभावना है।

नौसेना को और ताकतवर बनाएगा एमएचआर-60 आर हेलीकॉप्टर

भारतीय नौसेना 17 दिसंबर को गोवा के आईएनएस हंस में अपने दूसरे एमएच 60 आर हेलीकॉप्टर स्क्वाड्रन, आईएनएएस 335 -ऑस्प्रे का जलावतरण करेगी। इस अवसर पर नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी भी उपस्थित रहेंगे। स्क्वाड्रन के नौसेना में शामिल होने से भारतीय नौसेना के अभिन्न विमानन क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा। यह हेलीकॉप्टर नौसेना की आंख, नाक, कान बनकर लंबी दूरी तक दुश्मन का सफाया करने में सक्षम हैं। इससे प्रशांत क्षेत्र में भारत की समुद्री युद्धक क्षमता और मजबूत होगी। इसे समुद्र में खुंखार शिकार और बाज की संज्ञा दी जाती है। यह हेलीकॉप्टर नौसेना की निगरानी क्षमता को भी बढ़ाएगा और समुद्री अभियानों में निगरानी, पनडुब्बी रोधी युद्ध और सतह पर हमले जैसी भूमिकाओं को मजबूत करेगा।

हर तरह के मौसम में कारगर

- एमएच-60आर हेलीकॉप्टर एक मल्टी-रोल प्लेटफॉर्म है जो पारंपरिक और नए दोनों तरह के खतरों से प्रभावी तरीके से निपटने में सक्षम है। यह हेलीकॉप्टर उन्नत हथियारों, सेंसर और अत्याधुनिक एवियोनिक्स सूट से लैस है, और पनडुब्बी रोधी युद्ध, सर्च एंड रेस्क्यू, मेडिकल इवैक्यूएशन में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा, यह हेलीकॉप्टर हर मौसम में उड़ान समुद्री जहाजों से टेकऑफ और लैंडिंग कर सकता है और रात में भी ऑपरेशन चलाने में सक्षम है। इसके 2 जीई टी-700 इंजन हैं और इसकी 400+ नॉटिकल माइल रेंज इसे अजेय बनाती है।

भारतीय नौसेना की क्षमता

- भारतीय नौसेना तटीय क्षेत्रों की रक्षा करने के साथ ही समुद्र के गहरे हिस्सों तक ताकतवर है। भारत के पास युद्धपोतों की संख्या 290 से अधिक है। जिसमें बड़े युद्धपोत, फ्रिगेट, कार्वेट आदि शामिल हैं। आईएनए विक्रांत और आईएनएस 2 एयरक्राफ्ट कैरियर्स हैं। ये फ्लोटिंग एयरबेस हैं जो समुद्र में शक्ति प्रोजेक्ट कर सकते हैं। लगभग 13 डेस्टॉयर्स, कई फ्रिगेट, 18 से ज़्यादा सबमरीन और उन्नत पनडुब्बी-रोधी हेलीकॉप्टर हैं। भारत की नौसेना अपने हेलीकॉप्टर, समुद्री विमान और पनडुब्बी रोधी क्षमताओं को भी लगातार मजबूत कर रही है।

पाकिस्तानी नौसेना की ताकत

- पाकिस्तान के पास करीब 120-130 युद्धक जहाज हैं। कोई एयरक्राफ्ट कैरियर और डेस्टॉयर्स भी नहीं हैं। पाकिस्तान के पास सीमित संख्या में सबमरीन और फ्रिगेट्स हैं, ये आमतौर पर तटीय रक्षा तथा घातक हमला-पर्यटन भूमिका में ज़्यादा उपयोग होते हैं। पाकिस्तान आधुनिक मिसाइल सिस्टम और समुद्री रक्षा तकनीक में निवेश कर रहा।

अमेरिका निर्मित हैं ये हेलीकॉप्टर

- एमएच-60आर हेलीकॉप्टर का निर्माण अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने किया है। यह एक बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टर है जो पनडुब्बी रोधी युद्ध, दुश्मन जहाजों से मुकाबला, निगरानी और खोज-बचाव जैसे अभियानों में बेहद कारगर है। भारतीय नौसेना के पास इसका एक स्क्वाड्रन पहले से है। एक स्क्वाड्रन में लगभग 18 विमान होते हैं। भारत और अमेरिका के बीच 24 एमएच-60आर हेलीकॉप्टरों के लिए 7,995 करोड़ रुपये का समझौता फरवरी, 2020 में हुआ था। स्पेयर पार्ट्स, तकनीकी मदद, प्रशिक्षण और भारत में मरम्मत की सुविधाएं दी जाएंगी।

जॉर्डन के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेगा भारत

दो दिवसीय दौरे पर अरब देश पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से स्वागत

- **किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 37 वर्षों के अंतराल के बाद यात्रा**

अम्मान, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को दो दिवसीय दौरे पर जॉर्डन पहुंचे जिसका उद्देश्य अरब देश के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करना है। हवाई अड्डे पर जॉर्डन के प्रधानमंत्री जाफर हसन ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जॉर्डन की उनकी यात्रा दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देगी। मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा कि अम्मान पहुंच गया हूं। हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए जॉर्डन के हाशमी साम्राज्य के प्रधानमंत्री जाफर हसन का शुक्रगुजार हूं।

उनकी यह यात्रा भारत और जॉर्डन के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हो रही है। मोदी के तीन देशों के चार दिवसीय दौरे का पहला पड़ाव जॉर्डन है। इसके बाद वह इथियोपिया और ओमान भी जाएंगे। प्रधानमंत्री और शाह के मंगलवार को भारत-जॉर्डन व्यापार कार्यक्रम को संबोधित करने की उम्मीद है, जिसमें दोनों देशों के प्रमुख व्यवसायी शामिल होंगे। प्रधानमंत्री जॉर्डन में भारतीय समुदाय के साथ भी बातचीत करेंगे और देश के युवराज के साथ पेत्रा शहर का दौरा करेंगे, जो भारत के साथ प्राचीन व्यापारिक संबंधों को साझा करने वाला एक ऐतिहासिक शहर है। प्रधानमंत्री मोदी की जॉर्डन की यह पहली पूर्ण द्विपक्षीय यात्रा है। मोदी फरवरी 2018 में फलस्तीन जाते समय जॉर्डन में कुछ देर रूके थे। किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पूर्ण द्विपक्षीय यात्रा 37 वर्षों के अंतराल के बाद हो रही है। भारत-जॉर्डन के बीच मजबूत आर्थिक संबंध हैं, और दिल्ली अम्मान का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

जॉर्डन के अम्मान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उनके समकक्ष जाफर हसन (दाईं ओर) ने औपचारिक स्वागत किया।

मोदी-जॉर्डन के शाह ने द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर साझा किए विचार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जॉर्डन के शाह अब्दुल्ला द्वितीय इब्न अल हुसैन ने सोमवार को यहां मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की तथा पारस्परिक महत्व के क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। शाह ने मोदी का हुसैनीया पैलेस में गर्मजोशी से स्वागत किया, जहां प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता से पहले दोनों के बीच आमने-सामने की बैठक हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने शाह अब्दुल्ला द्वितीय से कहा कि उन्हें भरोसा है कि उनकी मुलाकात भारत-जॉर्डन संबंधों को नई गति प्रदान करेगी और इससे उसमें प्रगाढ़ता आएगी। उन्होंने कहा कि हम व्यापार, उर्वरक, डिजिटल प्रौद्योगिकी, अवसंरचना और लोगों के बीच संपर्क जैसे क्षेत्रों में अपना सहयोग जारी रखेंगे। मोदी ने कहा कि दोनों देशों की आतंकवाद के खिलाफ साझा और स्पष्ट सोच है। प्रधानमंत्री ने गाजा मुद्दे पर शाह अब्दुल्ला द्वितीय की सक्रिय और सकारात्मक भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता कायम होगी।

बदल रहीं अमेरिका की प्राथमिकताएं, यूरोप को अब बनाना होगा अपना नाटो : मेलोनी

- **इटली की प्रधानमंत्री ने कहा-अब अपनी रक्षा खुद करनी होगी**

रोम, एजेंसी

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा है कि यूरोप को अब अपना नाटो बनाना चाहिए क्योंकि अब अमेरिका की प्राथमिकताएं बदलती जा रही हैं।

उन्होंने यहां अपनी पार्टी की वार्षिक अत्रेजू रैली में रविवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी यूरोप से हाथ खींचने की अपनी मंशा ज़ाहिर कर दी है इसलिये यूरोप को अपनी रक्षा की तैयारी खुद करनी चाहिये। मेलोनी ने कहा कि ट्रंप

ने बहुत ज़ोर देकर कहा है कि अमेरिका अलग होना चाहता है। इसलिये यूरोप को अपनी रक्षा के लिए खुद को संगठित करना होगा। हमने 80 सालों तक अपनी सुरक्षा अमेरिका के हवाले कर दी, यह सोचकर कि यह मुफ़्त है, लेकिन इसकी एक कीमत चुकानी पड़ी। उस कीमत को 'शर्तें' कहते हैं। आज़ादी की एक कीमत होती है। मेलोनी की ये टिप्पणियां यूरोपीय संघ और ट्रंप प्रशासन के बीच चल रहे तनाव के बीच आई हैं। उन्होंने एक मज़बूत यूरोपीय रक्षा ढांचे की मांग की जो वैश्विक शक्तियों के साथ बराबरी के आधार पर जुड़ सके। उन्होंने कहा कि हमने ऐसे समय में अपनी रक्षा और सुरक्षा क्षमता को मज़बूत करने की ज़रूरत के बारे में बात की है, जब किसी और ने नहीं की थी। हमने ऐसे समय पर यूरोपीय नाटो बनाने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया, जो अमेरिकी नाटो के बराबर ताकत और सम्मान वाला हो।

तेल अवीव विवि में की जाएगी भारत पीठ की स्थापना

तेल अवीव। भारत-इजराइल रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करते हुए, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और तेल अवीव विश्वविद्यालय (टीएयू) के बीच सोमवार को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसके तहत इस शैक्षणिक संस्थान में एक भारत पीठ की स्थापना की जाएगी। इजराइल में भारत के राजदूत जेपी सिंह और तेल अवीव विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रोफेसर एरियल पोराट ने औपचारिक रूप से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

पुतिन ने भारत से अहम सैन्य समझौते को संघीय कानून के तौर पर दी मंजूरी

मॉस्को, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने सोमवार को भारत के साथ इस साल की शुरुआत में हुए एक अहम सैन्य समझौते को संघीय कानून के तौर पर मंजूरी दे दी, जिसे रूसी संसद के दोनों सदनों ने पहले ही पास कर दिया था। दोनों देशों के बीच रसद समर्थन के आपसी आदान-प्रदान समझौते को दो दिसंबर को स्टेट ड्यूमा (निचले सदन) और 8 दिसंबर को काउंसिल ऑफ फेडरेशन (ऊपरी सदन) ने मंजूरी दे दी थी। इस समझौते को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा गया था।

रेलोस समझौते में रूस की सैन्य फॉर्मेशन, युद्धपोतों और सैन्य विमानों को भारत भेजने तथा भारत की ओर से भी ऐसा किए जाने, उनके आपसी रसद समर्थन के संगठन की प्रक्रिया तय की गई है।

पंजाब पुलिस ने दो आतंकियों को दबोचा

चंडीगढ़, एजेंसी

- **अंतराज्यीय अभियान के तहत दोनों की मुंबई हुई गिरफ्तारी**

गैंगस्टर से आतंकी बने दो लोगों को केंद्रीय एजेंसियों की सहायता से चलाए गए अंतरराज्यीय अभियान में मुंबई में गिरफ्तार किया गया। दोनों विदेश से अपनी गतिविधियां संचालित करते थे और पंजाब में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने का प्रयास कर रहे थे।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने कहा कि साजन मसीह और मनीष बेदी आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा और गैंगस्टर हैप्पी पासियन के महत्वपूर्ण सहयोगी हैं। रिंदा पाकिस्तान में है जबकि पासियान अमेरिका में हिरासत में है। डीजीपी ने एक्स पर कहा कि आतंकवाद और संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई में गैंगस्टर से आतंकी बने दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। वे दुबई और आर्मेनिया सहित विदेश से अपनी गतिविधियों का संचालन करते थे और पंजाब में आपराधिक और आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने का प्रयास कर रहे थे।

वीडियो संदेश में डीजीपी ने बताया कि केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से चलाए गए खुफिया और अंतरराज्यीय अभियान में मसीह और बेदी को मुंबई से गिरफ्तार किया गया। मसीह गुरदासपुर जिले के डेरा बाबा नानक का रहने वाला है, जबकि बेदी अमृतसर का निवासी है। दोनों दुबई से आर्मेनिया चले गए थे और उन्होंने कुछ अन्य देशों में भी अपना ठिकाना बनाया था। उन्होंने कहा कि दोनों पाकिस्तान स्थित और आईएसआई समर्थित हरविंदर सिंह रिंदा और अमेरिका में हिरासत में लिए गए (गैंगस्टर) हैप्पी पासियन के महत्वपूर्ण सहयोगी थे। हत्याओं, जबरन वसूली, डेरा बाबा नानक, बटाला में हुए हमलों और अमृतसर में हुए ग्रेनेड हमलों सहित कई अपराधों में संलिप्तता रही है।

जिम्मी लाई राष्ट्रीय सुरक्षा मामले में दोषी करार

हांगकांग। हांगकांग की मशहूर मीडिया हस्ती रहे और बीजिंग के मुखर आलोचक जिम्मी लाई को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े एक ऐतिहासिक मामले में सोमवार को शहर की अदालत ने दोषी ठहराया। सरकार द्वारा नियुक्त तीन न्यायाधीशों ने 78 वर्षीय लाई को राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत करने और राजद्रोहपूर्ण लेख प्रकाशित करने की साजिश रचने का दोषी पाया। लाई ने खुद को निर्दोष बताया है। सजा के संबंध में फैसला बाद में सुनाया जाएगा।

आतंकवादी हमले में मरने वालों की संख्या 15 हुई

- **ऑस्ट्रेलिया में बंदूक से जुड़े कानून सख्त करेगी सरकार**

सिडनी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया में न्यू साउथ वेल्स की राजधानी सिडनी के बोंडी बीच पर हुए आतंकवादी हमले में मरने वालों की संख्या 15 हो गई है। इस हमले के बाद ऑस्ट्रेलियाई सरकार बंदूक ख़रीदने और लाइसेंस हासिल करने से जुड़े कानून ज़्यादा सख़्त करेगी।

सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की एक खबर के अनुसार, पोर्ट आर्थर नरसंहार के बाद हुए राष्ट्रीय बंदूक समझौते पर फिर से बातचीत होगी और कानून पारित करने के लिए क्रिसमस से पहले एनएसडब्ल्यू संसद को फिर से बुलाया जा सकता है। बॉन्डी बीच पर हुए नरसंहार के बाद, सभी राज्यों और क्षेत्रों ने बंदूक से जुड़े कानूनों को मज़बूत करने के लिये विकल्प विकसित करने पर सहमति जताई है। इन बड़े सुधारों में एक व्यक्ति के पास रखी जा सकने वाली बंदूकों की अधिकतम संख्या को सीमित करने सहित कई शर्तें शामिल है।

सिडनी के बॉन्डी बीच पर रविवार को हुई गोलीबारी के बाद सोमवार की सुबह घटना स्थल पर तैनात पुलिस के जवान।

न्यूजीलैंड ने यहूदियों की सुरक्षा बढ़ाई

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड सरकार ने ऑस्ट्रेलिया के बोंडी बीच पर हुए यहूदी विरोधी आतंकवादी हमले के बाद यहूदी समुदायों की सुरक्षा बढ़ा दी है। प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने सोमवार को यह जानकारी दी। लक्सन ने यहूदी नेताओं से निजी तौर पर मुलाकात के बाद इस हमले को बेहद भयावह और क्रूरता भरी यहूदी विरोधी भावना बताया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 16 दिसंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, द्वादशी 11.57 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

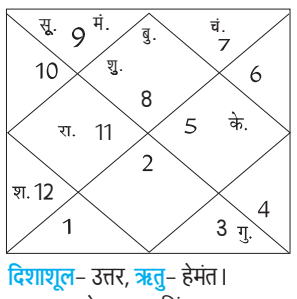

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- स्वाती 14.09 तक तत्पश्चात विशाखा।

मेष — आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। जीवनसाथी की सलाह का आपको करियर में लाभ मिलेगा। धन के लेन-देन वाले कार्य आज कर सकते हैं। संतान को लेकर शुभ समाचार मिल सकते हैं। भविष्य को लेकर आप योजना बनायेंगे।

वृष — आज कार्यक्षेत्र की राजनीति से स्वयं को दूर रखें। गृह कार्यों में आज व्यस्त रहेंगे। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई को लेकर अत्यंत उत्सुक रहेंगे। आपको स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मिथुन — आज करियर में सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा। छात्रों को शिक्षा में मनोनुकूल परिणाम मिलेगा। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। आपके पास नई जिम्मेदारियों का दबाव रहेगा। आक्रोशित होने के बजाय धैर्यपूर्वक निर्णय लेना आपके हित में होगा।

कर्क — आज कार्यक्षेत्र में मन नहीं लगेगा। भविष्य के बारे में आपको थोड़ा सोच-विचार करना पड़ेगा। परिजनों के व्यवहार से क्षुब्ध रहेंगे। फोन के माध्यम से शुभ सूचना प्राप्त हो सकती है। संपत्ति के दस्तावेजों और एग्रीमेन्ट आदि की पूरी जांच-परख कर लें।

सिंह — आज आप अपनी उन्नति से उल्लासित रहेंगे। प्रतिष्ठित लोगों से मुलाकात होगी। आज घर का माहौल बड़ा ही आनंददायक रहने वाला है। माता-पिता अपने बच्चों को विशेष समय देंगे। भाग्य का भरपूर साथ मिलेगा।

कन्या — आज नए व्यावसायिक संपर्क विकसित हो सकते हैं। अपने खान-पान को हेल्दी रखें। अपना व्यवहार संयमित रखें। अधिकारी वर्ग आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेगा। किसी महिला की आर्थिक सहायता करनी पड़ सकती है। दूसरों की बातों पर अधिक ध्यान न दें।

तुला — आज अपनी दिनचर्या अत्यंत अनुशासित रखने का प्रयास करें। इसका लाभ आपको ऊर्जा में बढ़ोत्तरी के रूप में मिलेगा। घर के इंटीरियर में कुछ बदलाव कर सकते हैं। संतान के विवाह की चिंता दूर होगी। मित्रों के साथ हंसी-मजाक में समय बितायेंगे।

वृश्चिक — आज कार्यक्षमता में कुछ कमी महसूस होगी। अपनी कमियों में सुधार लाने का प्रयास करें। कारोबार में उतार-चढ़ाव की परेशानी हो सकती है। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। अति आत्मविश्वास को अपने ऊपर हावी न होने दें। बनते कार्यों में विघ्न आ सकते हैं।

धनु — आज आपके व्यक्तित्व में सुधार आयेगा। दोस्तों के साथ खुशी के पल बितायेंगे। महत्वपूर्ण आधिकारिक यात्रा हो सकती है। घर में मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं। करियर को लेकर समस्याओं का समाधान होने की संभावना है। आय के नए स्रोत विकसित होंगे।

मकर — आज आपके मन में अच्छे और सतविचार उत्पन्न होंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी योग्यता की प्रशंसा होगी। अपने काम में लगातार सुधार करते रहें। स्वरोजगार में आर्थिक लाभ होने की संभावना है। अपनी रुचि के अनुसार ही काम करें तो अच्छा रहेगा।

कुंभ — आज कुछ लोग ईर्ष्यावश आपको गलत सलाह दे सकते हैं। बड़े भाई-बहनों की चिंता रहेगी। अनावश्यक यात्रा करने से बचें। अपनी कमियों पर सुधार लाने का प्रयास करें। बनते कार्यों में विघ्न आने की संभावना है। आपको भागदौड़ अधिक करनी पड़ेगी।

मीन — आज परिजनों की चिंता हो सकती है। खर्चों को लेकर अत्यंत चिन्तित रहेंगे। यदि निवेश की योजना बना रहे हैं तो फिलहाल अभी रुक लें। करियर को लेकर मन विचलित रहेगा। छोटे-मोटे विवाद उत्पन्न हो सकते हैं। मन में संदेह की भावना न आने दें।

सुडोकू-3

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

7	8		2				1	
	3			8				
2	1	6			4			5
	5			3		6	9	
		1				8		
	9	2		7			4	
1			9			5	2	6
				5			3	
	2				6		7	4

सुडोकू - 2 का हल

2	6	8	7	1	9	3	4	5
9	7	4	5	2	3	1	6	8
1	3	5	8	4	6	9	7	2
5	2	9	1	6	7	4	8	3
6	1	3	4	9	8	5	2	7
4	8	7	2	3	5	6	9	1
3	4	2	9	7	1	8	5	6
8	9	1	6	5	2	7	3	4
7	5	6	3	8	4	2	1	9

हमारा लक्ष्य समर्पित छात्र-खिलाड़ियों की पहचान करना और उन्हें वह माहौल, कोचिंग और संस्कृति प्रदान करना है जिसकी उन्हें उत्कृष्टता हासिल करने के लिए आवश्यकता है। ये ट्रायल शानदार मौका है जो पढ़ाई से समझौता किए बिना पेशेवर फुटबॉल में करियर बनाने का सपना देखते हैं।

-बाइचुंग भूटिया

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

लखनऊ, मंगलवार, 16 दिसंबर 2025

हाईलाइट

श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर दम्मिका गिरफ्तार, रिहा

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर और विश्व कप विजेता कप्तान अर्जुन रणतुंगा के बड़े भाई दम्मिका को देश के भ्रष्टाचार रोधी आयोग ने गिरफ्तार किया था लेकिन सोमवार को उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। भ्रष्टाचार जांच आयोग (सीआईएबीओसी) ने बताया कि 63 वर्षीय दम्मिका को 2017 में सरकारी संस्था सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (सीपीसी) द्वारा कच्चे तेल की खरीद में गलत निविदा प्रक्रिया के लिए गिरफ्तार किया गया था। वह उस समय इसके अध्यक्ष थे। सीआईएबीओसी ने कहा कि दम्मिका के अनुचित प्रभाव के कारण सीपीसी को 80 करोड़ श्रीलंकाई रुपये का नुकसान हुआ था।

दिव्यांग टी-20 सीरीज आज से

मुंबई। वानखेड़े स्टेडियम भारत और भारत 'ए' टीमों के बीच तीन मैचों की शारीरिक दिव्यांग टी20 सीरीज की मेजबानी 16 से 18 दिसंबर तक करेगा। भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद (डीसीसीआई) ने सोमवार को यह घोषणा की। तीन दिवसीय टी20 सीरीज का उद्देश्य समावेशिता, जज्बा और खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के साथ ही राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शारीरिक दिव्यांगता क्रिकेट की बढ़ती प्रतिष्ठा को उजागर करना है।

मनु भाकर, सिमरनप्रीत को स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। ओलंपिक की दोहरी कांस्य पदक विजेता मनु भाकर और विश्व कप फाइनल की स्वर्ण पदक विजेता सिमरनप्रीत कौर बरार ने सोमवार को यहां राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिला 25 मीटर पिस्टल वर्ग में क्रमशः सीनियर और जूनियर वर्ग का खिताब जीता। मनु ने फाइनल में 36 अंक के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

आईपीएल मिनी नीलामी : आज होगा 359 खिलाड़ियों के भाग्य का फैसला

कैमरन ग्रीन, वेंकटेश अय्यर और लियाम लिविंगस्टोन पर रहेंगी नजरें

अबु धाबी, एजेंसी

विश्व स्तरीय तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के उपलब्ध नहीं होने के कारण कैमरन ग्रीन इंडियन प्रीमियर लीग की मंगलवार को यहां होने वाली छोटी नीलामी में फायदे की स्थिति में रह सकते हैं और कोलकाता नाइट राइडर्स तथा चेन्नई सुपरकिंग्स जैसी टीम इस ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर के लिए बड़ी बोली लगा सकती हैं। नीलामी में 10 टीम 77 खिलाड़ियों को खरीदने उतरेंगी और सभी टीम के पास मिलाकर 237 करोड़ 55 लाख रुपये की राशि उपलब्ध है। 1355 खिलाड़ियों ने नीलामी के लिए पंजीकरण कराया था जिनमें 359 खिलाड़ियों को चुना गया है, इसमें 244 भारतीय खिलाड़ी और 115 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं।

मुंबई इंडियन्स की हालांकि नीलामी में अधिक भूमिका नहीं होगी क्योंकि उसके पास सिर्फ दो करोड़ 75 लाख रुपये उपलब्ध हैं और वह कुछ अनकैप्ड (जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला हो) खिलाड़ियों को उनके आधार मूल्य पर ही खरीद पाएगी। ग्रीन, भारतीय टीम से बाहर चल रहे वेंकटेश अय्यर और इंग्लैंड के आक्रामक बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन पर भारी-भरकम बोली लग सकती है।

छोटी नीलामी हमेशा बड़ी नीलामी से अधिक दिलचस्प होती है क्योंकि फ्रेंचाइजी खास पसंद के साथ आती हैं और अलग-अलग कौशल वाले खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहती हैं। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के लिए हमेशा से बड़ी बोलियां लगती रही हैं। इसे देखते हुए ग्रीन, वेंकटेश अय्यर और वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जेसन होल्डर सबसे अधिक दो करोड़ रुपये के आधार मूल्य वाले खिलाड़ियों की सूची में हैं। जहां तक वेंकटेश का सवाल है तो नाइट राइडर्स के सीईओ वैंकी मैसूर को छोड़कर सभी का मानना है कि नीलामी में 23 करोड़ 75 लाख लाख रुपये की राशि काफी अधिक थी और अपने सबसे खराब सत्र में यह ऑलराउंडर इस राशि को सही ठहराने की कोशिश में ही लगा रहा। टीम ने आंद्र रसेल को भी रिलीज कर दिया है और वह नाइट राइडर्स के नए 'पावर कोच' होंगे। नाइट राइडर्स को ऐसे में शीर्ष क्रम के दो अच्छे बल्लेबाज और एक ऑलराउंडर की दरकार है। तीसरे तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर होल्डर को लेकर भले ही काफी हल्ला नहीं हो लेकिन वह आक्रामक बल्लेबाजी के अलावा प्रभावी गेंदबाजी करने में सक्षम हैं।

बोली की रकम और खिलाड़ियों का वेतन दोनों अलग-अलग होगा जिसमें बोली की रकम को टीम के कुल सालाना खिलाड़ी वेतन में से काटा जाएगा। इसका कारण आईपीएल का 'अधिकतम फीस' नियम है जिसके अनुसार छोटी नीलामी में किसी विदेशी खिलाड़ी की अधिकतम फीस सबसे अधिक कीमत (18 करोड़ रुपये) पर रिटेन किए गए खिलाड़ी और पिछली बड़ी नीलामी सबसे अधिक बोली (2025 में ऋषभ पंत के लिए 27 करोड़ रुपये) में से जो भी कम हो, वह होगी। वेंकटेश के मामले में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या उनकी बोली 10 करोड़ रुपये से ऊपर जाती है जो उनके कौशल और काबिलियत को देखते हुए एक बोली होगी। छोटी नीलामी में राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड इस्तेमाल करने का कोई विकल्प नहीं है इसलिए अगर नाइट राइडर्स को वेंकटेश को वापस लेना है तो कुछ समझदारी भरे फैसले करने होंगे। स्पिन गेंदबाजी भी करने वाले इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी लिविंगस्टोन और दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक भी 10 लाख डॉलर (नौ करोड़ रुपये) का आंकड़ा छू सकते हैं।

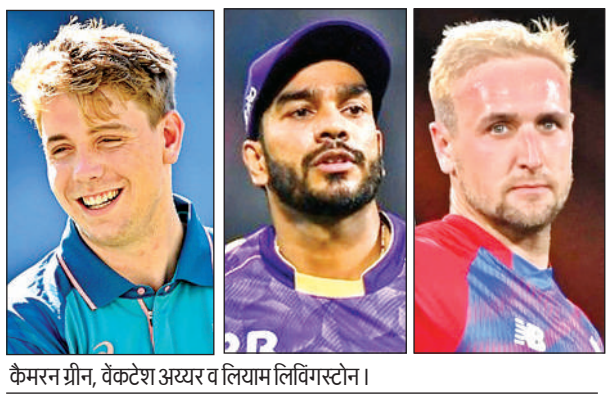

कैमरन ग्रीन, वेंकटेश अय्यर व लियाम लिविंगस्टोन।

कोलकाता के पास सबसे अधिक राशि

कोलकाता नाइट राइडर्स के पास सबसे अधिक 64 करोड़ 30 लाख रुपये की राशि उपलब्ध है और उसकी नजरें टीम को नए सिरे से तैयार करने पर टिकी होंगी। टीम को 13 खिलाड़ियों को खरीदना है और नीलामी में उसे मुख्य रूप से चुनौती सुपरकिंग्स से मिलने की उम्मीद है जिसके पास 43 करोड़ 40 लाख रुपये की राशि उपलब्ध है।

ग्रीन ने सबको प्रभावित किया

आईपीएल में ग्रीन ने प्रभावित किया है। उन्होंने 29 मैच में 704 रन बनाने के अलावा 16 विकेट भी चटकाए हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए सभी प्रारूपों में नियमित रूप से खेलते हैं और ऐसे में नीलामी में उनका आकर्षण का केंद्र होना लगभग तय है। ऐसी चर्चा है कि ग्रीन आईपीएल नीलामी में सबसे अधिक कीमत वाले विदेशी खिलाड़ियों की सूची में अपने हमवतन मिचेल स्टार्क (24 करोड़ 75 लाख रुपये) को पीछे छोड़ सकते हैं लेकिन इसमें भी एक पेंच है। भले ही ग्रीन की बोली 25 करोड़ रुपये से अधिक हो जाए लेकिन फिर भी इस सत्र के लिए उनका वेतन 18 करोड़ रुपये ही रहेगा।

गिल पर भरोसा रखना चाहिए: अभिषेक

धर्मशाला, एजेंसी। बारह वर्ष की उम्र से शुभमन गिल के साथ खेल रहे अभिषेक शर्मा को पता है कि खराब फॉर्म से उबरकर वह भारत के लिये टी20 विश्व मैच जीतेंगे और अगले साल टी20 विश्व कप में भी शानदार प्रदर्शन करेंगे। भारत की टी20 एकादश में गिल के चयन पर सवाल उठे थे क्योंकि फॉर्म में चल रहे संजू सैमसन को बाहर रखा गया था। गिल 15 पारियों में 137.3 की स्ट्राइक रेट से 291 रन ही बना सके हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां तीसरे टी20 में उन्होंने 28 गेंद में 28 रन बनाए। गिल और कप्तान सूर्यकुमार यादव के खराब फॉर्म के बारे में पूछने पर अभिषेक ने कहा मैं एक बात साफ बताना चाहता हूं कि आप भरोसा रखिये, ये दोनों खिलाड़ी भारत के लिये विश्व कप में मैच जीतेंगे और इस सीरीज में भी। अपने बचपन के दोस्त गिल के बारे में उन्होंने कहा मैं इतने समय से इनके साथ खेल रहा हूं, खासकर शुभमन के तो मुझे पता है कि वह किसी भी टीम के खिलाफ और किसी भी हालात में रन बना सकता है। उन्होंने कहा मुझे उस पर शुरू से काफी भरोसा है और जल्दी ही सभी को पता चलेगा और सभी इसी तरह से भरोसा करेंगे। तीसरे मैच में 18 गेंद में 35 रन बनाकर भारत को 2-1 से बढ़त दिलाने वाले अभिषेक ने कहा कि दिसंबर के मौसम को ध्यान में रखते हुए उन्होंने बल्लेबाजी की। उन्होंने कहा आपको यह ध्यान में रखना पड़ता है कि गेंद स्विंग कर रही है या सीम ले रही है। मैंने कुछ ऐसे शॉट खेले जो ऐसे विकेट पर ही खेले जा सकते हैं।

भारत के नई गेंद के गेंदबाजों ने हमारे लिए मुश्किलें खड़ी कीं : मार्करम

धर्मशाला। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम ने तीसरे टी20 मैच में मिली हार के बाद कहा कि भारत के नयी गेंद के गेंदबाजों ने उनके लिये दिक्कतें खड़ी की और उनके बल्लेबाज तेजी से रन नहीं बना सके। भारत के अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा ने पहले चार ओवर के भीतर दक्षिण अफ्रीका के तीन विकेट उस समय निकाल दिए जब स्कोर बोर्ड पर सात रन ही टंगे थे। इन झटकों से मार्करम की टीम उबर नहीं सकी और 117 रन बनाने के बाद सात विकेट से हार गई। मार्करम ने मैच के बाद कहा उन्होंने सही जगहों पर गेंद डाली। अर्शदीप ने उम्दा गेंदबाजी की। उनके नयी गेंद के दोनों गेंदबाजों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा आपको अनुकूल हालात मिल सकते हैं लेकिन आखिर में गेंदबाजों को सही जगहों पर गेंद डालनी होगी और उन्होने वही किया। उन्हें इसका श्रेय दिया जाना चाहिये। पहली गेंद से ही उन्होंने हमारे लिए मुश्किलें खड़ी की। माक्ररम ने स्वीकार किया कि हालात चुनौतीपूर्ण थे लेकिन यह भी कहा कि टीम को इसके अनुकूल ढलना होगा। उन्होंने कहा हालात कठिन थे लेकिन हमें इसके अनुरूप ढलना होगा। मौसम ठंडा था जिसका असर पड़ा पर इससे कोई समस्या नहीं होनी चाहिए।

बीमार अक्षर पटेल टी-20 सीरीज के शेष मैचों से बाहर

नई दिल्ली। भारतीय हरफनमौला अक्षर पटेल बीमारी के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शेष दो टी20 मैचों से सोमवार को बाहर हो गए। बीसीसीआई की चयन समिति ने उनकी जगह शाहबाज अहमद को टीम में शामिल किया है। अक्षर रविवार को धर्मशाला में खेले गए तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भी नहीं खेल पाए थे, जहां उनकी जगह स्पिनर कुलदीप यादव को अंतिम एकादश में शामिल किया गया था। भारत ने कम स्कोर वाले मैच में दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली। इस श्रृंखला के आखिरी दो मैच क्रमशः बुधवार और शुक्रवार को लखनऊ और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। देवजीत सैकिया ने कहा अक्षर पटेल बीमारी के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शेष दो मैचों से बाहर हो गए हैं।

मेसी ने दिल्ली में फुटबॉल प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध किया

नई दिल्ली, एजेंसी

लियोनेल मेसी के बहुप्रतीक्षित 'जीओएटी इंडिया टूर' की शुरुआत भले ही अव्यवस्थित ढंग से हुई हो लेकिन इसका समापन दिल्ली में शानदार तरीके से हुआ जहां प्रशंसक अपने चहेते खिलाड़ी की झलक पाकर खुशी से झूम उठे। फुटबॉल के इस दिग्गज खिलाड़ी ने अपने प्रशंसकों को महज 30 मिनट में ही जीवन भर संजो कर रखने वाले यादगार पल दे दिए और वापस आने का वादा भी किया।

अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम इस दौरान फुटबॉल जगत के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र था। मेसी के दीवानों ने उस शख्स का दीदार किया जो मैदान पर अक्सर 'बेजोड़' प्रदर्शन करता है। मेसी ने जब माइक संभाला और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, आईसीसी अध्यक्ष जय शाह और पूर्व भारतीय फुटबॉल कप्तान बाइचुंग भूटिया समेत कई अन्य लोगों की मौजूदगी में प्रशंसकों को संबोधित किया उनके प्रति दीवानगी चरम पर पहुंच गई। मेसी ने दर्शकों से कहा भारत में इन दिनों मिले प्यार और स्नेह के लिए मैं सभी का धन्यवाद करना चाहता हूं। शहर के अधिकांश लोग स्पेनिश भाषा को नहीं समझते लेकिन इसके बावजूद उनके इन शब्दों ने दर्शकों में एक ऐसी ललक और उत्साह पैदा कर दिया जो पहले शायद ही कभी देखा गया हो। मेसी ने कहा भले ही यह संक्षिप्त दौरा है लेकिन इतना प्यार पाना अद्भुत है। मुझे इस दीवानगी के बारे में पहले से ही पता था, लेकिन इसे सीधे तौर पर महसूस करना और भी अद्भुत था। हमने इन दिनों में जो भी महसूस किया वह हमारे लिए एक अविश्वसनीय अनुभव था। इस विश्व कप विजेता खिलाड़ी ने कहा हम इस सारे प्यार को अपने साथ संजोकर रखेंगे, और हम निश्चित रूप से लौटेंगे, उम्मीद है कि किसी दिन कोई मैच खेलने या किसी अन्य अवसर पर, लेकिन हम भारत की यात्रा अवश्य करेंगे। बहुत-बहुत धन्यवाद। कोलकाता में शनिवार को अराजक शुरुआत के बाद सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि व्यापक रूप से प्रचारित और बहुप्रतीक्षित इस कार्यक्रम का अंत वैसा ही हुआ जैसा आयोजक चाहते थे कोटला की दर्शक दीर्घा में उमड़ी हजारों की भीड़ के साथ ही मैदान के अंदर मौजूद कुछ भारतीय हस्तियां और गणमान्य व्यक्ति दुनिया के सबसे सम्मानित खिलाड़ियों में से एक की मेजबानी के उत्साह में सराबोर थे।

नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, उरुग्वे के फुटबॉलर लुइस सुआरेज़, अर्जेंटीना के फुटबॉलर लियोनेल मेसी, आईसीसी चेयरमैन जय शाह और अर्जेंटीना के फुटबॉलर रोड्रिगो डी पॉल। एजेंसी

- चार शहरों के 'जीओएटी इंडिया टूर 2025' का समापन, वापस आने का किया वादा

हम आखिर हासिल क्या करना चाह रहे : अभिनव बिंद्रा

नई दिल्ली। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारत के पूर्व निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी के भारत दौरे के घटनाक्रम की आलोचना करते हुए कहा कि इस महान खिलाड़ी के करीब आने या उसके साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए लाखों रुपये खर्च किये जाने को लेकर वह काफी दुखी हैं। ऐसी के तीन दिन के भारत दौरे पर काफी अराजकता देखी गई चूंकि राजनेताओं, फिल्मी हस्तियों, उद्योगपतियों और अधिकारियों में उनके साथ तस्वीर लेने को लेकर होड़ रही। बिंद्रा ने एक्स पर लिखा जैसे जैसे उनका हालिया भारत दौरा आगे बढ़ा, कुछ जगहों पर अफरा तफरी हुई व मुझे काफी असहज लगा।

तीसरे एशेज टेस्ट के लिए टंग की इंग्लैंड टीम में वापसी

एडिलेड : इंग्लैंड ने बुधवार से यहां खेले जाने वाले तीसरे एशेज टेस्ट के लिए गुस एटकिंसन की जगह जोश टंग को टीम में वापस बुलाया है, लेकिन धीमे गेंदबाजों की मददगार पिच की संभावना के बावजूद विशेषज्ञ स्पिनर शोएब बशीर को एकादश में जगह नहीं मिली है।

टंग की वापसी इंग्लैंड की टीम में एकमात्र बदलाव है जिसे गाबा में आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इंग्लैंड की टीम पांच मैचों की सीरीज में 0-2 से पीछे हैं। उसके लिए सीरीज में बने रहने के लिए एडिलेड में जीत दर्ज करना जरूरी होगा।

चयनकर्ताओं ने बशीर के टीम में होने के बावजूद स्पिन गेंदबाजी करने वाले हरफनमौला विल जैक्स को तरजीह दी है। बशीर को इससे पहले पर्थ और ब्रिसबेन की तेज गेंदबाजों की मददगार परिस्थितियों में खेले गये मैच के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था, तो टीम ने जैक्स को एकादश में बनाये रखने का फैसला किया।

विजय हजारे ट्रॉफी में भागीदारी अनिवार्य : बोर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

- 24 दिसंबर से शुरू हो रही प्रतियोगिता
- सीनियर खिलाड़ियों को कम से कम दो मैच में अपनी उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी

बीसीसीआई ने भारतीय टीम के मौजूदा खिलाड़ियों के लिए 24 दिसंबर से शुरू हो रही विजय हजारे ट्रॉफी में कम से कम दो वनडे मैच खेलना अनिवार्य कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी टी20 मैच (19 दिसंबर) और न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे (11 जनवरी, 2026) के बीच तीन सप्ताह से अधिक का अंतर है और बोर्ड चाहता है कि सभी सीनियर खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलें।

अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने सभी को यह निर्देश दे दिया है। इस साल की शुरुआत में आस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज में हार के बाद यह सिफारिश की गई थी। इसमें हर प्रारूप में घरेलू क्रिकेट पर अधिक जोर देने के लिए कहा गया था। विराट कोहली और रोहित शर्मा टूर्नामेंट के लिए अपनी उपलब्धता की सूचना दे चुके हैं। वहीं, सीनियर खिलाड़ी शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव को अपनी अपनी टीमों के लिए कम से कम दो मैच खेलने के लिए कहा जा सकता है। बीसीसीआई ने कहा विजय हजारे ट्रॉफी के छह दौर 24 दिसंबर से खेले जाने हैं। यह खिलाड़ियों और उनके प्रदेश संघों पर निर्भर करता है कि वे कौन से दो दौर खेलना चाहते हैं। किसी को छूट तभी दी जायेगी जब उत्कृष्टता केंद्र से किसी को अनफिट घोषित किया जाता है पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के बाद चोट से उबरने के लिए काफी समय होगा।

बीबीएल में अफरीदी को गेंदबाजी से रोका गया

जिलॉन्ग (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी

बिग बैश लीग (बीबीएल) में ब्रिस्बेन हीट बनाम मेलबर्न रेनेगेड्स के बीच खेले जा रहे मैच में खतरनाक गेंदबाजी कर रहे शाहीन शाह अफरीदी को गेंदबाजी से हटा दिया गया।

यह घटना रेनेगेड्स की पारी के 18वें ओवर में उस समय हुई जब ब्रिस्बेन हीट के लिए अपना पहला मैच खेल रहे अफरीदी ने दो कमर-ऊंचाई वाली फुल टॉस गेंदें फेंकीं एक टिम सीफर्ट को और एक ओली पीक को और इसके बाद उन्हें गेंदबाजी से हटा दिया गया। जब उन्हें बताया गया कि अब वह गेंदबाजी नहीं कर सकते, तो अफरीदी ने हल्की मुस्कान दी, क्योंकि हीट के कप्तान नाथन मैकस्वीनी को ओवर पूरा करने के लिए आखिरी दो गेंदें फेंकनी पड़ीं।

18वें ओवर की खराब गेंदबाजी से पहले, अफरीदी ने उस ओवर में 19 रन दिए।

अफरीदी ने बीबीएल में 2.4 ओवरों में तीन नौ बॉल और दो वाइड गेंदे फेंकी। बहुत धूमधाम के साथ गेम में एंट्री करने वाले अफरीदी को पर्दापण मैच में जहां गेंदबाजी से रोका गया। वहीं पाकिस्तान टीम के अपने साथी मोहम्मद रिजवान भी रेनेगेड्स के लिए अपना बीबीएल में पर्दापण किया और दूसरे ओवर में तीन डॉट गेंदों के साथ अच्छी शुरुआत की थी।

प्रधानमंत्री ने स्क्वाश विश्व कप विजेता टीम को दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को एसडीएटी स्क्वाश विश्व कप 2025 में अपना पहला विश्व कप खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय स्क्वाश टीम को बधाई दी।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने जोशना चिनप्पा, अभय सिंह, वेलवन सेंथिल कुमार और अनाहत सिंह की चौकड़ी की जबरदस्त लगन और दृढ़ संकल्प के लिए तारीफ करते हुए कहा कि उनकी सफलता ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। प्रधानमंत्री ने भारतीय खेल पर इस ऐतिहासिक उपलब्धि के व्यापक प्रभाव पर बल देते हुए कहा यह जीत हमारे युवाओं के बीच स्क्वैश की लोकप्रियता को भी बढ़ाएगी।

गर्व की बात

विश्व कप फाइनल में शानदार प्रदर्शन का मिला पुरस्कार, 78 गेंदों पर बनाए थे 87 रन

शेफाली महीने की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गईं

दुबई, एजेंसी

महिला विश्व कप के फाइनल में पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को आईसीसी (अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) का नवंबर महीने का 'माह का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' का पुरस्कार मिला है। प्रतिका रावल के चोटिल होने के बाद अपने विश्व कप अभियान को सेमीफाइनल में शुरू करने वाली शेफाली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में 78 गेंदों में 87 रन बनाए। यह महिला विश्व कप फाइनल में किसी भारतीय सलामी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर है। भारत ने नवी मुंबई में खेले गए फाइनल में उनकी शानदार बल्लेबाजी के बूते से सात विकेट पर 298 रन बनाए। टीम ने इसके बाद 52 रन से मैच जीतकर पहली बार इस खिताब को अपने नाम किया। शेफाली ने पहले विकेट के लिए स्मृति मंधाना के साथ 104 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी। इस 21 साल की बल्लेबाज ने थाईलैंड की थीपैचा पुथावोंग और यूएई की ईशा ओझा को पछाड़ कर अपना पहला 'महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' का पुरस्कार जीता। आईसीसी से जारी विज्ञप्ति में शेफाली ने कहा आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में मेरा पहला अनुभव मेरी उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा, लेकिन यह मेरी कल्पना और उम्मीदों से कहीं बेहतर तरीके से समाप्त हुआ। उन्होंने कहा मैं आभारी हूं कि मैं फाइनल में टीम की सफलता में योगदान दे सकी और घरेलू दर्शकों के सामने पहली बार विश्व कप जीतने के इतिहास का हिस्सा बन सकी। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर साइमन हार्मर को भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार गेंदबाजी के लिए पुरुष वर्ग का पुरस्कार मिला। हार्मर के शानदार प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका भारत में 25 साल में पहली बार टेस्ट सीरीज जीतने में सफल रहा।

> मैं नवंबर माह के लिए सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुने जाने पर वास्तव में सम्मानित महसूस कर रही हूं। मैं यह पुरस्कार अपनी टीम के साथियों, अपने सभी कोच, परिवार और उन सभी को समर्पित करती हूं जिन्होंने अब तक मेरी यात्रा में मेरा साथ दिया है। हम एक टीम के रूप में जीतते और हारते हैं, यही बात इस पुरस्कार पर भी लागू होती है।
>
> -शेफाली वर्मा

फीफा फुटबॉल पुरस्कार विजेताओं की घोषणा आज

ज्यूरिख (स्विट्जरलैंड)। द बेस्ट फीफा फुटबॉल पुरस्कार 2025 के विजेताओं की घोषणा कतर की राजधानी दोहा में आयोजित एक विशेष समारोह में मंगलवार को होगी। कल होने वाले इस समारोह का सीधा प्रसारण फीफाडॉटकॉम पर स्थानीय समय के अनुसार 20 बजे किया जाएगा। अहमद बिन अली स्टेडियम में पेरिस सेंट-जर्मेन और सीआर फ्लेमेंगो के बीच फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल कप कतर 2025 के फाइनल की पूर्व संध्या पर, दोहा के फेयरमोंट कटारा हॉल में फीफा सेलिब्रेशन 2025 रात्रिभोज के दौरान इस वर्ष के दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों और कोचों के नामों की घोषणा की जाएगी।